खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 28 नवंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु. । वर्ष-7 । अंक-325

ऑपरेशन सिंदूर भारत की सैन्य शक्ति और शांति के संकल्प का प्रतीक : मुर्मू

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति और तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर द्रौपदी मुर्मु ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत की आतंकवाद-रोधी और प्रतिरोधक रणनीति का प्रतीक बताते हुए कहा है कि भारत शांति चाहता है लेकिन अपनी सीमाओं तथा लोगों की सुरक्षा के लिए दृढ़ता और संकल्प के साथ किसी भी स्थिति से निपटने को तैयार है।

श्रीमती मुर्मु ने गुरुवार को यहां सेना द्वारा आयोजित संगोष्ठी मचाणक्य डिफेंस डायलॉग-2025फ के तीसरे संस्करण के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने देश की संप्रभुता की रक्षा में पेश-ेवराना दक्षता और देशभक्ति का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, हमारे बलों ने हर सुरक्षा चुनौती चाहे पारंपरिक हो, उग्रवाद विरोधी हो या मानवीय , हमारे बलों ने अद्भुत क्षमता और दृढ़ संकल्प दिखाया है।

मऑपरेशन सिंदूरफ की सफलता को देश की आतंकवाद-रोधी और प्रतिरोधक रणनीति का निर्णायक क्षण बताते हुए उन्होंने कहा, इसने न केवल भारत की सैन्य क्षमता को दुनिया के सामने रखा, बल्कि जिम्मेदार और दृढ़ तरीके से शांति के लिए कार्य करने की भारत की नैतिक स्पष्टता को भी प्रदर्शित किया। श्रीमती मुर्मु ने कहा सशस्त्र बल अपने संचालन दायित्वों से परे राष्ट्रीय विकास के स्तंभ भी हैं। सीमाओं को मजबूत करने के साथ-साथ उन्होंने बुनियादी ढाँचा, कनेक्टिविटी, पर्यटन और शिक्षा के माध्यम से सीमा क्षेत्र के विकास में भी योगदान दिया है। राष्ट्रपति ने कहा कि मौजूदा भू-राजनीतिक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। वैश्विक व्यवस्था प्रतिस्पर्धी शक्ति केंद्रों, तकनीकी उथल-पुथल और बदलते गठबंधन के कारण नया आकार ले रही है। साइबर, अंतरिक्ष और सूचना युद्ध जैसे नए प्रतिस्पर्धी क्षेत्रों ने शांति और संघर्ष की रेखाओं को धुंधला कर दिया है।

उन्होंने कहा कि मवसुधैव कुटुंबकमफ की हमारी सभ्यतागत भावना से प्रेरित होकर भारत ने दिखाया है कि रणनीतिक स्वायत्तता वैश्विक जिम्मेदारी के साथ हमारी कूटनीति, अर्थव्यवस्था और सशस्त्र बल मिलकर ऐसे भारत की छवि प्रस्तुत करते हैं जो शांति चाहता है, लेकिन अपने सीमाओं और नागरिकों की सुरक्षा के लिए दृढ़ता और संकल्प के साथ तैयार है।

राष्ट्रपति ने इस बात पर खुशी जाहिर की कि सेना म बदलाव के दशकफ के अंतर्गत सुधारों के माध्यम से स्वयं को बदल रही है। वह संरचनाओं में सुधार कर रही है, सिद्धांतों को पुनर्परिभाषित कर रही है और सभी क्षेत्रों में भविष्य के लिए सक्षम बनने के लिए क्षमताओं का पुनर्निर्माण कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये रक्षा सुधार भारत को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होंगे।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि सेना युवाओं और मानव संसाधन में निवेश कर रही है। वह शिक्षा, एनसीसी विस्तार और खेलों के माध्यम से युवाओं में देशभक्ति का भाव विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि युवा महिला अधिकारियों और सैनिकों की भूमिका तथा सहभागिता के विस्तार से समावेशिता की भावना को बढ़ावा मिलेगा और इससे अधिक युवा महिलाएं सेना में शामिल होने और अन्य पेशों को अपनाने के लिए प्रेरित होंगी। ▶10 पर

कर्नाटक में खुलकर सामने आई कांग्रेस में कुर्सी की कलह

खड़गे ने नेताओं को दिल्ली किया तलब

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन को लेकर उठी अटकलों ने सियासी उथल-पुथल तेज कर दी है। मुख्यमंत्री सिद्दरमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के समर्थकों ने खुलकर शक्ति-प्रदर्शन शुरू कर दिया है, जिससे कांग्रेस हाईकमान पर दबाव बढ़ गया है। सिद्दरमैया ने संकेतों में पांच साल पूरे होने से पहले पद छोड़ने से इन्कार किया है।

कथित मफ्पावर-शेयरिंग फार्मूलेफ्फ के बीच पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने साफ किया है कि नेतृत्व मुद्दे पर अंतिम फैसला दिल्ली में वरिष्ठ नेताओं और दोनों शीर्ष नेत-ाओं की मौजूदगी में सामूहिक चर्चा के बाद ही होगा। उधर, विभिन्न जाति समुदायों के संगठनों के खुलकर सामने आने से यह विवाद केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक आयाम भी ग्रहण करता दिख रहा है।

इन सबके बीच भाजपा ने कहा है कि कुर्सी के लिए खींचतान केवल पैसे और पावर के लिए की जा रही है। इस बीच, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि वह दिल्ली जाकर कर्नाटक के तीन-चार महत्वपूर्ण नेताओं को बुलाएंगे और चर्चा करेंगे। राहुल गांधी भी इसमें शामिल होंगे। चर्चा के बाद आगे का रास्ता चुना जाएगा। अत: किसी भी तरह का भ्रम खत्म हो चुका है।

उन्होंने कहा कि हमारी हाईकमान टीम मामले पर चर्चा करके सबकुछ तय करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि हाईकमान का मतलब किसी व्यक्ति विशेष से नहीं है, बल्कि हमारी टीम फैसला करती है। उनके बयान पर सीएम सिद्दरमैया ने कहा कि अगर उन्हें बुलाया जाता है तो वह दिल्ली जाएंगे। वहीं शिवकुमार ने कहा कि मैं और मुख्यमंत्री चर्चा करेंगे और दिल्ली बुलाए जाने पर जाएंगे।

जी परमेश्वरा ने भी ठोका दावा

मुख्यमंत्री पद की रेस में शामिल पार्टी के एक अन्य वरिष्ठ नेता और गृह मंभी जी परमेश्वरा ने पार्टी हाई कमान में भरोसा जताया और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि मामले का हल हफ्तेभर में निकल आएगा। उन्होंने कहा कि अगर उनके अनुभव और कौशल के आधार पर शीर्ष पद के लिए चुना जाता है तो वह कांग्रेस की विचारधारा के मुताबिक लोगों की सेवा करने के लिए तैयार हैं।

सिद्धारमैया और शिवकुमार में चले मशब्दबाणफ डीके शिवकुमार और सीएम सिद्धरमैया के बीच शब्दबाण भी चल रहे हैं। शिवकुमार ने सिद्दरमैया को याद दिलाते हुए कोडवर्ड में अपनी बात लिखी। उन्होंने लिखा- अपनी बात का मान रखकर आगे बढ़ना चाहिए। इस पर सिद्दरमैया ने पलटवार करते हुए लिखा मशब्दों से खेलाफ जा रहा है। जनता ने पूरे पांच साल के लिए हमें जिम्मेदारी दी है।

शिवकुमार ने एक्स पर लिखा- शब्द की ताकत ही दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है। अपने कहे का मान रखना दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है। चाहे वो जज हो, राष्ट्रपति हो या मेरे जैसा कोई शख्स हो, हर किसी को अपनी बात का मान रखकर आगे बढ़ना चाहिए। शब्द की ताकत की दुनिया की शक्ति है। इसके जवाब में सिद्दरमैया ने लिखा कि शब्द तब तक ताकतवर नहीं हो सकता, जब तक ये लोगों के लिए दुनिया को बेहतर न बना दे।

कर्नाटक के लोगों ने जो जनादेश दिया है वह क्षणिक चीज नहीं है, बल्कि एक जिम्मेदारी है जो पूरे पांच साल निभानी है। मैं और कांग्रेस पार्टी लोगों की करुणा, निरंतरता और साहस के साथ सेवा करके अपनी बात साबित कर रहे हैं।

भाजपा ने बताया पैसे और सत्ता का खेल भाजपा नेता बूरा नरसैया गौड़ ने गुरुवार को कर्नाटक में चल रहे सत्ता-साझेदारी नाटक के लिए कांग्रेस की आलोचना की और आरोप लगाया कि पार्टी की आंतरिक कलह मफ्सत्ता और पैसे की खींचतानफ्फ है और इससे राज्य की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है।उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी ज्यादा से ज्यादा पैसा बटोरने के लिए सीएम सिद्दरमैया और डीके शिवकुमार को आपस में लड़ा रहे हैं। दोनों का सीधा हिसाब ये है कि जो ज्यादा पैसा भेजेगा, उसे सीएम बना दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यही समय है जब राज्य की जनता को अपना भविष्य तय करना है। आज नहीं तो कल, कर्नाटक को कांग्रेस से मुक्ति मिलकर रहेगी।

मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण को चुनौती सुप्रीम कोर्ट में 2 दिसंबर को सुनवाई

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के फैसले को चुनौती देने वाली मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एमडीएमके) के संस्थापक वाइको द्वारा दायर याचिका पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा था। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और अभिनेता से नेता बने विजय की तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) सहित कई अन्य दलों ने भी राज्य में एसआईआर अभ्यास के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई 2 दिसंबर (मंगलवार) तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के फैसले को चुनौती देने वाली मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एमडीएमके) के संस्थापक वाइको द्वारा दायर याचिका पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा था। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और अभिनेता से नेता बने विजय की तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) सहित कई अन्य दलों ने भी राज्य में एसआईआर अभ्यास के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया है।

डीएमके की याचिका पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष प्रस्तुत की गई। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि वह मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करेगा। संगठन सचिव आरएस भारती ने मतदाता सूची की एसआईआर की संवैधानिक वैधता को चुनौती देते हुए और चुनाव आयोग की 27 अक्टूबर की अधिसूचना को रद्द करने की मांग करते हुए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, जिसने 24 जून को जारी पूर्व दिशानिर्देशों के आधार पर एसआईआर को तमिलनाडु तक बढ़ा दिया था।

इसने चुनाव आयोग के 24 जून और 27 अक्टूबर के आदेशों को चुनौती दी थी, जिसमें एसआईआर के संचालन का निर्देश दिया गया था। याचिका में कहा गया है कि यदि एसआईआर और चुनाव आयोग के आदेशों को रद्द नहीं किया जाता है, तो उचित प्रक्रिया के बिना, लाखों मतदाताओं को अपने प्रतिनिधियों को चुनने से मनमाने ढंग से वंचित किया जा सकता है, जिससे देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव और लोकतंत्र बाधित हो सकता है, जो संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा हैं।

अधिवक्ता दीक्षिता गोहिल, प्रांजल अग्रवाल, शिखर अग्रवाल और यश एस. विजय के माध्यम से दायर टीवीके की याचिका में चुनाव आयोग की अधिसूचना को रद्द करने की भी मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि एसआईआर अनुच्छेद 14, 19, 21, 325 और 326 के तहत संवैधानिक सुरक्षा का घोर उल्लंघन है और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (आरओपीए) की धारा 21 और 23 के तहत वैधानिक ▶10 पर

पीएम मोदी ने ब्लाइंड टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय महिला टीम से की मुलाकात

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय महिला दृष्टिबाधित टीम ने नेपाल को हराकर पहला ब्लाइंड टी20 विश्व कप जीता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व कप जीतने वाली खिलाड़ियों से गुरुवार को मुलाकात की और उन्हें उनकी जीत की बधाई दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी खिलाड़ियों और विश्व कप की ट्रॉफी के साथ तस्वीर खिंचवाई। प्रधानमंत्री को खिलाड़ियों ने अपना हस्ताक्षरित बल्ला सौंपा। पीएम ने गेंद पर अपना हस्ताक्षर भी किया। प्रधानमंत्री ने एक-एक कर सभी खिलाड़ियों के साथ मुलाकात की और उनके साथ विश्व कप से जुड़े किस्सों को सुना। सभी खिलाड़ी पीएम के साथ बेहद सहज नजर आईं।

मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सभी खिलाड़ियों को अपने हाथ से मिठाई खिलाई।

भारतीय महिला दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम ने रविवार को कोलंबो में खेले गए मुकाबले में नेपाल को 7 विकेट से हराया। टॉस जीतकर भारतीय टीम ने पहले फिल्डिंग करने का फैसला किया था। नेपाल ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 114 रन बनाए थे। भारतीय टीम ने 12.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया और ऐतिहासिक जीत हासिल की।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इसी महीने 2 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहली बार वनडे विश्व कप का खिताब जीता था। उस जीत के ठीक 21 दिन बाद दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम का खिताब जीतना क्रिकेट की हर श्रेणी में भारत के बढ़ते दबदबे को दिखाता है।

भारतीय दृष्टिबाधित टीम ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था। नेपाल की टीम पाकिस्तान को हराकर फाइनल में पहुंची थी। भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं हारा। भारत ने लीग मैचों में श्रीलंका को 10 विकेट से, ऑस्ट्रेलिया को 209 रन से, नेपाल को 85 रन से, अमेरिका को 10 विकेट से, पाकिस्तान को 8 विकेट से हराया।

इसके बाद सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से और फाइनल में नेपाल को 7 विकेट से हराकर खिताब जीता। टूर्नामेंट की शुरुआत भारत में 21 नवंबर को हुई थी। भारत, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका ने टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था।

नारी शक्ति को न्याय! असम में बहुविवाह विधेयक पारित, दूसरी शादी पड़ सकती है भारी

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)।

असम विधानसभा ने गुरुवार को असम बहुविवाह निषेध विधेयक, 2025 पारित कर दिया, जिसमें दूसरी शादी करने पर 10 साल तक की जेल जैसी कड़ी सज़ा का प्रावधान है। विधेयक पेश होने के बाद विधानसभा में बोलते हुए, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस विधेयक की ज़रूरत को उचित ठहराने के लिए तुर्की का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि यह विधेयक इस्लाम के ख़िलाफ़ नहीं है और लोगों से इस विधेयक का समर्थन करने और सच्चा मुसलमान बनने का आग्रह किया।

असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि इस्लाम बहुविवाह को बढ़ावा नहीं दे सकता। अगर यह विधेयक पारित हो जाता है, तो आपको सच्चा मुसलमान बनने का मौका मिलेगा। यह विधेयक इस्लाम के ख़िलाफ़ नहीं है। सच्चे इस्लामी लोग इस अधिनियम का स्वागत करेंगे। तुर्की जैसे देशों ने भी बहुविवाह पर प्रतिबंध लगा दिया है; पाकिस्तान में एक मध्यस्थता परिषद है। असम विधानसभा में पारित विधेयक असम राज्य में बहुविवाह और बहुविवाह की प्रथाओं और उनसे जुड़े व प्रासंगिक मामलों को प्रतिबंधित और समाप्त करता है।

यह मसौदा कानून छठी अनुसूची के क्षेत्रों को छोड़कर पूरे राज्य में लागू होगा, और भारतीय संविधान के अनुच्छेद 342 के साथ पठित अनुच्छेद 366 के खंड (25) के अर्थ में किसी भी अनुसूचित जनजाति के सदस्यों पर लागू होगा। इस विधेयक में गैरकानूनी बहुविवाह के लिए किसी भी अपराधी को 7 साल की कैद और पिछली शादी को छिपाने के लिए 10 साल की कैद का प्रस्ताव किया गया है। इसके अतिरिक्त, नए अधिनियम के तहत, अवैध विवाह करने वाली महिलाओं को मुआवजा और कानूनी सुरक्षा प्रदान की जाएगी।

बार-बार हिंसा करने वाले अपराधी को कड़ी सजा का सामना करना पड़ेगा।

विधेयक में कहा गया है कि यदि गाँव का मुखिया, काज़ी, माता-पिता या बहुविवाह के अनुबंधकर्ता पक्ष के कानूनी अभिभावक बेईमानी या धोखे से छिपाते हैं और जानबूझकर बहुविवाह के अनुष्ठान में भाग लेते हैं, तो उन्हें दो साल तक की कैद और एक लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।

विधेयक पारित होने के बाद, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि विधेयक का पारित होना हमारी नारीशक्ति के लिए न्याय की दिशा में एक मजबूत कदम है।

कार्टून कॉर्नर

मणिपुर के 37,000 साल पुराने बांस से उजागर हुआ एशिया के हिमयुग का रहस्य

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। मणिपुर की इम्फाल घाटी में पौधों के अवशेषों की जांच कर रहे शोधकर्ताओं को चिरांग नदी की गाद से आश्चर्यजनक रूप से अक्षुण्ण बांस का एक तना मिला है जो 37,000 साल पुराना है और जिसमें बहुत समय पहले लुप्त हो चुके कांटों के अतिप्राचीन निशान मौजूद हैं। एशिया से मिले इस प्राचीन कांटेदार बांस का जीवाश्म इस महाद्वीप के वनस्पति इतिहास का एक नया अध्याय लिख सकता है। बांस के खोखले तने और रेशेदार ऊतक काफी तेजी से सड़ने लगते हैं, इसलिए उनके जीवाश्म का मिलना बेहद दुर्लभ है और भूवैज्ञानिक अभिलेखों में उनके संबंध में बहुत कम जानकारी मिल पाती है। वैज्ञानिक इस संबंध में जानकारी जुटाने के लिए बांस की आधुनिक प्रजातियों की तुलना उनके प्राकृतिक पर्यावास से करते हैं।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के स्वायत्त संस्थान बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान (बीएसआईपी) के वैज्ञानिकों को मणिपुर की इम्फाल घाटी में चिरांग नदी के क्षेत्रीय सर्वेक्षण के दौरान वहां जमा गाद में असामान्य चिह्नों वाला बांस का एक तना मिला।

उनके विस्तृत विश्लेषण से पता चला कि ये कांटों के निशान थे, जिनकी पहचान और महत्व के बारे में ज्यादा जानकारी हासिल के लिए इनकी और गहन जांच करने की जरूरत महसूस हुई। उन्होंने प्रयोगशाला में इसकी आकृति - गांठों, कलियों और कांटों के निशानों - का अध्ययन करके, इसे चिमोनोबाम्बुसा वंश का माना। बैम्बुसा बैम्बोस और चिमोनोबाम्बुसा कैलोसा जैसी वर्तमान बांसों की प्रजातियों से तुलना करने पर इसके रक्षात्मक गुणों और पारिस्थितिक भूमिका को समझने में मदद मिली।

बांसों में कांटे होने का यह पहला जीवाश्म प्रमाण है। यह इस बात का भी प्रमाण है कि एशिया में हिमयुग के दौरान बांस में शाकाहारियों से बचने के लिए कांटे होते थे। ▶10 पर

शेयर मार्केट

बीएसई : 85,720.38
+110.88 (0.13%) ↑

एनएसई :26,215.55
10.25 (0.04%) ↑

गोडवाल भवन में गूंजा संस्कार और संस्कृति का रंग मारो मारवाड़ बना यादगार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सिवांची ओसवाल जैन महिला संघ द्वारा श्री गोडवाल भवन में आयोजित मारो मारवाड़ कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं नवकार गुंजन के साथ हुई। मुख्य अतिथि कुमारपाल शिशोदिया, सहयोगी प्रायोजक परिवार, युवासंघ अध्यक्ष शैलेष भंसाली, उपाध्यक्ष राजेश गोलेछा, सचिव संदीप बागरेचा, विशेष अतिथि मधु गोलेछा, रेखा छाजेड़, कांता बागरेचा, लक्ष्मी शिशोदिया तथा संस्था के पदाधिकारीअध्यक्ष सारिका लुंकड़, उपाध्यक्ष मीना रांका व मोनिका पालरेचा, सचिव एवं पेजेंट्री प्रभारी शीतल चोपड़ा और कोषाध्यक्ष अनीता लुंकड़ की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बनाया। अध्यक्ष ने स्वागत भाषण देकर कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया, जिसके बाद सरोज ओस्तवाल ने मुख्य अतिथि का परिचय कराया। अपने प्रेरक संबोधन में मुख्य अतिथि ने कहा समाज में आगे बढ़ने से पहले माता पिता की सेवा सबसे बड़ा कर्तव्य है। थीम के अनुरूप राजस्थानी परिधानों में सजी महिलाओं का उत्साह देखने लायक था। सिवांची महिला संघ की सक्रिय भागीदारी और कार्यक्रम की थीम से प्रभावित होकर मुख्य अतिथि ने भवन का किराया माफ किया एवं सभी रैंप वॉक प्रतिभागियों को 1100 का नकद उपहार देकर समारोह में अतिरिक्त उत्साह भर दिया। इसके बाद मंच संचालन निकीशा चोरड़िया ने संभाला और जजेस शारदा चौधरी, जलपा अजमेरा, मिथुला बाफना का प्रभावशाली परिचय प्रस्तुत किया। कमेटी रैंप वॉक, सीनियर रैंप वॉक प्रतियोगिता और हास्य से भरपूर स्किट, घूमर प्रतियोगिता कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण रहे। साथ ही प्रोजेक्ट हेड डिम्पल बागरेचा, सोनल दोशी, सरोज ओस्तवाल और पूजा संकलेचा द्वारा प्रस्तुत भावनात्मक कविता ने सभी को भावविभोर कर दिया। सामूहिक घूमर राउंड का अतिथियों ने भरपूर आनंद लिया। रैंप वॉक में नीलम ललवानी विजेता, संगीता चोरड़िया प्रथम रनर अप और पुष्पा गोलेछा द्वितीय रनर अप रहीं। घूमर प्रतियोगिता में ग्रेस ग्रुप विजेता, सतरंगी गर्ल्स प्रथम रनर अप और खीचिया पापड़ ग्रुप द्वितीय रनर-अप रही। महिलाओं ने दूध जलेबी, रबड़ी, बाजरे का सोगरा, निंबू शिकंजी, कुल्हड़ चाय और मेहंदी, लाख की चूड़ियां, चना जोर गरम व बोर बटी जैसे पारंपरिक स्टॉल्स का भरपूर आनंद उठाया। कार्यक्रम की कार्य विभाजन व्यवस्था भी अत्यंत सुव्यवस्थित रही। पंजीकरण व भेंट वितरण का कार्य शिल्पी भंडारी, चंदा पोमानी और कविता बाफना ने संभाला। भोजन व्यवस्था में शिल्पा ललवानी, पूजा संकलेचा, लता मेहता और प्रीति बाफना ने समन्वय किया। हॉल व स्टॉल प्रबंधन की जिम्मेदारी प्रीति मेहता, गुलाब मेहता, ममता बागरेचा और शिल्पा लुंकड़ ने निभाई। कार्यक्रम का समापन स्नेहा चोरड़िया के आभार प्रस्ताव के साथ हुआ।

धर्मेंद्र सीरवी को मुख्य अतिथि के रूप में किया आमंत्रित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चिक्कबल्लापुर में सीरवी समाज द्वारा आईमाता वडेर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन 3 से 6 दिसंबर तक होगा। इस चार दिवसीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ रेलवे अधिकारी धर्मेंद्र सीरवी को आमंत्रित किया गया है। समाज के पदाधिकारियों ने उन्हें आमंत्रण पत्रिका देकर इस महत्वपूर्ण अवसर पर उपस्थित रहने का अनुरोध किया। वडेर के सचिव नेमीचन्द राठौड़ ने बताया कि यह कार्यक्रम धर्मगुरु दीवान माधवसिंह और बाबा मंडली के पावन सानिध्य में सम्पन्न होगा। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष बाबूलाल सनपरा, पूरणराम राठौड़, चंद्र प्रकाश काग और सम्पत आगलेचा सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहेंगे।

धूमधाम से संविधान दिवस मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु मंडल कार्यालय में बुधवार को भारत के संविधान को अपनाने की याद में संविधान दिवस धूमधाम और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। इस मौके पर अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक परीक्षित मोहनपुरिया, अपर मंडल रेलवे प्रबंधक प्रवीण कटारकी, सीनियर डिविजनल पर्सनल ऑफिसर उमा शर्मा और दूसरे अधिकारियों और कर्मचारियों ने संविधान की प्रस्तावना पढ़ी। इस कार्यक्रम में संविधान में दिए गए मूल्यों को बनाए रखने और इसके महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के वादे को दोहराया गया।

मंडल रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दपरे के बेंगलूरु मंडल ने बुधवार को बेंगलूरु में मंडल रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति (डीआरयूसीसी) की बैठक की। अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक परीक्षित मोहनपुरिया ने बैठक की अध्यक्षता की। अपने भाषण में मोहनपुरिया ने कहा कि ऐसी बैठकें रेलवे प्रशासन और रेलवे उपयोगकर्ताओं के बीच रेलवे सेवाओं से जुड़े मामलों और उनकी क्षमता को बेहतर बनाने के तरीकों पर परामर्श के लिए एक प्लेटफॉर्म देती हैं। उन्होंने कहा कि बैठक के दौरान हुई चर्चाओं से यात्रियों को बेहतर सुविधाएं देने की मंडल की कोशिशों में मदद मिलती है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक कृष्ण चैतन्य ने कमेटी को चल रहे अलग अलग इंफ्रास्ट्रक्चर कामों जैसे कि चौगुनी और दोहरीकरण परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी। डिजिटल इम्प्लीमेंटेशन और इनिशिएटिव्स के बारे में बात करते हुए, उन्होंने बताया कि मंडल ने यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप और डिजिटल पेमेंट ऑप्शन जैसी डिजिटल सर्विसेज को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। चालू वित्तीय वर्ष के दौरान अक्टूबर 2025 तक, मंडल में जारी कुल यूटीएस टिकटों में से 12.02 प्रतिशत यूटीएस मोबाइल ऐप के जरिए खरीदे गए थे। बेंगलूरु मंडल के 140 यूटीएस टर्मिनल और 55 पीआरएस टर्मिनल पर क्यूआर डिवाइस के जरिए टिकटिंग शुरू कर दी गई है। मंडल द्वारा पकड़े गए नए माल ट्रैफिक के बारे में बताते हुए चैतन्य ने बताया कि सितंबर 2025 में डोड्डबल्लापुर से फारुखनगर तक होंडा टू व्हीलर की नई लोडिंग शुरू हुई, जिससे हर ट्रिप पर 0.19 करोड़ रुपये का रेवेन्यू मिल रहा है। इसके अलावा, डोड्डबल्लापुर से एसीटी1 रेक टोयोटा कारों को ट्रांसपोर्ट कर रहे हैं, जिससे हर ट्रिप पर 0.38 करोड़ रुपये मिल रहे हैं, जबकि होसूर से टीवीएस थ्री व्हीलर इलेक्ट्रिक ऑटो के ट्रांसपोर्ट से हर ट्रिप पर 0.21 करोड़ रुपये मिल रहे हैं। बैठक के दौरान कई मामलों पर चर्चा हुई, जिसमें बग्गी सर्विस देना, एस्केलेटर लगाना, पैसेंजर सुविधाओं में सुधार, छोटे और हाल्ट स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म शेल्टर देना, ट्रेन की फ्रीक्वेंसी बढ़ाना और नई ट्रेन सर्विस शुरू करना शामिल है। बैठक में कमेटी के सदस्यों में वेणु यादव, कर्णम रमेश, टी. जे. गिरीश, अश्विन सेमलानी, मोहम्मद बेग, चिन्नागुटप्पा, रामावत मिसरीमल, नटराजन, सतीश, शिवन्ना, बी. वी. वेंकटेश, डी. एम. सतीश, मंजूनाथ और डी. के. कुमार शामिल हुए।

करमेलाराम बेलंदूर रोड नई डबल लाइन का परीक्षण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु के सदर्न सर्कल के रेलवे सुरक्षा आयुक्त ने करमेलाराम और बेलंदूर रोड स्टेशनों के बीच नई बीजी डबल लाइन का निरीक्षण और स्पीड ट्रायल किया, जो बैयप्पनहल्ली होसूर डबलिंग प्रोजेक्ट का हिस्सा है। उन्होंने नए हुस्कुर क्रॉसिंग स्टेशन का भी निरीक्षण किया। इस दौरान साउथ वेस्टर्न रेलवे हेडक्वार्टर, कंस्ट्रक्शन ऑर्गनाइजेशन, बेंगलूरु डिवीजन और के राईड के अधिकारी मौजूद थे। सबवे बेलंदूर रोड पर प्लेटफॉर्म 1 और 2 को जोड़ता है। पहले यह एक हॉल्ट स्टेशन था, अब इसे अपग्रेड करके एक पूरा यार्ड बना दिया गया है जिसमें 5 लाइनें (सड़कें) और 2 हाई लेवल प्लेटफॉर्म हैं, हर एक की लंबाई 600 मी है। हुस्कुर स्टेशन में एक नया क्रॉसिंग स्टेशन यार्ड जिसमें 2 नई लूप लाइनें और यार्ड के दोनों सिरों पर 3 क्रॉस ओवर हैं, जो इलेक्ट्रॉनिक सिटी, बेंगलूरु के पास है। इस सेक्शन के चालू होने से बैयप्पनहल्ली और हीलालिगे के बीच ज्यादा ट्रेनों का संचालन आसान हो जाएगा और ट्रेन संचालन में फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ेगी। स्पीड ट्रायल सफलतापूर्वक पूरा हो गया है।

अपनी जीवन नैया परमात्मा को सौंप दिजिए: साध्वी भव्यगुणा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजाजीनगर स्थित सुनील कुंकुलोल के नूतन निवास स्थान काशा दी तारा में जाप, पूजन, प्रवचन के अंतर्गत साध्वी भव्य गुणा श्री ने कहा कि संसार के लोगों से मिलन बहुत किया, अब प्रभु से मिलन करें। अनंत पुण्य राशि हमारी होती है तभी हमें परमात्मा के दर्शन होते हैं। अपनी जीवन नैया प्रभु को सौंप दीजिए, प्रभु की करुणा से हमारी नैया भवसागर से पार हो जाएगी। अभी तक हमने प्रभु को सच्ची श्रद्धा से पूजा या भक्ति नहीं की है। इसलिए, अभी तक परमात्मा का साक्षात्कार नहीं हुआ है। संसारी पदार्थों के पीछे मत भागें, प्रभु शरण में चले जाएं, सब काम हो जाएंगे। साध्वी शीतल गुणा श्री ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा अरिहंत तभी बनते हैं जब जीव में विश्व मैत्री का भाव प्रगट होता है। पारस भंसाली ने बताया कि साध्वीवृंद शुक्रवार तक राजाजीनगर विराजेंगी। आगे सुशील धाम पधारेंगी।

सिद्धरामैया के करीबी सीएम की कुर्सी को लेकर बना रहे रणनीति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सीएम सिद्धरामैया का गुट अचानक सक्रिय हो गया है और डी.के. शिवकुमार के जवाब में रणनीति बनाने के लिए बेंगलूरु में एक अहम बैठक की है। शहर के शिवानंद सर्कल में मंत्री सतीश जारकीहोली के सरकारी घर पर गुरुवार सुबह हुई इस अहम बैठक में एच.सी. महादेवप्पा, बी.के. हरिप्रसाद और कई नेता शामिल हुए।

हाईकमान के नेताओं की एक अहम बैठक दो से तीन दिन में दिल्ली में होगी, जिसमें मुख्यमंत्री पद की किस्मत का फैसला होगा। अगर डी.के. शिवकुमार के दबाव में सिद्धरामैया को बदला जाता है, तो सिद्धरामैया का गुट इस बात को लेकर भ्रम में है कि आगे क्या फैसला लिया जाए।

इस बारे में सतीश जारकीहोली अपने समर्थकों को सिद्धरामैया का संदेश भेज रहे हैं। सबसे पहले, बैठक में सिद्धरामैया को सत्ता से हटाने से रोकने के लिए अपनाई जाने वाली रणनीति पर चर्चा हुई। इस बीच, डी.के. शिवकुमार का गुट बहुत सक्रिय है और राज्य की राजनीति में बड़ी चर्चाएं चल रही हैं।

सिद्धरामैया के समर्थक बैठक पर बैठक कर रहे हैं क्योंकि अगर वे इस स्तर पर चुप रहे तो हालात बदल सकते हैं। बैठक की अध्यक्षता सतीश जारकीहोली कर रहे हैं। हाल ही में, डी.के. शिवकुमार ने खुद सतीश जारकीहोली से मिलकर उनका समर्थन मांगा था। सतीश जारकीहोली ने साफ कहा था कि वह सिद्धरामैया को नहीं छोड़ेंगे। उसके बाद, सतीश जारकीहोली ने बेंगलूरु में नॉर्थ कर्नाटक के सात-आठ विधायकों के साथ बैठक की थी। इससे यह संदेश गया कि राजनीति में बराबरी के लिए संघर्ष चल रहा है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्री साईं नगर मंगनहल्ली द्वारा आयोजित अन्नमा देवी महोत्सव में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित करते हुए अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

लापरवाही से गाड़ी चलाने के आरोप में सिटी बस जब्त

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लालबाग से मंगलादेवी की ओर जा रही एक प्राइवेट सिटी बस को बुधवार को बेजई केएसआरटीसी बस स्टैंड के पास लोगों ने रोक लिया, क्योंकि ड्राइवर पर आरोप है कि वह तेज रफ्तार और ला-परवाही से बस चला रहा था। बताया जा रहा है कि बस ने जंक्शन पर इंतजार कर रहे एक

बाइक सवार को टक्कर मार दी। तुरंत कार्रवाई करते हुए, लोगों ने गाड़ी को रोक लिया और ट्रैफिक पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने बस को जब्त कर लिया और आगे की कार्रवाई चल रही है।

शानदार कार्यक्रम के साथ संविधान दिवस मनाया

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दपरे के मैसूरु मंडल ने बुधवार को एक शानदार कार्यक्रम के साथ संविधान दिवस मनाया। मैसूरु के अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक शम्मास हमीद ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को भारत के संविधान की प्रस्तावना पढ़कर सुनाई, और देश के संविधान में दिए गए लोकतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों के प्रति उनकी सामूहिक प्रतिबद्धता को दोहराया। अपने भाषण में, शम्मास हमीद ने देश की तरक्की को गाइड करने में प्रस्तावना की अहमियत पर जोर दिया और कर्मचारियों को उनके रोजाना के काम के जरिए संवैधानिक सिद्धांतों को बनाए रखने की उनकी जिम्मेदारी याद दिलाई। उन्होंने देश बनाने की प्रक्रिया में योगदान देने के लिए लगन, पारदर्शिता और एकता की जरूरत पर जोर दिया।

सीएम की कुर्सी की लड़ाई

हम दिल्ली में बातचीत करेंगे और भ्रम दूर करेंगे: मल्लिकार्जुन खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हम मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार समेत तीन या चार जरूरी लोगों को बातचीत के लिए दिल्ली बुलाएंगे। हम आगे कैसे बढ़ना है, इस पर निर्देश देंगे और सारा भ्रम दूर करेंगे। दिल्ली रवाना होने से पहले गुरुवार को बेंगलूरु में रिपोर्टरों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली जाने के बाद, मैं तीन या चार जरूरी लोगों को बुलाऊंगा और उनसे बात करूंगा। उस बातचीत के बाद, आगे कैसे बढ़ना है, इस पर निर्देश दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि ये सारे भ्रम दूर हो जाएंगे। उन्होंने साफ किया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, दूसरे सदस्य, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री दिल्ली में होने वाली बैठक में हिस्सा लेंगे। राज्य में राजनीतिक गतिविधियां तेज होने और हालात हाथ से निकलते देख, हाईकमान ने आखिरकार दखल देने का फैसला किया है। इससे पहले मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिल्ली में डीके बंधुओं और बेंगलूरु में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से अलग-अलग बातचीत की थी। उसके बाद भी राजनीतिक गतिविधियां ठंडी नहीं हुई हैं। डीके शिवकुमार ने जोर दिया है कि सिद्धरामैया को वादे के मुताबिक सत्ता छोड़ देनी चाहिए। इस सिलसिले में डीके गुट के विधायकों ने हाईकमान पर दबाव बनाने के लिए दिल्ली यात्रा की थी। इस बीच, सिद्धरामैया की तरफ से मंत्री और वरिष्ठ नेता बेंगलूरु में अलग से बैठक कर रहे हैं। हाल के घटनाक्रम से कांग्रेस पार्टी को बहुत नुकसान हुआ है, जिसे भरोसा था कि उसने पंचखत्री योजनाओं को सफलता-पूर्वक लागू किया है। हालांकि लोगों ने बहुत ज्यादा समर्थन के साथ बहुमत दिया, लेकिन अच्छा शासन देने के बजाय, इस बात की आलोचना हो रही है कि कांग्रेसी सीटों के लिए लड़ रहे हैं। हालांकि सिद्धरामैया और डीके शिवकुमार ने बिना कोई बयान दिए अनुशासन बनाए रखने की कोशिश की है, लेकिन उनके समर्थकों की गतिविधियों ने लड़ाई की उत्सुकता बढ़ा दी है। कांग्रेस के घटनाक्रम की विपक्षी पार्टियों ने भी आलोचना की है। ये चर्चाएं पिछले 15 दिनों से राजनीति में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। शुरुआत में चीजें ठीक करने की कोशिशें कामयाब नहीं हुईं। इसलिए, हाईकमान एक बैठक करने का प्लान बना रहा है। खड़गे ने खुद साफ कर दिया है कि बातचीत और नेगोशिएशन प्रोसेस कर्नाटक के बजाय दिल्ली में होगा। यह देखना दिलचस्प है कि क्या इन बातचीत के बाद, जो तीन से चार दिनों में हो सकती हैं, कांग्रेस में ऐसा माहौल बनेगा कि कुर्सी की लड़ाई खत्म हो जाएगी।

संदिग्ध पानी के दूषित होने से आठ साल के बच्चे की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
साउथ बेंगलूरु में कनकपुरा रोड के पास प्रेस्टीज फाल्कन सिटी अपार्टमेंट में रहने वाले आठ साल के एक लड़के की गुरुवार को मौत हो गई। उसे लंबे समय से डायरिया होने की वजह से तीन दिन पहले भर्ती कराया गया था। अपार्टमेंट में रहने वाले लोग, जो रेगुलर बीमार पड़ रहे थे और मानते हैं कि उनकी बिगड़ती सेहत के पीछे पानी का खराब होना है, बच्चे की मौत का भी यही कारण बता रहे हैं। हालांकि, सिविक अधिकारियों ने कहा कि वे मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही कोई नतीजा निकाल सकते हैं। अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स में रहने वाले मंसूर अली ने कहा कि अक्टूबर की शुरुआत से ही कई लोगों को डायरिया और उल्टी जैसी सेहत की दिक्कतें हो रही हैं। उन्होंने कहा आस पास के सभी अस्पतालों में हमारे अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स का कम से कम एक मरीज है, क्योंकि हर कोई रेगुलर बीमार पड़ रहा है। हम पानी के खराब होने की शिकायत कर रहे हैं, लेकिन इस समस्या को कम करके आंका जा रहा है। एक और रहने वाले अवनीधर हवलदार को सुबह बेहोश होने के बाद हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया बुधवार को दिन भर डायरिया होने के बाद मैं बेहोश हो गया था, जिसके बाद मैं सुबह 3 बजे अस्पताल पहुंचा। अली ने कहा कि इस मामले में एक जान जाने के बाद भी इसे गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। साउथ सिटी कॉर्पोरेशन कमिश्नर रमेश के.एन. ने बताया कि एक टीम अस्पताल भेजी गई है और मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पता चलेगा। रमेश ने कहा हमारी टीमों ने पिछले महीने रेगुलर इंटरवल पर अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स में मेडिकल कैंप लगाए हैं, लेकिन कोई बीमारी नहीं फैली। गंदगी की वजह से बीमारी का कोई सबूत नहीं मिला, लेकिन रहने वालों को सेफ्टी के तरीके दिए गए थे। साउथ सिटी कॉर्पोरेशन हेल्थ टीम के एक और अधिकारी ने कहा कि उन्होंने स्टूल सैंपल इकट्ठा किए और टेस्ट किए, लेकिन नतीजों से यह नतीजा नहीं निकला कि यह समस्या पानी की गंदगी की वजह से हुई थी। हालांकि, उन्होंने माना कि टैंक से पानी के सैंपल के टेस्ट में थोड़ा गंदा रिजल्ट आया। उन्होंने कहा मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही मामला स्पष्ट होगा।

अपनी बात पर कायम रहना दुनिया की सबसे बड़ी ताकत: उपमुख्यमंत्री शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुख्यमंत्री पद और सत्ता साझेदारी को लेकर चल रही खींचतान में हर दिन नए मोड़ आ रहे हैं, ऐसे में उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार, जो सीएम पद के लिए अपनी दावेदारी कर रहे हैं, ने गुरुवार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं पर कटाक्ष करते हुए एक अजीब पोस्ट किया, जिसमें लिखा था कि शब्दों की ताकत ही दुनिया की ताकत है। एक संदेश पोस्ट करते हुए, शिवकुमार ने कहा अपनी बात पर कायम रहना दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है। दुनिया की सबसे बड़ी ताकत अपनी बात पर कायम रहना है। चाहे वह जज हो, अध्यक्ष हो, या कोई और, जिसमें मैं भी शामिल हूं, सभी को अपनी बात पर चलना होगा। शब्दों की ताकत ही दुनिया की ताकत है। ऐसा लगता है कि यह संदेश मुख्यमंत्री और नई दिल्ली में उनके पार्टी नेताओं के लिए है और पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं को उस चर्चित समझौते की याद दिला रहा है, जो 2023 में पार्टी के सत्ता में आने पर हुआ था। मंगलवार को शिवकुमार ने सत्ताधारी कांग्रेस में सत्ता साझेदारी समझौते का पहला सीधा जिक्र किया और कहा कि यह 5 से 6 लोगों के बीच एक गुप्त है और वह इसे सार्वजनिक रूप से नहीं बताएंगे। एक हताशा भरे कदम के तौर पर, मल्लिकार्जुन खड़गे मुख्यमंत्री के वफादारों के साथ बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने मंत्री बी. जेड. जमीर अहमद, सतीश जारकीहोली, के.जे. जॉर्ज और कई विधायकों से मुलाकात की, जिन्हें मुख्यमंत्री का करीबी माना जाता है। सूत्रों ने दावा किया है कि शिवकुमार ने सिद्धरामैया के वफादार मंत्रियों से कहा है कि उनके मुख्यमंत्री बनने के बाद उनका अच्छे से ध्यान रखा जाएगा और सीएम पद पक्की करने के लिए उनका सपोर्ट मांगा है। जैसे-जैसे लीडरशिप के मुद्दे पर चल रहे डेवलपमेंट सरकार की इमेज को खराब कर रहे हैं, एआईसीसी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत हाईकमान के सिद्धरामैया और शिवकुमार से सत्ता साझेदारी के मुद्दे को आपसी सहमति से सुलझाने के लिए बातचीत करने की उम्मीद है।

दत्ता जयंती उत्सव के दौरान सुरक्षा के लिए 5,000 पुलिस कर्मी होंगे तैनात

चिक्कमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. विक्रम अमाटे ने कहा कि इस साल दत्ता जयंती फेस्टिवल के सुरक्षा इंतजाम के लिए 5,000 पुलिस अधिकारी और कर्मचारी तैनात किए जा रहे हैं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि इस बार हर साल से ज्यादा स्टाफ तैनात किया जा रहा है। केएसआरपी और डीएआर यूनिट्स के साथ, स्पेशल एक्शन यूनिट्स और रैपिड एक्शन यूनिट्स द्वारा एक रूट मार्च आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एक कमांडेंट कंट्रोल व्हीकल भी होगा। पूरे जिले में मालाधारा पहले से ही आयोजित किया जा रहा है, और जिले में अलग-अलग जगहों पर 40 से ज्यादा संकीर्तन यात्राएं होंगी। इस बारे में, उन्होंने कहा कि आज से ही सुरक्षा इंतजाम किए जा रहे हैं। दत्ता जयंती पर, 4 दिसंबर को, भक्तों को सुबह 6 बजे से मंदिर में एंट्री करने की इजाजत होगी। उन्हें दोपहर 2 बजे के बाद मंदिर में एंट्री नहीं करने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इसका मकसद भक्तों के लौटने पर ट्रैफिक जाम से बचना है। उन्होंने कहा कि इस बार सुरक्षा के काम के लिए पुलिस डिपार्टमेंट और फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के 15 से ज्यादा ड्रोन कैमरों का इस्तेमाल किया जा रहा है। कुल 28 चेक पोस्ट खोले जा रहे हैं और 30 नवंबर से काम करना शुरू कर देंगे। सही इंफ्रास्ट्रक्चर और स्टाफ अपॉइंट किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिन रात सर्विलांस होगा। हमने उन 8 जिलों के एसपी से बात की है जिनका बॉर्डर हमारे जिले से लगता है। उन्होंने कहा कि वे अपने अपने अधिकार क्षेत्र के बॉर्डर पर काउंटर चेक पोस्ट खोलेंगे। दत्ता पीठ गुफा और उसके बाहरी हिस्से को मिलाकर शहर और जिले में कुल 39 स्पेशल एग्जीक्यूटिव विजिलेंस ऑफिसर अपॉइंट किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शहर में शोभा यात्रा के दौरान केईबी सर्कल के पास नगर पालिका से आजाद पार्क तक कुल 20 वॉच टावर बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन जो भी कदम उठाएगा, वह भक्तों के फायदे के लिए होगा। दोनों समुदायों के आयोजकों के साथ पहले ही शांति बैठक हो चुकी है और सहयोग मांगा गया है। उन्होंने कहा कि राज्य के डीजी, आईजीपी और एडीजीपी ने शहर का दौरा किया है और हालात का मुआयना किया है और कई सुझाव और निर्देश दिए हैं। सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हम इस मामले पर कड़ी नजर रखेंगे। सभी समुदायों को इस पर ध्यान देना चाहिए। सार्वजनिक बैठक और दूसरे मौकों पर विवादित बयान नहीं दिए जा सकते। भावनाओं को नहीं भड़काया जा सकता। उन्होंने कहा कि बैनर और कटआउट लगाते समय लोकल बॉडी और पुलिस विभाग से अनुमति लेनी होगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिला कलेक्टर सी.एन. मीना नागराज, जी.पी. सीईओ एच.एस. कीर्तना मौजूद थे।

कैबिनेट मंत्रियों ने हाईकमान नेताओं से सीएम की कुर्सी की लड़ाई रोकने की अपील की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कैबिनेट मंत्रियों ने हाईकमान नेताओं को संदेश भेजा है कि वे मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को बातचीत के लिए एक ही प्लेटफॉर्म पर लाकर कुर्सी की लड़ाई को सुलझाएं और साफ संदेश दें। मंत्री दिनेश गुंडू राव, प्रियांक खड़गे, कृष्णा बायरे गौड़ा और कई अन्य लोगों ने एआईसीसी महासचिव और राज्य कांग्रेस प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला से बातचीत की है और इस बात पर एतराज जताया है कि गलत घटनाओं से कांग्रेस पार्टी को बहुत नुकसान हो रहा है। अगर सिद्धरामैया और डी.के. शिवकुमार बैठकर खुद इस मुद्दे पर बात करते, तो यह मुद्दा सुलझ जाता। लेकिन दोनों के बीच लड़ाई बढ़ गई है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के समर्थक भड़काऊ बयान देकर डी.के. शिवकुमार को भड़का रहे हैं। मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार बसवराज राय रेड्डी ने डी.के. शिवकुमार के खिलाफ सार्वजनिक बयान दिए हैं। उन्होंने पार्टी के लिए भी मुश्किल खड़ी कर दी है और अगर मुख्यमंत्री का पद बदलता है, तो उन पर विचार किया जाना चाहिए। इसके अलावा, हाईकमान यह कहकर उन्हें नजरअंदाज कर रहा है कि मुख्यमंत्री बदलने के लिए विधानसभा में फैसले लिए जाने चाहिए। पूर्व मंत्री के.एन. राजन्ना ने भी विधानसभा में डी.के. शिवकुमार के खिलाफ अप्रत्यक्ष बयान दिए, जिससे गंभीर बहस हुई और विपक्षी पार्टियों को एक नया हथियार दे दिया। अब वह अलग तरह से बात कर रहे हैं और चुनौती दी है कि विधानसभा भंग कर दी जाए और डी.के. शिवकुमार के नेतृत्व में चुनाव कराए जाएं। अगर उन्हें बहुमत मिलता है, तो उन्हें 5 साल के लिए मुख्यमंत्री बनना चाहिए। इससे पहले, राजन्ना ने कहा था कि वह तुमकुरु जिले में कांग्रेस पार्टी का सूपड़ा साफ कर देंगे। मुख्यमंत्री को ऐसे पार्टी विरोधी बयान देने वालों पर लगाम लगानी चाहिए। इसी तरह, डी.के. शिवकुमार को भी अपने समर्थकों को सूचित करना चाहिए और उन्हें खुले तौर पर किसी भी गतिविधि में शामिल होने से रोकना चाहिए। नहीं तो अगले स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस पार्टी को भारी नुकसान होगा। सूत्रों ने बताया कि मंत्रियों के प्रतिनिधिमंडल ने मांग की है कि यह सार्वजनिक किया जाए कि सत्ता साझेदारी को लेकर दिल्ली में किस तरह के समझौते हुए हैं और आने वाले दिनों में किस तरह का शासन लागू किया जाएगा।

किसी भी कांग्रेस नेता ने बीजेपी से समर्थन नहीं मांगा: मंत्री शिवराज

कोप्पल/शुभ लाभ ब्यूरो।
कांग्रेस के किसी भी नेता ने भाजपा के पास जाकर समर्थन नहीं मांगा है। कन्नड़ और कल्चर मंत्री शिवराज ने इस बात पर एतराज जताया है कि जो विपक्षी पार्टियां भूखी बैठी हैं, उन्होंने बेवजह बहस छेड़ दी है। यहां पत्रकारों से वार्ता में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा है कि वे हाईकमान की बात मानेंगे।

इसलिए, उन्होंने कहा कि हम सब पार्टी हाईकमान का फैसला मानेंगे। कांग्रेस में कोई डेवलपमेंट नहीं हुआ है, जिसमें हस्ताक्षर इकट्ठा करना भी शामिल है। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि ये सब भाजपा की बनाई हुई अफवाहें हैं। भाजपा भूखी बैठी है। हमारे किसी भी नेता ने उनके पास जाकर समर्थन नहीं मांगा है। क्या हम आपके पास गए हैं और समर्थन मांगा है? उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी का यह कहना कि अगर डी.के. शिवकुमार भी आ जाएं, तो हम उन्हें नहीं लेंगे, यह मजाकिया है। उस पार्टी के नेता भूल गए हैं कि भाजपा सरकार के समय क्या हुआ था। अगर सभी विधायक इधर-उधर हो जाते, तो कितनी दिक्कतें होतीं। चलो बात करते हैं, भाजपा की थाली में मक्खी बैठी है। लेकिन वे किसी और की थाली में मक्खी ढूंढ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के समय में हमारे समय से 100 गुना ज्यादा दिक्कतें थीं। कोप्पल जिले को दो और कैबिनेट पोस्ट और मंत्री पोस्ट मिलने की चर्चाओं का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि चाहे तीन मंत्री हों या एक और मंत्री पोस्ट, वे इसका स्वागत करेंगे।

उडुपी में भारी सुरक्षा और भगवा थीम वाली तैयारियों के बीच पीएम मोदी आज उडुपी आएंगे

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
उडुपी शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत के लिए तैयार है। शहर भगवा झंडों, झंडियों और कट-आउट से सजा हुआ है, और सभी खास जगहों पर भारी सिक्योरिटी व्यवस्था की गई है। प्रधानमंत्री के आने की उम्मीद में, पूरे शहर में भगवा झंडे और सजावट के सामान खास तौर पर लगाए गए हैं, जबकि कई चौराहों पर मोदी के बड़े कट-आउट लगाए गए हैं। पूरे उडुपी में बैरिकेड लगाए गए हैं, और गाड़ियों की आवाजाही जिला प्रशासन द्वारा जारी रूट प्लान का सख्ती से पालन करेगी। सिक्योरिटी को बहुत मजबूत किया गया है, एक खास हेलीपैड टीम आदि-उडुपी हेलीपैड पर चेकिंग कर रही है, और श्री कृष्ण मठ के रास्ते पर लगातार जांच हो रहे हैं। प्रधानमंत्री के ट्रैवल कॉरिडोर में हर जरूरी जगह पर डॉग स्क्वॉड और बम डिस्पोजल यूनिट तैनात किए गए हैं। पड़ोसी जिलों से भी पुलिस कर्मियों को उडुपी भेजा गया है, और पूरे शहर में पेट्रोलिंग ऑपरेशन तेज कर दिए गए हैं। लोगों के आने की उम्मीद को मैनेज करने के लिए, 20 से ज्यादा तय पार्किंग जगहों का इंतजाम किया गया है। पुलिस विभाग के मुताबिक, शुक्रवार सुबह 6 बजे से दोपहर 3 बजे तक शहर के अंदर एंट्री पूरी तरह से रोक दी जाएगी। जिला प्रशासन ने शहर के अंदर चल रहे सभी रिपेयर के कामों को भी कुछ समय के लिए रोक दिया है। इसके अलावा, विजिट वाले दिन सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक श्री कृष्ण मठ में भक्तों की एंट्री पूरी तरह से रोक दी जाएगी। उडुपी जिले के पुलिस अधीक्षक हरिराम शंकर ने कहा, पीएम मोदी आदि उडुपी में लैंड करने के बाद बन्नंजे से कलसांका तक रोड शो करेंगे। इस प्रोग्राम की सिक्योरिटी के लिए 3000 से ज्यादा पुलिसवालों को लगाया गया है। शहर में एंटी-ड्रोन उपाय लागू किए गए हैं। सेंटर फॉर काउंटर टेररिज्म, एनएसजी भी प्रोग्राम की सिक्योरिटी में शामिल है। रिहर्सल गुरुवार को हुई, हमने प्रोग्राम के दौरान लागू किए गए ट्रैफिक डायवर्जन और जरूरी एडजस्टमेंट पहले ही जारी कर दिए हैं। भगवान कृष्ण के मशहूर घर पर प्रधानमंत्री के आने से उडुपी के लोगों में बहुत उत्साह है, जो जोश के साथ उनके स्वागत की तैयारी कर रहे हैं।

शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री का राजसमंद दौरा, पिपलांत्री में किया जल ग्रहण प्रशिक्षण केंद्र और सरफेस बेरियर का लोकार्पण

राजसमंद, 27 नवंबर (एजेंसियां)। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने गुरुवार को राजसमंद में पर्यावरण संरक्षण के मॉडल ग्राम पिपलांत्री में जल ग्रहण प्रशिक्षण केंद्र (विस्तार) तथा सरफेस बेरियर कार्य का लोकार्पण किया। इस दौरान शिक्षा मंत्री ने ग्राम पंचायत कार्यालय का अवलोकन कर व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। शिक्षा मंत्री ने कहा कि भारत में प्रति व्यक्ति पेड़ों का औसत अत्यंत कम है, जो चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण को लेकर समाज में अभी भी पर्याप्त जागरूकता का अभाव है। यदि यही स्थिति बनी रही तो भविष्य में पानी की भारी कमी का संकट उत्पन्न हो सकता है। उन्होंने बताया कि आज जितना पानी रिचार्ज हो रहा है, उससे कई गुना अधिक पानी का दोहन किया जा रहा है, जो अत्यंत खतरनाक संकेत है। उन्होंने आगे कहा कि यदि हमें खुद को और मानवता को ज़िंदा रखना है तो पानी को बचाना ही होगा। पानी का अंधाधुंध उपयोग अब बंद करना होगा। उन्होंने स्वच्छता और पर्यावरण के प्रति सजगता पर जोर देते हुए कहा कि पॉलिथीन का उपयोग कम कर पर्यावरण को सुरक्षित रखना है।

पिपलांत्री मॉडल की सराहना करते हुए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि यह मॉडल पूरे देश में पर्यावरण संरक्षण का प्रेरणादायक उदाहरण बन चुका है। यहां हर बेटी के जन्म पर 111 पौधे लगाने की परंपरा ने न केवल गांव को हराभरा बनाया है, बल्कि समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच भी विकसित की है। पेड़ों की सुरक्षा, उनके नियमित पोषण और संरक्षित क्षेत्र बनाने जैसे प्रयासों ने पिपलांत्री को एक सतत विकास का आदर्श स्थल बना दिया है। मंत्री ने कहा कि आज जब देश पर्यावरणीय चुनौतियों से जूझ रहा है, ऐसे समय में पिपलांत्री का मॉडल वैश्विक स्तर पर भी अनुसरण करने योग्य है।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पिपलांत्री में पौधरोपण के साथ-साथ जल संरक्षण, वेस्ट मैनेजमेंट और सामुदायिक सहभागिता जैसी व्यवस्थाएं इसे विशेष पहचान देती हैं। गांव के लोगों में पर्यावरण के प्रति जो जागरूकता और समर्पण दिखाई देता है, वह पूरे राजस्थान के लिए गौरव की बात है।

फ्लाईओवर पिलर से जा टकराई सुपरफास्ट बस, दर्जनभर यात्री घायल, एक की मौत

जम्मू, 27 नवंबर (एजेंसियां)। सांबा के बाड़ी ब्राह्मणा सब्जी मंडी के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर आज सुबह एक बड़ा सड़क हादसा सामने आया है। जम्मू से कठुआ जा रही सुपरफास्ट बाइक सवार को बचाने प्रयास में बस फ्लाईओवर के पिलर से जा टकराई, जिसमें लगभग 20 लोगो की घायल होने का समाचार है। हादसे के बाद घायलों को तुरंत एम्स हॉस्पिटल और श्रीओम हॉस्पिटल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुर्घटना इतनी भीषण थी कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और पुलिस ने मिलकर घायलों को अस्पताल पहुँचाया।

अस्पताल परिसर में भारी भीड़ देखी गई और परिजनों में कोहराम मचा रहा।

बताया जा रहा है कि बाड़ी ब्राह्मणा सब्जी मंडी के पास एक बाइक सवार द्वारा सड़क पार करते वक़्त ये हादसा हुआ। बस चालक ने बाइक सवार को बचाने का प्रयास किया जिसके चलते बस फ्लाईओवर के पिलर से जा टकराई। हादसे में कुल 20 लोगों के घायल हुए हैं जिनमे से तीन लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मध्य प्रदेश : आरक्षण पर विवादित बयान देने वाले आईएएस संतोष वर्मा को कारण बताओ नोटिस जारी

भोपाल, 27 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश सरकार ने आरक्षण पर विवादित टिप्पणी करने के मामले में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा पर सख्त कार्रवाई की है। सरकार ने उन्हें 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया और बुधवार देर रात तत्काल प्रभाव से निलंबित भी कर दिया। संतोष वर्मा 2011 बैच के अधिकारी हैं और इस समय कृषि एवं किसान कल्याण विभाग में उप सचिव के पद पर तैनात थे। घटना की शुरुआत 22 नवंबर को हुई, जब भोपाल में एक साहित्यिक कार्यक्रम के दौरान संतोष वर्मा ने आरक्षण व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा था कि आरक्षण ने अपना मूल उद्देश्य पूरा कर लिया है और अब इसे एक स्थायी राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।उनका एक और बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें कहा गया था, आरक्षण का लाभ एक परिवार के सिर्फ एक सदस्य तक सीमित होना चाहिए, जब तक कि कोई ब्राह्मण अपनी बेटी मेरे बेटे को न दे दे या उससे रिश्ता न जोड़ ले।वर्मा के इस बयान पर एससी, एसटी और ओबीसी संगठनों के साथ-साथ ब्राह्मण समाज ने भी कड़ी आपत्ति जताई। सभी संगठनों ने बयान को 'संविधान का अपमान' और 'सामाजिक सद्भाव को नुकसान पहुंचाने वाला' बताया।विभिन्न सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता भोपाल के वल्लभ भवन राज्य सचिवालय के बाहर इकट्ठा हुए, जहां उन्होंने संतोष वर्मा के पुतले जलाए और उनके खिलाफ एसएसी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग की।कार्यकर्ताओं के हाथों में पोस्टर थे, जिनमें 'अफसर संविधान नहीं बदल सकते' और 'बाबासाहेब की विरासत की रक्षा करो' लिखा हुआ था।विवाद बढ़ने पर सरकार ने तुरंत कार्रवाई करते हुए संतोष वर्मा को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया। नोटिस में कहा गया कि उनका बयान सामाजिक सौहार्द के लिए 'हानिकारक' है और यह अखिल भारतीय सेवा (आचरण) नियम, 1968 तथा अखिल भारतीय सेवा (अनुशासन और अपील) नियम, 1969 का उल्लंघन है।

नोटिस में स्पष्ट चेतावनी दी गई कि सात दिन में जवाब नहीं देने पर एकतरफा विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

नीतीश कुमार ने युवाओं को दिया संदेश, कहा- 1 करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देना सरकार की प्राथमिकता

पटना, 27 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज सोशल मीडिया पर युवाओं के लिए संदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि राज्य में अधिक से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार मिले, ये शुरू से ही हमलोगों की प्राथमिकता रही है। सात निश्चय-2 के तहत वर्ष 2020-25 के बीच राज्य में 50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी एवं रोजगार दिया गया है। अगले 5 वर्षों (2025-30) में हमलोगों ने 1 करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि नई सरकार के गठन के पश्चात् राज्य में अधिक से अधिक सरकारी नौकरी एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध करने के लिए हमलोगों ने तेजी से काम शुरू कर दिया है। सरकारी नौकरी की रिक्तियों को जल्द से जल्द भरने के लिए कई ठोस कदम उठाए गए हैं। राज्य के अधीन सभी प्रशासी विभाग, सभी प्रमंडलीय आयुक्त, पुलिस मुख्यालय के अधीन सभी कार्यालय एवं सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे सामान्य प्रशासन विभाग को रिक्तियों से संबंधित अधियाचना दिनांक 31 दिसंबर 2025 तक अवश्य उपलब्ध करा दें। सामान्य प्रशासन विभाग प्राप्त अधियाचनाओं को यथाशीघ्र जांच कर संबंधित विभिन्न नियुक्ति आयोगों को भेज दें।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि सभी नियुक्ति आयोगों एवं चयन एजेंसियों को निर्देशित किया गया है कि जनवरी 2026 में नियुक्ति हेतु पूरे साल का कैलेंडर प्रकाशित करें, जिसमें अन्य आवश्यक सूचनाओं के अतिरिक्त विज्ञापन प्रकाशन की तिथि, परीक्षा आयोजन की संभावित अवधि, अंतिम परीक्षाफल प्रकाशन की तिथि आदि का स्पष्ट रूप से उल्लेख हो। परीक्षा के चाहे जितने भी चरण हों किसी भी परिस्थिति में विज्ञापन प्रकाशन से अंतिम परीक्षाफल में एक साल से अधिक समय नहीं लगना चाहिए।सभी परीक्षाएं पारदर्शी एवं स्वच्छ तरीके से संपन्न हों मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि सभी परीक्षाओं को पारदर्शी एवं स्वच्छ तरीके से संपन्न कराने हेतु सभी नियुक्ति आयोगों एवं चयन एजेंसियों को निर्देशित किया गया है। परीक्षाओं में अनुचित साधन की रोकथाम के लिए सख्त और तत्काल कार्रवाई की जाए। परीक्षा में किसी भी प्रकार की अनियमितता करने वालों को चिन्हित कर उनके विरूद्ध फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से सुनवाई कराते हुए दंडित कराएं। बिहार में ऑनलाइन परीक्षा ऊर्ीिीशी इरीशव ढर्शीीं हेतु परीक्षा केन्द्रों की संख्या को बढ़ाने का भी निर्देश दिया गया है, ताकि परीक्षाओं का आयोजन ससमय एवं सुचारू रूप से किया जा सके।

'आधार कार्ड नागरिकता का पक्का सबूत नहीं, यह सूची में केवल एक दस्तावेज..', सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि देश में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पहले कभी नहीं किया गया, इस तर्क का इस्तेमाल राज्यों में चुनाव आयोग की ओर से शुरू की गई एसआईआर प्रक्रिया की वैधता जांचने के लिए आधार के रूप में नहीं किया जा सकता। देश के कई राज्यों में एसआईआर कराने के चुनाव आयोग फैसले को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर शीर्ष कोर्ट में बुधवार को आखिरी सुनवाई शुरू हुई। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा, आयोग के पास मतदाता की ओर से फॉर्म 6 में दी गई सूचनाओं की सच्चाई सुनिश्चित करने की शक्ति है। फॉर्म छह मतदाता सूची में नाम दर्ज करने के लिए भरा जाता है।

सुनवाई के दौरान पीठ ने दोहराया, आधार कार्ड नागरिकता का पक्का सबूत नहीं देता है और इसीलिए हमने कहा कि यह दस्तावेजों की सूची में एक दस्तावेज होगा। अगर कोई नाम हटाया जाता है तो उन्हें नाम हटाने से पहले नोटिस देना होगा। सीजेआई ने कहा, सरकारी लाभों को लोगों तक पहुंचाने के लिए एक कानून के जरिये आधार की रचना की गई। ऐसे में सिर्फ इसलिए कि किसी व्यक्ति को राशन या अन्य सरकारी लाभ देने के लिए आधार कार्ड दिया गया है, क्या उसे मतदाता भी बना दिया जाना चाहिए? मान लीजिए कोई व्यक्ति पड़ोसी देश का है और यहां मजदूरी कर रहा है तो क्या उसे भी मतदाता बना दिया जाए?

पीठ ने याचिकाकर्ताओं से कहा, आप कह रहे हैं कि चुनाव आयोग महज एक डाकघर है जिसे जमा किया गया फॉर्म 6 स्वीकार करना चाहिए और मतदाता सूची में आपका नाम शामिल करना चाहिए। कुछ याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा, पहली नजर में, हां... जब तक कि कोई उलटी बात न हो। इस पर पीठ ने कहा, लेकिन चुनाव आयोग के पास हमेशा यह सांविधानिक अधिकार रहेगा कि वह दस्तावेजों की सच्चाई सुनिश्चित करे।

सिब्बल ने सुनवाई के दौरान अपना पक्ष रखते हुए कहा, एसआईआर प्रक्रिया ने लोकतांत्रिक भागीदारी के बारे में बुनियादी चिंताएं पैदा की हैं। यह ऐसा मामला है जो लोकतंत्र को प्रभावित करता है। एसआईआर आम मतदाताओं पर, जिनमें कई अनपढ़ हैं, फॉर्म भरने का एक गैर-सांविधानिक बोझ डालता है। और अगर वे ऐसा करने में विफल हो जाते हैं तो उन्हें बाहर किए जाने का खतरा रहेगा। उन्होंने कोर्ट से प्रक्रियागत औचित्य के बदले सांविधानिक सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करने का अनुरोध किया। सिब्बल ने कहा, एक बार किसी का नाम मतदाता सूची में दर्ज हो जाए तो इसकी वैधता तब तक रहती है जबतक कि सरकार इसमें कोई गलती न साबित कर दे। किसी का भी नाम हटाने के लिए एक ऐसी प्रक्रिया अपनानी होगी जो उचित और निष्पक्ष हो। सिब्बल ने जोर देकर कहा कि फॉर्म-6 के तहत स्व-घोषणा को शामिल करने के लिए नागरिकता के सबूत के तौर पर स्वीकार किया जाता है और इसे रिटेन करने के लिए किसी अनुचित मानक के तहत नहीं रखा जा सकता।

आधार निवास को प्रमाणित करता है : सिब्बल

सिब्बल ने कहा कि आधार निवास को प्रमाणित करता है और भले ही यह नागरिकता का निर्णायक प्रमाण नहीं है, यह एक ऐसा अनुमान देता जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, मेरे पक्ष में एक अनुमान है। मेरे पास आधार है। वह मेरा निवास है। आप इसे छीनना चाहते हैं तो इसे एक प्रक्रिया के माध्यम से छीनिए और वह प्रक्रिया इस अदालत में साबित होने दीजिए। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्दिष्ट संक्षिप्त समयसीमा में एसआईआर को सार्थक रूप से पूरा नहीं किया जा सकता। उन्होंने दूरदराज के क्षेत्रों का हवाला देते हुए कहा कि इस डाटा को प्राप्त करने की प्रक्रिया दो महीने में पूरी नहीं की जा सकती। उन्होंने पूछा, मेरे देश की वास्तविकता देखिए... क्या आपको लगता है कि पश्चिम बंगाल या बिहार के दूरदराज क्षेत्रों में लोग गणना फॉर्म भरना जानते हैं।

तमिलनाडु, केरल, बंगाल की याचिकाओं पर सुनवाई की तारीख तय

शीर्ष कोर्ट ने तमिलनाडु, केरल और पश्चिम बंगाल में एसआईआर को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई का समय तय कर दिया। पीठ ने चुनाव आयोग से तमिलनाडु में एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर एक दिसंबर तक अपना जवाब दाखिल करने को कहा और याचिकाकर्ताओं को जवाब दाखिल करने के लिए दो दिन का समय दिया। तमिलनाडु से संबंधित याचिका 4 दिसंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध होगी। इसी तरह, केरल से संबंधित याचिका पर आयोग को 1 दिसंबर तक जवाब देना होगा और 2 दिसंबर को सुनवाई होगी। पीठ ने पश्चिम बंगाल मामले में 9 दिसंबर को सुनवाई तय की और चुनाव आयोग को इस सप्ताहांत में अपना जवाब दाखिल करना होगा करना होगा। पीठ ने कहा, पश्चिम बंगाल राज्य चुनाव आयोग और राज्य सरकार भी 1 दिसंबर तक अपना जवाब फाइल करने के लिए स्वतंत्र हैं।

आयोग को बिना सत्यापन प्रविष्टियों को स्वीकार करने के लिए बाध्य नहीं कर सकते : पीठ

जस्टिस बागची ने सुनवाई के दौरान कहा, फॉर्म 6, जो नाम जोड़ने के लिए इस्तेमाल किया जाता है, चुनाव आयोग को बिना सत्यापन के प्रविष्टियों को स्वीकार करने के लिए बाध्य नहीं कर सकता। उन्होंने मृत मतदाताओं को सूची से हटाने की आवश्यकता पर यह ध्यान देते हुए जोर दिया कि सूचियां पंचायतों और आधिकारिक वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जाती हैं। उन्होंने कहा, हम खाली जगह में न्याय नहीं करते। वकील प्रशांत भूषण ने असम के एसआईआर दिशानिर्देशों की ओर ध्यान आकर्षित किया, यह तर्क देते हुए कि यह निर्देश गलत तरीके से चुनाव अधिकारियों को नागरिकता तय करने का अधिकार देते हैं।

जम्मू-कश्मीर में भेदभाव खत्म और आतंकवाद को उखाड़ फेंकना मेरा मिशन, बोले एलजी मनोज सिन्हा

जम्मू, 27 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि उनके जम्मू-कश्मीर में मिशन का उद्देश्य नागरिकों के जीवन में सुधार लाना, भेदभाव और अन्याय को समाप्त करना तथा आतंकवाद के पूरे तंत्र को खत्म करना रहा है।

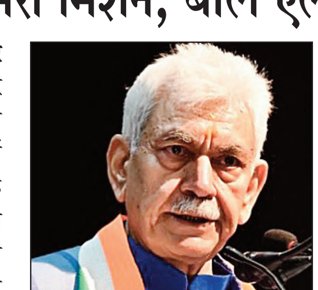

संविधान दिवस समारोह में बोलते हुए सिन्हा ने कहा कि लंबे समय तक अलगाववादियों को पुरस्कृत करने और देशभक्तों को प्रताड़ित करने की जो नीति चली आ रही थी, उसे पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। समारोह में उन्होंने संविधान की प्रस्तावना का पाठ कराया और संविधान निर्माताओं को श्रद्धांजलि दी।

एलजी ने कहा कि 2019 में अनुच्छेद 370 को रद्द करने और जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद जम्मू-कश्मीर में संविधान की सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह लागू कर दी गईं, जिससे भेदभाव और अन्याय का शासन समाप्त हुआ।

अब जम्मू-कश्मीर संविधान में निहित समानता, सामाजिक और आर्थिक न्याय के आदर्शों के मार्गदर्शन में आगे बढ़ रहा है। मैं यह साफ करना चाहता हूं कि पिछले पांच वर्षों में जो भी उपलब्धियां मिली हैं, उनमें मुख्य उपलब्धि यह है कि अलगाववादियों को पुरस्कृत करने और देशभक्तों को प्रताड़ित करने की नीति पूरी तरह खत्म कर दी गई है।उपराज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संविधान की सभी व्यवस्थाओं को लागू कर जम्मू-कश्मीर के नागरिकों के सम्मान, गौरव और गरिमा को सुनिश्चित किया है।

संविधान दिवस समारोह संस्कृति विभाग और कानून, न्याय एवं संसदीय कार्य विभाग के संयुक्त आयोजन में आयोजित किया गया। समारोह में जम्मू-कश्मीर विधान सभा के स्पीकर अब्दुल रहीम रदर, वरिष्ठ नागरिक और पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।सिन्हा ने अधिकारियों और नीति निर्धारकों से संविधान के मूल्यों की रक्षा और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने का आग्रह किया और कहा कि संविधान हमें एकता, समानता और आत्म-सम्मान का मार्ग दिखाता है। राष्ट्रीय एकता और अखंडता बनाए रखना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है और हमें भारत को शक्तिशाली और आत्मनिर्भर बनाने के लिए सभी संसाधनों का उपयोग करना चाहिए।

राज्य ग्राम्य विकास संस्थान मे संविधान दिवस पर हुयी संगोष्ठी

हमारा संविधान विश्व का सर्वश्रेष्ठ संविधान

लखनऊ, 27 नवंबर (एजेंसियां)। दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान द्वारा महानिदेशक संस्थान के संरक्षण व प्र.अपर निदेशक सुबोध दीक्षित के मार्ग निर्देशन में भारतीय संविधान दिवस के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।इस अवसर पर प्र.अपर निदेशक सुबोध दीक्षित ने संस्थान के अधिकारियों कार्मिकों तथा संस्थान प्रांगण में आयोजित हो रहे विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के 200 प्रशिक्षु प्रतिभागियों को, संकल्पबद्धता के साथ, भारतीय संविधान की शपथ दिलाई गई।

वैचारिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत संविधान निर्मात्री समिति के सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ संस्थान के प्रमुख संकाय अधिकारियों द्वारा भारतीय संविधान और भारत की प्रजातांत्रिक प्रणाली पर प्रासंगिक व उपयोगी विचार प्रकट किए गए।सुबोध दीक्षित ने भारतीय संविधान में वर्णित उन प्रमुख बिन्दुओं नीति निर्देशक तत्व, मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह हमारा संविधान विश्व का इसलिए सर्वश्रेष्ठ संविधान है कि इसके अन्तर्गत सभी धर्मों व सभी वर्गो तथा जातियों के उत्थान हेतु समुचित एवं यथोचित स्वतंत्रता तथा व्यवस्था का प्रावधान किया गया है।

राम मंदिर का जिक्र कर बोले सीएम योगी- पूरी दुनिया व देश ने भारत के सनातन वैभव को देखा और अनुभव किया

गाजियाबाद, 27 नवंबर (एजेंसियां) । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की परंपरा संतों, ऋषि-मुनियों व महापुरुषों के त्याग-बलिदान की महागाथा है। युगों-युगों से यह महागाथा विश्व मानवता के लिए प्रेरणा रही है। विश्व मानवता ने इस महागाथा का श्रवण व प्रेरणा प्राप्त कर भविष्य को तय किया है। भारत के अंदर आज भी पवित्र उपासना विधियां श्रद्धाभाव के साथ कार्य करते हुए इस व्यवस्था को बढ़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि तीन दिन पूर्व अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण कार्य को पूर्ण करने के महायज्ञ के पूर्णाहुति कार्यक्रम के साथ ही पीएम मोदी के करकमलों से भव्य भगवा ध्वज का आरोहण संपन्न हुआ। पूरी दुनिया व देश ने भारत के इस सनातन वैभव को देखा और अनुभव किया। सीएम योगी गुरुवार को तरुण सागरम् तीर्थ, मुरादनगर पहुंचे। उन्होंने यहां पंचकल्याणक महामहोत्सव के अंतर्गत 100 दिन में निर्मित गुफा मंदिर का उद्घाटन किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने भगवान पार्श्वनाथ जी व संत तरुण सागर जी महाराज का स्मरण किया। सीएम ने मेरी बिटिया व अंतर्मना दिव्य मंगल पाठ पुस्तक का विमोचन भी किया।

सीएम योगी ने कहा कि यूपी का सौभाग्य है कि अयोध्या में प्रथम जैन तीर्थंकर भगवान ऋषभ देव व चार जैन तीर्थंकर पैदा हुए। दुनिया ने काशी में चार जैन तीर्थंकरों को अवतरित होते हुए देखा है।

श्रावस्ती में जैन तीर्थंकर भगवान संभवनाथ का जन्म हुआ। भगवान महावीर का महापरिनिर्वाण कुशीनगर के पावागढ़ में हुआ था। हमारी सरकार ने फाजिलनगर का नाम (जहां भगवान महावीर ने महापरिनिर्वाण हुआ था), उसके नामकरण की कार्रवाई को पावा नगरी के रूप में बढ़ाया है।

सीएम योगी ने कहा कि 24 जैन तीर्थंकरों ने समाज को नई दिशा और विश्व मानवता को करुणा, मैत्री, अहिंसा व 'जियो-जीने दो' की प्रेरणा दी। उन्होंने सिर्फ मनुष्य ही नहीं, बल्कि प्रत्येक जीव-जंतु के लिए नई प्रेरणा प्रदान की, जिसकी प्रासंगिकता आज भी उसी रूप में बनी हुई है। मानव सभ्यता को विकास की नित नई ऊंचाइयों तक पहुंचना है तो उन्हें भारत के अध्यात्म की शरण में जाना होगा। अध्यात्म के साथ ही भौतिक विकास, सांस्कृतिक व आध्यात्मिक उन्नयन के लिए सुरक्षित, सुसभ्य, साफ-सुथरा वातावरण चाहिए, जिसे भारत ने पहले भी दुनिया को दिया है और भारत, ऋषि-मुनियों, परंपरा व भारतीय संस्कृति का संदेश आज भी विश्व मानवता के लिए यही है।

सीएम योगी ने कहा कि ऋषि-मुनि परंपरा ने जो संदेश दिया है, हम उसे आत्मसात करते हैं तो यह विश्व मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। गत वर्ष अप्रैल में पीएम मोदी ने विश्व नवकार महामंत्र दिवस पर वन वर्ल्ड-वन चैन कार्यक्रम का उद्घाटन किया था और हम सभी को नौ संकल्प (पानी की बचत, एक पेड़ मां के नाम, स्वच्छता का मिशन, वोकल फॉर लोकल, देश-दर्शन, नेचुरल फॉर्मिंग, हेल्दी लाइफ स्टाइल, योग व खेल को जीवन में लाना, गरीब कल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य करना) प्रदान किया था। जैन मुनियों की परंपरा उसी को बढ़ाने का कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज व उपाध्याय मुनि पीयूष सागर जी महाराज की दिनचर्या को देखा। 557 दिन की कठोर साधना, 496 दिन का निर्जल उपवास, तप, अनुशासन व आत्मसंयम का अद्भुत उदाहरण देखने को मिला है। ये चीजें दिखाती हैं कि यदि हम संकल्प ले लें तो जो कुछ हमें बाहर दिखाई दे रहा है, वह सब कुछ इस शरीर में अनुभव होते हुए भी दिखाई देगा। प्रसन्न सागर जी महाराज की साधना के माध्यम से यह देखने व अनुभव करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

यूपी: वाराणसी में डीएम-कमिश्नर ने चलाया डोर-टू-डोर अभियान, वोटर लिस्ट सुधार व कूड़ा कलेक्शन की जांच

वाराणसी, 27 नवंबर (एजेंसियां) । वाराणसी में लोगों को जागरूक करने के लिए गुरुवार सुबह अधिकारियों की ओर से अभियान चलाया गया। इसके तहत घर-घर जाकर लोगों को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जागरूक किया गया। साथ ही साफ-सफाई का सख्ती से पालन और जनसुविधाओं का लाभ उठाने के लिए कहा गया। इस दौरान जिला मजिस्ट्रेट सत्येंद्र कुमार और म्युनिसिपल कमिश्नर हिमांशु नागपाल मौजूद रहे। जिला मजिस्ट्रेट सत्येंद्र कुमार ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा, भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है। जितने वोटर हैं, उनके घरों में गणना प्रपत्र उपलब्ध कराकर फॉर्म को भरवाया जा रहा है। फिर इसे रिकलेक्ट करके उसका डिजिटाइजेशन किया जा रहा है। बहुत बड़ी संख्या में जो शहरी वोटर हैं, उनके घर में जो फॉर्म पहुंचे, उन्होंने फॉर्म अभी तक वापस नहीं किया है। ऐसे में हम घर-घर जाकर उन सभी से बात कर रहे हैं और फॉर्म भरने में मदद कर रहे हैं।

उन्होंने बताया, लोगों को हम प्रेरित कर रहे हैं कि वे जल्द से जल्द फॉर्म भरें और अपने बीए-लओ को उपलब्ध कराकर उसे डिजिटाइजेशन कराने का काम करें। इसी क्रम में हमारे साथ नगर निगम की टीम भी मौजूद है। जितने क्षेत्रीय पार्षद और बीए-लओ हैं, सभी मिलकर आज घर-घर जा रहे हैं। सभी मतदाताओं से बात कर रहे हैं कि वे अपना फॉर्म जल्द से जल्द भरें और उसे अपलोड कराएं।

म्युनिसिपल कमिश्नर हिमांशु नागपाल ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन एवं वार्डों की अन्य समस्याओं को जानने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ वार्ड स्तर पर निरीक्षण किया गया है। इसी क्रम में गुरुवार को पहड़िया वार्ड में हम गए। हमारा प्रयास है कि इसी तरह जिले के सभी वार्डों में जाएं और वहां की वस्तुस्थिति को जानें। सफाई व्यवस्था बेहतर हो, इसके लिए हमें सुझाव भी मिले।

उन्होंने बताया, कई जगहों से शिकायतें मिली हैं कि डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन नहीं हो रहा है। कई जगहों पर प्रतिदिन सफाई नहीं होने की शिकायत है। जिम्मेदारों के खिलाफ इससे संबंधित कार्रवाई की जाएगी। लोगों ने जिन असुविधाओं का जिक्र किया है, उनसे संबंधित अधिकारियों को 10 दिन के अंदर कार्य कराने का निर्देश दिया गया है।

एसआईआर को लेकर विपक्ष के सवाल बेबुनियाद : जगदंबिका पाल

लखनऊ, 27 नवंबर (एजेंसियां) । भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने गुरुवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआई) पर विपक्ष की तरफ से उठाए जा रहे सवालों को बेबुनियाद बताया। उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में बिहार विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि राजद नेता तेजस्वी यादव और राहुल गांधी ने एसआईआर के विरोध में बिहार में माहौल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इन लोगों ने बाकायदा यात्रा तक निकाली, ताकि लोगों के बीच में मतदाता सूची को लेकर प्रतिरोधात्मक माहौल तैयार किया जा सके, लेकिन अंत में क्या हुआ? यह किसी से छुपी नहीं है। बिहार में एनडीए जीत

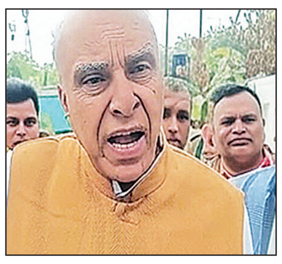

का परचम लहराने में सफल रहा। उन्होंने कहा कि बिहार में हमारी सरकार बनी। प्रदेश की जनता ने एनडीए पर एक बार फिर भरोसा जताया। इससे यह साफ जाहिर होता है कि एसआईआर को लेकर विपक्ष की तरफ से बेबुनियादी सवाल उठाए जा रहे हैं, जिसे मौजूदा समय में किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

सांसद ने एसआईआर का फायदा गिनाते हुए कहा कि इससे फर्जी मतदाताओं को चिह्नित किया जा रहा है। सिर्फ उन्हीं मतदाताओं को मतदान का अधिकार दिया जा रहा है जो इसके लिए पात्र हैं, तो इससे विपक्ष के लोगों को क्यों आपत्ति हो रही है? आखिर हम किसी फर्जी या बांग्लादेश के मूल लोगों को भारत में मतदान का अधिकार कैसे दे सकते हैं? ऐसी स्थिति में अगर चुनाव आयोग की देखरेख में एसआईआर हो रहा है तो इससे किसी को क्या आपत्ति है? हमें तो इसका स्वागत करना चाहिए, लेकिन अफसोस की बात है कि विपक्ष की तरफ से इसे लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।भाजपा नेता ने कहा कि मौजूदा समय में उत्तर प्रदेश में एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है।

'बिहार के बाद जीतेंगे बंगाल', एसआईआर पर ब्रजेश पाठक बोले- प्रक्रिया का विरोध विपक्ष की संभावित हार को दिखाता है

फिरोजाबाद, 27 नवंबर (एजेंसियां) । उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ विपक्षी दलों के विरोध पर जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष अपनी संभावित हार के डर से एसआईआर पर सवाल उठा रहा है। इस दौरान, ब्रजेश पाठक ने बिहार की तरह पश्चिम बंगाल में भी भाजपा की जीत का दावा किया। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने फिरोजाबाद में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, विपक्ष जो कुछ भी कह रहा है, वह उनकी संभावित हार के डर को दिखाता है। बिहार में एसआईआर लागू किया गया, तो एक भी वोटर ने यह दावा नहीं किया होता कि उसका नाम हटाया गया। चुनाव पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से हुए।

बिहार की जनता ने 'जंगलराज' को कभी भी वापस न लाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की गरीब कल्याण की योजनाओं और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सुशासन पर मुहर लगाई है। उन्होंने आगे कहा, पश्चिम बंगाल में भी भाजपा भारी बहुमत से जीतेगी। पिछली बार हार का अंतर बहुत कम था, इस बार हम निर्णायक जीत हासिल करेंगे। एसआईआर लागू होने के बाद से अवैध तरीके से रहने वाले लोगों में भगदड़ है। वे देश छोड़कर भाग रहे हैं।

आगे भी अवैध तरीके से आए लोगों को देश के बाहर करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने गुरुवार को बाबा नीम करौरी की जन्मस्थली अकबरपुर का दौरा किया। इस दौरान, उन्होंने बाबा के पैतृक घर और मंदिर में पूजा-अर्चना की और वहां एक किताब का विमोचन भी किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, फिरोजाबाद स्थित पूज्य संत बाबा नीब करौरी जी महाराज के अकबरपुर स्थित जन्मस्थली धाम पर पत्नी के साथ जाकर बाबा नीब करौरी जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करने का परम सौभाग्य मिला।

बाबा नीब करौरी के बारे में ब्रजेश पाठक ने बताया कि उनका जन्म उत्तर प्रदेश के अकबरपुर में 1900 के आसपास हुआ था। उनका असली नाम लक्ष्मीनारायण शर्मा था। गृहस्थ जीवन त्याग कर वे आध्यात्मिक यात्रा पर गए थे। उन्होंने कई स्थानों का भ्रमण किया।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 1964 में नैनीताल के पास कैंचीधाम आश्रम की स्थापना की गई। मान्यता है कि एक बार ट्रेन में यात्रा करते समय उन्हें नीब करौरी गांव के पास उतार दिया गया, तो वे वहीं बैठ गए। स्टेशन पर उनके बैठने के बाद ड्राइवर ने ट्रेन चलाने का प्रयास किया लेकिन ट्रेन नहीं चली। बाबा को मनाने के बाद ही ट्रेन अपने गंतव्य की ओर रवाना हो सकी। यही कारण है कि उन्हें नीब करौरी बाबा के नाम से जाना जाता है।

ब्रजेश पाठक के अनुसार, गुजरात के मोरबी में बाबा नीब करौरी ने तपस्या की और कई सिद्धियां प्राप्त कीं। बाबा नीब करौरी हमेशा सेवा भावना को महत्व देते थे। उनके संदेशों में दैनिक पूजा, ब्रह्म मुहूर्त में उठना, मौन रहना और सबके प्रति प्रेम भाव रखना शामिल है।

'विकसित उत्तर प्रदेश': सीएम योगी की प्राथमिकताओं में इंडस्ट्रियल व इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार मुख्य रूप से शामिल

लखनऊ, 27 नवंबर (एजेंसियां) । उत्तर प्रदेश को वर्ष 2047 तक देश के विकसित राज्यों की अग्रिम श्रेणी में लाने के लिए योगी सरकार अवसंरचना तथा औद्योगिक विस्तार पर केंद्रित व्यापक रणनीति लागू करने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रही है। 'विकसित उत्तर प्रदेश 2047' के लिए विजन डॉक्यूमेंट का निर्माण कार्य निरंतर जारी है और सरकार अब तक 98 लाख से अधिक नागरिकों और स्टेकहोल्डर्स से सुझाव प्राप्त कर चुकी है। इनमें सबसे अधिक सुझाव कृषि, ग्रामीण विकास और शिक्षा से संबंधित हैं। स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे प्रदेश की विकास यात्रा में जनता की सक्रिय भागीदारी का सकारात्मक संकेत बताया है। राज्य एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य की दिशा में दृढ़ता के साथ आगे बढ़ रहा है, जबकि वर्ष 2047 तक छह ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का दीर्घकालिक लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए 15 से 16 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर आवश्यक मानी गई है। औद्योगिक निवेश और रोजगार प्रोत्साहन नीति 2022 इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, जिसके अंतर्गत पात्र इकाइयों को 25 प्रतिशत तक पूंजीगत सब्सिडी की सुविधा उपलब्ध है। पूर्वांचल और बुंदेलखंड को औद्योगिक विकास का

नया केंद्र बनाने के उद्देश्य से यह सीमा 45 करोड़ रुपये तक निर्धारित की गई है।

भूमि क्रय को सरल और सुलभ बनाने के लिए लागू की गई स्टांप ड्यूटी छूट निवेशकों के लिए बड़ा प्रोत्साहन बनी है। पूर्वांचल और बुंदेलखंड में 100 प्रतिशत, मध्यांचल और पश्चिमांचल में 75 प्रतिशत तथा नोएडा-गाजियाबाद में 50 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की जा रही है। सरकार का मानना है कि यह कदम नए औद्योगिक निवेशों को आकर्षित करेगा और मौजूदा औद्योगिक इकाइयों के विस्तार को गति देगा।

पिछले वर्षों में योगी सरकार ने अवसंरचना विकास को प्राथमिकता देते हुए इसका व्यापक स्तर पर विस्तार किया है। आज उत्तर प्रदेश 13 एक्सप्रेस-वे और पांच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के साथ देश का सबसे बड़ा कनेक्टिविटी नेटवर्क प्रदान करने वाला राज्य बन चुका है। यह सुदृढ़ नेटवर्क प्रदेश को तेजी से उभरते लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित कर रहा है और उद्योगों को विश्वस्तरीय संपर्क सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में घोषित 8,08,736 करोड़ रुपए के बजट में से लगभग 22 प्रतिशत राशि अवस्थापना विकास के लिए आवंटित की गई है। इसके माध्यम से प्रदेश में एक्सप्रेस-वे, औद्योगिक कॉरिडोर, वेयरहाउसिंग, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स हब और नई औद्योगिक नगरियों के विस्तार में गति लाई जा रही है। योगी सरकार का मानना है कि इन प्रयासों से प्रदेश की औद्योगिक क्षमता में कई गुना वृद्धि होगी और रोजगार सृजन के नए अवसर विकसित होंगे। 'विकसित उत्तर प्रदेश 2047' का विजन अब ऐसी प्रक्रिया के रूप में आकार ले रहा है जिसमें नीति, विकास और जनता की सहभागिता मिलकर एक समृद्ध भविष्य की नींव तैयार कर रहे हैं।

लखनऊ : एसटीएफ ने मुरादाबाद में चोरी के ट्रैक्टर और इंजन बरामद किए, चार अभियुक्त गिरफ्तार

लखनऊ, 27 नवंबर (एजेंसियां) । उत्तर प्रदेश की विशेष कार्यबल (एसटीएफ) टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी। टीम ने मुरादाबाद के परीक्षितगढ़ थाना क्षेत्र में असम और पश्चिम बंगाल से चोरी किए गए चार ट्रैक्टर, एक कैंटर और दो जॉन डियर इंजन बरामद किए। इस मामले में चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें कासिम, शेरपाल, मुस्तकीम और जाने आलम शामिल हैं। एसटीएफ के अनुसार, अपराधी एक कैंटर में चोरी के ट्रैक्टर के पार्ट्स और इंजन लेकर बेचने की योजना बना रहे थे। मुखबिर की सूचना पर एसटीएफ टीम ने परीक्षितगढ़ से हाकिमपुर स्टेशन रोड पर बड़े तालाब के पास संदिग्ध वाहनों को रोका और चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से चोरी किए गए ट्रैक्टर और इंजन बरामद हुए, साथ ही चार मोबाइल भी मिले। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि कासिम नामक आरोपी असम, ओडिशा और पश्चिम बंगाल से चोरी के ट्रैक्टर खरीदकर मुरादाबाद लाता था। इन ट्रैक्टरों के चेसिस नंबर, इंजन नंबर और मर्का प्लेट बदलकर अधिक दामों पर बेचता था।आरोपी शेरपाल ने बताया कि वह एक कैंटर चालक था और विभिन्न राज्यों से माल लेकर आता था, जिसमें कासिम की ओर से खरीदे गए ट्रैक्टर और इंजन भी लोड किए जाते थे। अभियुक्तों के खिलाफ थाना परीक्षितगढ़ में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।एसटीएफ ने बताया कि शुरूआती जांच में सामने आया है कि इस गिरोह का नेटवर्क पूरे उत्तर भारत में फैला हुआ था और यह चुराए गए ट्रैक्टरों और इंजन को एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजकर अवैध रूप से बेचने का काम कर रहे थे। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है, इनकी निशानदेही पर बेचे गए ट्रैक्टरों को खोजा जा रहा है।

साथ ही इनके अन्य साथियों की तलाश की जा रही है।एसटीएफ ने बताया कि हम लोगों को काफी दिनों से इनके बारे में जानकारी मिल रही थी और यूपीएसटीएफ इनकी तलाश में जुटी थी। बुधवार को जैसे ही सही जानकारी मिली, वैसी ही टीम का गठन कर इन्हें ट्रैक्टर और कैंटर के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। अब इनका आपराधिक रिकॉर्ड पता लगाया जा रहा है।

नशामुक्त मिशन : तीन वर्षों में 1 अरब 46 करोड़ से अधिक कीमत के मादक पदार्थ बरामद, 1,700 से ज्यादा गिरफ्तार

गौतमबुद्ध नगर, 27 नवंबर (एजेंसियां) । कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ पिछले तीन वर्षों में व्यापक, सुनियोजित और कठोर अभियान चलाते हुए अपराधियों के नेटवर्क पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के नेतृत्व में नशे के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति अपनाते हुए वर्षों 2023, 2024 और 2025 की अवधि में कुल 6,865.793 किलोग्राम गांजा एवं अन्य मादक पदार्थ बरामद किए गए, जिनकी बाजार में कीमत लगभग 1 अरब 46 करोड़ 70 लाख रुपए आंकी गई है। यह कार्रवाई गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट में नशे के कारोबार के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी सफलता मानी जा रही है। 1 जनवरी 2023 से 31 दिसंबर 2023 के बीच 585 अभियोग पंजीकृत, 667 आरोपी चिन्हित किए गए, जिनमें से 660 को गिरफ्तार किया गया, जबकि शेष के विरुद्ध वारंट, कुर्की तथा अन्य वैधानिक कार्रवाइयां की गईं। इस दौरान 2,777.457 किलोग्राम मादक पदार्थ पकड़े गए, जिनकी कीमत 93 करोड़ 50 लाख रुपए रही। तस्करी में प्रयुक्त वाहनों को भी जब्त किया गया। दो आरोपियों पर रासुका और अवैध संपत्ति जब्तीकरण की कार्रवाई भी की गई।

वर्ष 2024 में पुलिस ने 502 अभियोग दर्ज किए और 578 आरोपियों की पहचान की। इनमें से 571 को गिरफ्तार किया गया, जबकि बाकी के खिलाफ कानूनी दबिश जारी रही।

कार्रवाई के दौरान 2,791.075 किलोग्राम नशीले पदार्थ की बरामदगी हुई, जिसकी कीमत 40 करोड़ 70 लाख रुपए आंकी गई। 80 व्यक्तियों की हिस्ट्रीशीट खोली गई, जबकि रासुका, पीआईटी-एनडीपीएस और गैंगस्टर अधिनियम सहित कड़े कानून लागू किए गए। सभी 578 मामलों में एनडीपीएस एक्ट की धारा 52(ए) का पूर्ण अनुपालन किया गया।

वर्ष 2025 में 20 नवंबर तक 458 केस दर्ज किए गए और 515 आरोपियों की पहचान हुई, जिनमें दो आरोपी प्रकाश में आए। पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर सभी 517 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। कार्रवाई के दौरान 1,297.261 किलोग्राम मादक पदार्थ बरामद हुए, जिनका मूल्य 12 करोड़ 50 लाख रुपए रहा। तस्करी में प्रयोग होने वाले वाहन भी जब्त किए गए।

कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस के अनुसार, नशे के खिलाफ इस निरंतर अभियान ने न केवल तस्करी के नेटवर्क को ध्वस्त किया है, बल्कि युवा वर्ग को नशे की गिरफ्त से बचाने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने स्पष्ट किया है कि नशीले पदार्थों के अवैध व्यापार के प्रति किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी और भविष्य में भी इससे जुड़े अपराधियों के विरुद्ध और अधिक कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

असफलता के बाद भी

इस तरह बनाए रखें अपना उत्साह

वह कौन-सी चीज है जो सफल लोगों को असफलता में भी मोटिवेटेड बनाए रखती है? अपनी असफलता के कड़वे अनुभव से उबरकर फिर से उसी दिशा में प्रयासरत रहने के लिए यह जानना जरूरी है।

दुनिया के सारे सफलतम लोगों ने अपनी जिंदगी में कभी-न-कभी असफलता का कड़वा घूंट जरूर पिया है। जब कभी हम उनकी सफलता की कहानियां सुनते हैं, उनकी शुरुआती असफलता के किस्से भी सुनने को मिलते हैं। यह अलग बात है कि हम सफलता से इतने अभिभूत रहते हैं कि असफलता को देखना भी नहीं चाहते हैं। हम वॉल्ट डिज्नी की सफलता से इतने अभिभूत रहते हैं कि यह भूल जाते हैं कि एक अखबार के एडिटर ने उन्हें

कल्पनाशीलता का अभाव बताकर नौकरी से निकाल दिया था। जब कोबे ब्रायंट अपने पहले बॉस्केटबॉल कैंप में गए तो वहां उन्होंने एक भी पॉइंट नहीं हासिल किया था। हममें से कितने लोगों ने टर्फ-ओ-डेटा का नाम सुना है?

माइक्रोसॉफ्ट से पहले यही बिल गेट्स का वेंचर था। यह काम नहीं कर पाया और माइक्रोसॉफ्ट सफल हो गया। दुनिया में इस तरह के किस्सों की भरमार है। विंसेंट वॉन गॉग के जीवनकाल में उनकी महज एक पेंटिंग बिकी थी। लेकिन उन्होंने जीवन भर पेंटिंग बनाई! मूल बात यह है कि वह कौन-सी चीज है जो सफल लोगों को

नियंत्रण हाथ में लें

जब आपके आसपास विपरीत चीजें होने लगती है तो ऐसा लगना स्वाभाविक है कि चीजें आपके नियंत्रण से बाहर हैं। और सच यह है कि ज्यादातर दुर्भाग्यपूर्ण मामलों में हकीकत में स्थिति आपके नियंत्रण में नहीं ही होती है। जैसे परिवार में किसी का बीमार होना या फिर आपकी कंपनी के कॉस्टकटिंग अभियान में आपका भी नाम होना।

(अ) कई बार लगता है कि आप स्थितियों पर स्वयं नियंत्रण किए हुए हैं और आप उन्हें प्रभावित कर सकते हैं। जब आपमें यह विचार आने लगे तो आपमें आत्मविश्वास आता है और आप तनाव व दबाव को अपने आप कम महसूस करते हैं।

(ब) जब स्थितियां ऐसी हों कि आपके करने के लिए कुछ न हो व आपको यह महसूस होने लगे कि परिस्थितियां आपके जीवन को निर्धारित करने लगी हैं, तब तनाव ज्यादा महसूस होता है निराशा हावी होने लगती है।

कई सारे अध्ययन यह बताते हैं कि जब आप कोई निर्णय लेते हैं तो आपमें आत्मविश्वास की वृद्धि होती है और आप कुछ करने के लिए प्रेरित होते हैं। खुद को पहचानने और अपना आत्मविश्वास बनाए रखने के लिए अपने जीवन से जु? छोटे-छोटे निर्णय लेते रहें। इससे आपमें प्रेरणा उत्पन्ना होगी। जैसे यदि आपका वजन ज्यादा है तो उसे कम करने के बारे में निर्णय लें। सीधी-सी बात यह है कि आप कोई निर्णय लें ताकि उसकी दिशा में आप काम करना शुरू करें। हालांकि इसका आपकी निराशा से संबंध हो या न हो... यह आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव जरूर लाएगा।

खुद को भी कारण बताएं

मानवीय स्वभाव ऐसा है कि वह हर चीज के पीछे कारण ढूंढता है। यदि आप किसी वजह से असफल हुए हैं तो खुद को कोई कारण जरूर दें। जैसे यदि किसी परीक्षा में हम असफल हुए हैं तो हमें लगता है कि हमारी ही तैयारी में कुछ कमी रह गई होगी। थोड़ा ज्यादा वक्त पड़ने में देते या ज्यादा ध्यान देते... इससे आपकी निराशा और

गहरी हो जाती है। इसके बजाए ऐसा करें कि खुद को यह बताएं कि हो सकता है थोड़ी मेहनत में कसर रह गई, लेकिन इस परीक्षा से एक अनुभव मिला। पता चला कि इसमें कैसे और क्या पड़ा जाना था, कैसी तैयारी की जानी थी। इससे आपकी निराशा कुछ कम होगी।

हर चीज को व्यक्तिगत तौर पर न लें

जब कभी जीवन में मुश्किल वक्त आता है, तब उसके लिए हम खुद को ही जिम्मेदार मानते हैं। गलत निर्णय ले लिया, फिर क्षमता से ज्यादा बड़ा दांव खेल लिया। ऐसा करके हम अक्सर अपना ही मनोबल कमजोर करते हैं। इसमें होता यह है कि मुश्किलें जितनी बड़ी होती नहीं है, उससे ज्यादा ब?ी नजर आने लगती हैं। हमेशा मोटिवेटेड रहने के लिए जरूरी है कि चीजों के प्रति तटस्थ दृष्टिकोण अपनाया जाए। हर चीज के लिए खुद को दोष देना बंद करें। देखने की कोशिश करें कि आपकी कमी के अतिरिक्त भी और क्या चीजें है जिनकी वजह से आप असफल हुए। यह आपको एक तरह से राहत देगा। साथ ही यह भी होगा कि आप अपनी कमी इत्मीनान से दुरुस्त कर पाएंगे।

अगर आपको भी अपनी नौकरी से परेशानी, तो अपनाएं ये टिप्स

जल्द मिलेगी नई नौकरी

नौकरी करने वाले लोगों में आपने शायद ही कोई ऐसा देखा होगा, जिसे अपनी जॉब से कोई प्रॉब्लम न हो. ज्यादातर लोगों को नौकरी से जुड़ी कोई न कोई समस्या जरूर होती है और इसी कारण बहुत से लोग जॉब स्विच करने के बारे में सोचते रहते हैं. अगर आपको भी अपनी जॉब से प्रॉब्लम है और नई नौकरी पाना चाहते हैं तो इसके लिए फॉलो करें ये आसान टिप्स...

इवेंट्स करें अटेंड

नई नौकरी पाने के लिए आपको अलग-अलग संस्थानों या फिर चैरिटी द्वारा आयोजित किए गए इवेंट्स में शामिल होना चाहिए. आपको इस मौके का पूरा फायदा उठाना चाहिए और हर मीटिंग में अपनी फील्ड से जुड़े कम से कम एक व्यक्ति से जरूर मिलना चाहिए. क्या पता कब कौन जॉब दिलाने में आपकी मदद कर दे.

नेटवर्किंग

दूसरी नौकरी पाने में जो चीज सबसे ज्यादा आपके काम आती है, वो है नेवर्किंग. फील्ड में रह कर बनाए गए कॉन्टैक्ट्स जॉब चेंज करने में काफी मदद करते हैं. किस कंपनी में जॉब वैकेंसी और किसमें नहीं ये आपके कॉन्टैक्ट्स ही आपको बताते हैं. इसलिए भले ही आप ऊंचे से ऊंचे मुकाम तक क्यों न पहुंच जाएं, कभी भी लोगों से अपना संपर्क न तोड़ें.

लिंक्डइन का उठाएं फायदा

लिंक्डइन पर अकाउंट बनाने का फायदा आपको आपकी मनपसंदीदा जॉब भी दिला सकता है. लिंक्डइन सही लोगों से जुड़ने का एक पावरफुल माध्यम है. यहां पर आप अपने टारगेट मार्केट (जिसमें आप नौकरी ढूंढ रहे हों) को सर्च कर सकते हैं. लिंक्डइन के हर एक सेक्शन में अगर आप सही जानकारी फिल करते हैं और अपनी सर्च में सही कीवर्ड्स का इस्तेमाल करते हैं तो इससे दूसरों को आपके बारे में बेहतर पता चल पाता है.

जॉब साइट्स पर बनाए रखें नजर

नई जॉब तलाश रहे लोगों को नौकरी.कॉम या फिर शाइन.कॉम जैसे जॉब पोर्टल्स पर भी नजर बनाए रखनी चाहिए. साथ ही आपको समय-समय पर अपना सीवी भी अपडेट करते रहना चाहिए. इसके अलावा जॉब से जुड़े ई-मेल्स पर भी नजर बनाए रखनी चाहिए. साथ ही आप नई नौकरियों के अपडेट्स के लिए अन्य जॉब वेबसाइट्स या फिर अखबार का भी सहारा ले सकते हैं.

आकर्षक पैकेजिंग में भी है करियर

जो दिखता है, वह बिकता है। यह सिर्फ एक पंचलाइन नहीं, आज की बिजनेस कंपनियों की सफलता का मंत्र भी है। दवाओं से लेकर खाने-पीने के सामान और सौंदर्य उत्पाद बनाने वाली कंपनियों के लिए पैकेजिंग एक ऐसा मार्केटिंग टूल है, जो साइलेंट सेल्सपर्सन का काम करता है। याद कीजिए, हम खुद कितनी बार स्टोर से कई चीजें सिर्फ इसलिए खरीद लेते हैं, क्योंकि उनकी पैकिंग दिखने में बहुत आकर्षक लगती है। कई बार तो हम-आप किसी उत्पाद के डिब्बे या बॉटल को सहेजकर भी रख लेते हैं, उसे फेंकना नहीं चाहते। दरअसल, यही पैकेजिंग का जादू है, जो न केवल ग्राहकों का ध्यान अपनी ओर खींचे, बल्कि उन्हें खरीदने के लिए मजबूर भी कर दे। मॉल और ऑनलाइन मार्केटिंग के इस दौर में अपने उत्पादों को नए-नए रूप-रंग में पेश करने पर सभी कंपनियों का जोर है। इस कारण इस फील्ड में तकनीकी और गैर-तकनीकी दोनों तरह की पृष्ठभूमि वाले युवाओं के लिए करियर की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

बढ़ रही है इंडस्ट्री

फिक्की-टीएसएमजी की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत वर्तमान में विश्व के टॉप-10 पैकेजिंग उपयोगकर्ता देशों में शुमार हो चुका है। ऐसा इसलिए कि रिटेल और ई-कॉमर्स में आए बूम के कारण पैकेजिंग की मांग यहां कई गुना बढ़ गई है। हालांकि भारत में प्रति व्यक्ति पैकेजिंग की खपत अभी सिर्फ 4.3 किलो है, जबकि जर्मनी और चीन में यह क्रमशः 42 किलो और 19 किलो है।

वैसे तो पैकेजिंग का इस्तेमाल आजकल हर चीज में हो रहा है लेकिन दवा, खाने-पीने के सामान, पेय पदार्थ, सौंदर्य उत्पाद, आईटी व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाने वाली कंपनियों को पैकेजिंग की जरूरत कहीं ज्यादा होती है, जहां हर समय पैकेजिंग के स्किल्ड प्रोफेशनल्स की मांग रहती है। ऐसे प्रोफेशनल्स किसी भी सेवा प्रदाता कंपनी में मैनेजर, असिस्टेंट मैनेजर, पैकेजिंग स्पेशलिस्ट, मटेरियल मैनेजर, डिलिवरी एरिया मैनेजर तथा क्वॉलिटी एनालिस्ट जैसे पदों पर अपनी सेवाएं देते हैं।

कोर्स व क्वॉलिफिकेशन

पैकेजिंग टेक्नोलॉजी या डिजाइन में संबंधित कोर्स अभी देश के कुछेक संस्थानों में ही संचालित हो रहे हैं, जहां से पीजी डिप्लोमा और सर्टिफिकेट प्रोग्राम किया जा सकता है। यह कोर्स साइंस, इंजीनियरिंग या अन्य पृष्ठभूमि के युवा 12वीं या ग्रेजुएशन के बाद कर सकते हैं। आईआईपी के संस्थानों में विद्यार्थियों को प्लेसमेंट की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है।

सैलरी कितनी?

पैकेजिंग उद्योग कमाई के मामले में भी अच्छा माना जाता है। इंडियन पैकेजिंग इंस्टीट्यूट जैसे संस्थान से दो वर्षीय कोर्स करने के बाद ऐसे प्रोफेशनल्स को शुरुआत में ही 25 से 30 हजार रुपए महीना तक सैलरी आसानी से मिल जाती है।

प्रमुख संस्थान

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पैकेजिंग (आईआईपी), दिल्ली/ मुंबई

गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, हिसार

पूसा पॉलिटेक्निक, नई दिल्ली

उत्पाद को खूबसूरत बनाने का दौर आईटी की तरह ही अब पैकेजिंग में भी बूम का दौर है। फूड, गारमेंट या ऑटोमोबाइल जैसे सभी तरह के उत्पादों को पैकेजिंग चाहिए। फिर चाहे यह पेपर पैकेजिंग हो या फिर प्लास्टिक, वुड या मेटल पैकेजिंग। रिटेल और ई-कॉमर्स कंपनियों का बाजार लगातार ब? रहा है। इसे भी लॉजिस्टिक्स या ट्रांसपोर्टेशन के लिए अलग तरह की पैकिंग की जरूरत होती है। स्कोप यहां बहुत है। कोर्स करने के बाद आप क्वॉलिटी कंट्रोल, परचेज/ मार्केटिंग, आर एंड डी, प्रोडक्शन या पैकेज डिजानिंग जैसी किसी भी विंग में जॉब पा सकते हैं। युवाओं को सैलरी भी शुरुआत में ही एमबीए स्टूडेंट से कहीं ज्यादा मिलती है। मगर इस फील्ड में उन्हीं को आना चाहिए, जो क्रिएटिव हों।

– डॉ तनवीर आलम,
(नेशनल पैकेजिंग इंस्टीट्यूट, दिल्ली)

आने वाले वर्षों में खत्म हो जाएंगी

ये 10 नौकरियां

दिनोदिन एडवांस होती टेक्नोलॉजी ने जिंदगी को तो आसान बनाया है पर कुछ नौकरियों को भी इसने खत्म किया है. याद कीजिए कि आपने आखिरी बार कब किसी पीसीओ से कॉल किया था? या किसी रिसेप्शनिस्ट से दूर बैठे अपने रिश्तेदार को कॉल मिलाने के लिए कहा था? और कब किसी लिफ्टमैन को अपना फ्लोर बताया था. कुल मिलाकर इस माहौल में मैनपावर की जगह मशीनों ने ले ली है. हम भी पूरी तरह से टेक्नोलॉजी पर निर्भर हो गए हैं. अब जितनी तेजी के साथ टेक्नोलॉजी एडवांस हो रही है, उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि आने वाले करीब दस सालों में कुछ और नौकरियां खत्म होने जा रही हैं. यहां हम ऐसी ही कुछ नौकरियों पर नजर डालते हैं जिन पर लुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है.

लाइब्रेरियन

अब लोग अपने स्मार्टफोन और टैबलेट में किताब पढ़ने लगे हैं. ई-बुक्स व ऑडियो बुक्स आसानी से उपलब्ध है. धीरे-धीरे इस रुझान को अपनाने वालों की संख्या में तेजी के साथ वृद्धि हो रही है. रोबोट्स किताब ढूंढ़ने में आपकी मदद करेगे. ऐसे में अब लाइब्रेरी में मैनपावर की पहले जितनी अहमियत नहीं रह गई है.

बीपीओ कर्मचारी

इस बात की भी चर्चा है कि बीपीओ/कॉल सेंटर इंडस्ट्री में ऑटोमेशन की वजह से बीपीओ कर्मियों की जरूरत कम होती जाएगी. हर कंपनी धीरे-धीरे चैटबॉट्स को अपनाएगी.

फायटर पायलट

निकट भविष्य में मानवरहित फायटर जेट्स का ज्यादा महत्व होगा.

पोस्टमैन

ईमेल, मैसेज, व्हाट्सएप और स्काइप जैसे तमाम एप ने एक जगह से दूसरी जगह संदेश पहुंचाना बेहद आसान बना दिया है. ऐसे में पोस्टमैन और कुरियर कंपनियों का काम होता जा रहा है.

पार्किंग लॉट अटेंडेंट

ऑटोमेशन की वजह से पार्किंग लॉट अटेंडेंट की नौकरी भी खत्म हो जाएगी. पार्किंग प्लाजा को ऑटोमेटिड बनाया जाएगा.

न्यूजपेपर ब्वॉयज

लोग अपन खबरें पढ़ने के लिए अपना मोबाइल उठाने लगे हैं. लोग अपने स्मार्टफोनों पर पहले ही सभी खबरें पढ़ लेते हैं. वीडियो व तस्वीरें देख लेते हैं. ऐसे में अगर न्यूजपेपर प्रचलन से खत्म हो रहे हैं तो घर पर न्यूजपेपर डिलीवर करने वाले ब्वॉय की नौकरी ज्यादा दिन तक नहीं चलने वाली.

बस कंडक्टर

अब धीरे-धीरे बस में मशीन लगाने की तैयारी है. जो कि कंडक्टर का काम करेगी. इस बस में कंडक्टर की जरूरत नहीं होगी. लोग मशीन से टिकट प्राप्त कर लेंगे.

टोल प्लाजा ऑपरेटर

धीरे-धीरे यहां भी ऑटोमेशन आ रहा है. बहुत से लोग डिजिटल वॉलेट से पेमेंट कर देते हैं.

प्रिंट जर्नलिस्ट

ऑनलाइन खबरें पढ़ी जाने से अखबारों का काम मंदा होता चला जाएगा. ऐसे में प्रिंट मीडिया के पत्रकार की नौकरी पर खतरा मंडरा रहा है.

सेक्रेटरी

अब आपका स्मार्टफोन ही आपका पर्सनल सेक्रेटरी बनता जा रहा है. एक वक्त था जब बॉस को उसका काम याद दिलाने के लिए सेक्रेटरी होता या होती थी. लेकिन अब उसकी जगह तेजतर्रार स्मार्टफोनों ने ले ली है.

ड्रीम करियर के लिए बढ़ाएं ये 6 कदम

अपने लिए सही करियर का चुनाव करना एक ऐसा निर्णय है, जो आपका जीवन बदल सकता है। इसलिए यह निर्णय लेने के लिए खुद को पर्याप्त समय दें और उचित चिंतन-मनन करने के बाद ही कोई फैसला करें। इस फैसले से पहले ये छह कदम जरूर उठाएं।

1. **अपनी कार्यशैली का आंकलन :** आप उसी जॉब में सहज रह सकेंगे, जो आपकी कार्यशैली के अनुकूल हो। खुद से यह सवाल पूछें कि क्या आप अपने बल पर ही अपने लक्ष्य हासिल करना चाहते हैं या फिर आपको अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए कार्यस्थल का अनुशासित माहौल चाहिए? क्या आपको घूमना पसंद है या फिर एक जगह बैठकर काम करना पसंद करते हैं? लोगों से मिलना-जुलना पसंद है या फिर अकेले रहना?
2. **अपनी संभावनाओं को तौलें :** कोई निर्णय लेने से पहले यह देखें कि आपकी क्या क्षमताएं हैं और आपकी पसंद के क्षेत्र में सफल होने के लिए किन क्षमताओं की जरूरत है। उस क्षेत्र के बारे में थोड़ी रिसर्च करके देखें कि उसमें कौन-सी स्किल्स और योग्यताएं चाहिए होती हैं और क्या आपमें वे हैं?
3. **अपनी रुचि व प्रतिभा जानें :** कभी-कभी आपकी हॉबी भी आपका करियर बन सकती है। यदि आपकी कोई हॉबी है या किसी क्षेत्र में आपके पास विशेष प्रतिभा है, तो उसे अपना प्रोफेशन बनाने के बारे में गंभीरता से सोचें। जो काम आप सहजता से कर लेते हैं, उसे ही अपना करियर बनाने पर विचार करें।
4. **जैसा सपना, वैसा करियर :** आपके आर्थिक लक्ष्य क्या हैं? यह भी इस बात के लिए बहुत मायने रखता है कि आप कौन-सा करियर चुनते हैं। यदि आप किसी मेट्रो शहर में आलीशान मकान में रहने का ख्वाब पाले हुए हैं, तो क्लर्क की नौकरी आपका यह लक्ष्य पाने में मददगार नहीं होगी। अगर बड़ा लक्ष्य रखा है, तो कुछ बड़ा सोचना पड़ता है और बड़ी मेहनत करनी पड़ती है।
5. **सेल्फ-असेसमेंट टूल्स :** कुछ सेल्फ-असेसमेंट टूल्स का इस्तेमाल कर आप विभिन्न करियर ऑप्शंस में से कुछ को अपनी लिस्ट में से हटाकर अपना चुनाव कुछ आसान कर सकते हैं। विभिन्ना क्षेत्रों में अपनी योग्यता को परखने के लिए ऑनलाइन जॉब डिस्क्रिप्शन, क्विज, करियर इंफॉर्मेशन आदि की मदद लें। आपके शहर में कोई करियर काउंसलिंग सेमीनार हो रहा हो, तो उसमें शामिल हों।
6. **धैर्य रखें :** धैर्य रखना बहुत जरूरी है क्योंकि करियर का चुनाव करना एक प्रक्रिया है, न कि कोई इवेंट जिसे झटपट पूरा करना है। इसलिए जल्दबाजी न करें।

लिखने का हुनर है तो

कैप्शन राइटर अच्छा कॅरियर विकल्प

वर्तमान समय में, लेखन का दायरा काफी विस्तृत हो गया है। हर क्षेत्र के लिए एक्सपर्ट की डिमांड की जाने लगी है। वैसे तो लिखने की कला हर किसी में नहीं होती। लेकिन अगर आपमें लिखने की जिज्ञासा व हुनर भी है तो आप अपने इस हुनर को अपना भविष्य बना सकते हैं। आज मीडिया जगत से लेकर मनोरंजन उद्योग में कैप्शन राइटर की काफी डिमांड है। आप भी अपने लेखन के दम पर इस क्षेत्र में अपना उज्ज्वल भविष्य देख सकते हैं।

क्या होता है काम

एक कैप्शन राइटर का मुख्य काम टेलीविजन प्रोग्राम व फिल्मों की स्क्रीन पर दिखाने के लिए कैप्शन लिखना होता है। वे डॉयलॉग्स और कुछ साउंड्स का भी अनुवाद करते हैं, जिससे श्रवण बाधित व्यक्ति भी आसानी से फिल्म व सीरियल देख सकें। चूंकि आजकल एक ही फिल्म कई भाषाओं में व अलग-अलग देशों में रीलिज की जाती हैं, इसलिए अलग-अलग भाषाओं के लिए कैप्शन लिखना भी कैप्शन राइटर का ही काम होता है। वह न सिर्फ अंग्रेजी संवाद का विभिन्न भाषा में अनुवाद करते हैं, बल्कि भारतीय भाषा संवादों का भी अंग्रेजी में अनुवाद करते हैं। वह न सिर्फ कैप्शन लिखते हैं, बल्कि टेलीविजन प्रस्तुति के मास्टर टेप पर कैप्शनों की एनकोडिंग के समय देख-रेख भी करते हैं।

स्किल्स

एक अच्छा कैप्शन राइटर बनने के लिए सिर्फ विभिन्न भाषाओं का ज्ञान होना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि आपकी उन पर अच्छी पकड़ भी होनी चाहिए ताकि आप आसानी से अनुवाद कर सकें। साथ ही आपको मीडिया प्रॉडक्शन, संचार व प्रसार तकनीकों का भी ज्ञान होना चाहिए। इसके अतिरिक्त आपमें बढ़िया लेखन कौशल, पढ़ने की समझ, श्रवण क्षमता व व्याख्यान क्षमता भी होनी चाहिए। आपका काम कंप्यूटर से जुड़ा है, इसलिए इसकी अच्छी नॉलेज होनी भी बेहद जरूरी है। आपको पढ़ने का शौक भी होना चाहिए ताकि आप हर दिन कुछ नया सीख सकें और उसका प्रयोग अपने लेखन में भी कर सकें। आपका सेल्फ लर्नर व हार्डवर्किंग होना भी आवश्यक है।

योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए अलग से कोई विशेष कोर्स उपलब्ध नहीं है। लेकिन आप अपने लेखन में तकनीकी कौशल को बढ़ाने व उसे सशक्त बनाने के लिए ग्रेजुएशन के बाद ट्रेनिंग कर सकते हैं। चूंकि एक कैप्शन राइटर के स्किल्स कोर्ट रिपोर्टिंग से काफी मिलते-जुलते होते हैं, इसलिए कोर्ट रिपोर्टिंग स्कूल्स भी कैप्शन राइटर्स के लिए कोर्स उपलब्ध कराते हैं। इसके अतिरिक्त नेशनल कैप्शनिंग इंस्टीट्यूट भी कैप्शनिंग प्रोफेशन के लिए जानकारी व संसाधन उपलब्ध कराता है। वैसे आप चाहें तो पत्रकारिता व जनसंचार, विजुअल कम्युनिकेशन, विज्ञापन व अंग्रेजी साहित्य में डिग्री प्राप्त करके भी इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं।

संभावनाएं

चूंकि मीडिया व मनोरंजन उद्योग देश के सबसे तेजी से बढ़ने वाले क्षेत्रों में से एक है, इसलिए कैप्शन राइटर के लिए भी जॉब की कोई कमी नहीं है। आप नेशनल, लोकल मीडिया कंपनी व ब्रॉडकॉस्टिंग कंपनी में भी काम तलाश कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप पेपर्स व वेब पोर्टल में भी अपना हुनर दिखा सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में फ्रेशर्स 15000 से 18000 रूपए प्रतिमाह आसानी से कमा सकते हैं। वहीं एक-दो वर्ष के अनुभव के बाद आपकी आमदनी 25000 से 30000 रूपए प्रतिमाह तक हो सकती है।

संपादकीय

राम ही सनातन नहीं

अयोध्या के भव्य, दिव्य श्रीराम मंदिर के शिखर पर धर्म-ध्वजा फहराने के साथ ही मंदिर की शास्त्रीय प्रक्रिया परिपूर्ण हो गई। राम मंदिर संपूर्ण और सार्थक हो गया। प्रधानमंत्री मोदी का कथन उचित है कि सदियों के घाव और दर्द अब भर रहे हैं। सदियों की वेदना आज विराम पा रही है, क्योंकि 500 साल पुराना संकल्प आखिर पूरा हुआ है। यकीनन यह राम मंदिर के संकल्प रूपी यज्ञ में पूर्णाहुति की बेला है। यह सनातन धर्म की ध्वजा पुनर्जागरण की पताका है। प्रधानमंत्री ने अयोध्या को नए भारत के प्रतीक के तौर पर परिभाषित किया है। बेशक राम मंदिर बनने से अयोध्या का सब कुछ निखर गया है। अब अयोध्या अराजकता, अमावस की कालिमा, सांप्रदायिक टकराव का शहर नहीं, बल्कि उप्र और भारत के आर्थिक विकास की भी ध्वजा लहरा रहा है। अब अयोध्या सूर्यवंश, इक्ष्वाकु वंश, रघुकुल की ध्वजा लहरा रहा है। राम भारत के सांस्कृतिक, सनातनी संघर्ष के एक हिस्से के किरदार हैं। राम कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि मूल्य, अनुशासन, मर्यादा, दिशा के प्रतीक-पुरुष हैं। यकीनन राम ही भारत हैं और देश आज राममय है, प्रधानमंत्री मोदी के ये शब्द एकांगी और अधूरे हैं। भारत राममय के साथ-साथ शिवमय, कृष्णमय, गणेशमय, जैनमय, बौद्धमय, सिखमय, यीशुमय भी है। देश में बड़ी आबादी इस्लाममय भी है। जब भारत में इस्लाम और ईसाई धर्म नहीं थे, तब भी राष्ट्र का अस्तित्व था। उसकी सभ्यता-संस्कृति वैदिक काल-सी प्राचीनतम है। इन देवताओं और भगवानों में आस्था, श्रद्धा और भक्ति-भाव रखने वाले श्रद्धालु भी असंख्य हैं। वे श्रीराम के साथ अपने आराध्य को भी 'पूजनीय' मानते हैं। जिस राष्ट्र में 33 करोड़ देवताओं की कल्पना की गई है और उनमें से कुछ की प्रतिमाएं राम मंदिर के परिसर में ही स्थापित की गई हैं, उनके खूबसूरत मंदिर भी बनाए गए हैं, उस राष्ट्र में राम की ही चिंता करना, उन्हें ही महिमामंडित करना एकांगी ही है। सभी देवता और भगवान प्रभु श्रीराम में ही निहित नहीं हैं। उनके अस्तित्व और उनकी मान्यता भिन्न हैं। प्रधानमंत्री मोदी भारत को 'राममय' ही चित्रित नहीं कर सकते। अन्य भगवानों के अस्तित्व भी 'राममय' नहीं हैं। अभी सदियों के घाव टीस रहे हैं, दर्द भी शांत नहीं हुआ है, क्योंकि सनातन के ध्वज-पुरुष राम ही नहीं हैं। छत्रपति शिवाजी, महाराणा प्रताप, पृथ्वीराज चौहान, अहिल्या बाई होलकर, झांसी की रानी लक्ष्मीबाई से लेकर गुरु तेगबहादुर तक कई भारत माँ के जांबाज सपूत रहे हैं, जिन्होंने मुगलों, आक्रांताओं के खिलाफ, सनातन और हिंदू धर्म की रक्षा की, लड़ाइयां लड़ीं, बलिदान दिए, भारत को कलंकित या झुकने नहीं दिया। उनका सांस्कृतिक और राष्ट्रीय योगदान प्रभु श्रीराम से कमतर नहीं है। उनके भी महामंदिर बनाए जाएं। उनके शिखरों पर भी केसरिया ध्वजा फहराई जाए। खुद प्रधानमंत्री सिख गुरु तेगबहादुर के 'शहीदी दिवस' के मौके पर कुरुक्षेत्र गए थे। सिख गुरु के सनातनी संघर्ष और बलिदान का उन्होंने उल्लेख भी किया था, लेकिन प्रधानमंत्री ने 'गुरुमय' शब्द का प्रयोग नहीं किया। चूंकि प्रधानमंत्री मोदी पूरे देश के 'कार्यकारी प्रमुख' हैं, शासनाध्यक्ष हैं, लिहाजा 'राममय' को ही सनातन मान लेना उनकी भेदभावी सोच है। प्रधानमंत्री के लिए सभी धर्म, इस्लाम भी, समान, गरिमामय और महत्वपूर्ण हैं। बेशक बहुत कम मुसलमान प्रधानमंत्री की पार्टी भाजपा को वोट देते हैं। बहरहाल अयोध्या में प्रभु राम का भव्य मंदिर बना है, तो अर्थव्यवस्था की भी कायापलट हो गई है। अब अयोध्या पंचतारा होटलों, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे वाला शहर है। सिर्फ अयोध्या का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) ही 10,000 करोड़ रुपए से अधिक है। अयोध्या की पर्यटन अर्थव्यवस्था 2028 तक 18,000 करोड़ रुपए से अधिक के राजस्व वाली होगी। जून, 2025 तक 23.82 करोड़ पर्यटक और रामभक्त अयोध्या जा चुके थे। रामलला की प्रतिमा स्थापित करने के दिन से 45 करोड़ से ज्यादा भक्त प्रभु राम के दर्शन कर चुके हैं।

राम मंदिर संपूर्ण और सार्थक हो गया। प्रधानमंत्री मोदी का कथन उचित है कि सदियों के घाव और दर्द अब भर रहे हैं। सदियों की वेदना आज विराम पा रही है, क्योंकि 500 साल पुराना संकल्प आखिर पूरा हुआ है। यकीनन यह राम मंदिर के संकल्प रूपी यज्ञ में पूर्णाहुति की बेला है। यह सनातन धर्म की ध्वजा पुनर्जागरण की पताका है। प्रधानमंत्री ने अयोध्या को नए भारत के प्रतीक के तौर पर परिभाषित किया है। बेशक राम मंदिर बनने से अयोध्या का सब कुछ निखर गया है। अब अयोध्या अराजकता, अमावस की कालिमा, सांप्रदायिक टकराव का शहर नहीं, बल्कि उप्र और भारत के आर्थिक विकास की भी ध्वजा लहरा रहा है। अब अयोध्या सूर्यवंश, इक्ष्वाकु वंश, रघुकुल की ध्वजा लहरा रहा है। राम भारत के सांस्कृतिक, सनातनी संघर्ष के एक हिस्से के किरदार हैं। राम कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि मूल्य, अनुशासन, मर्यादा, दिशा के प्रतीक-पुरुष हैं। यकीनन राम ही भारत हैं और देश आज राममय है, प्रधानमंत्री मोदी के ये शब्द एकांगी और अधूरे हैं। भारत राममय के साथ-साथ शिवमय, कृष्णमय, गणेशमय, जैनमय, बौद्धमय, सिखमय, यीशुमय भी है। देश में बड़ी आबादी इस्लाममय भी है। जब भारत में इस्लाम और ईसाई धर्म नहीं थे, तब भी राष्ट्र का अस्तित्व था। उसकी सभ्यता-संस्कृति वैदिक काल-सी प्राचीनतम है। इन देवताओं और भगवानों में आस्था, श्रद्धा और भक्ति-भाव रखने वाले श्रद्धालु भी असंख्य हैं। वे श्रीराम के साथ अपने आराध्य को भी 'पूजनीय' मानते हैं। जिस राष्ट्र में 33 करोड़ देवताओं की कल्पना की गई है और उनमें से कुछ की प्रतिमाएं राम मंदिर के परिसर में ही स्थापित की गई हैं, उनके खूबसूरत मंदिर भी बनाए गए हैं, उस राष्ट्र में राम की ही चिंता करना, उन्हें ही महिमामंडित करना एकांगी ही है। सभी देवता और भगवान प्रभु श्रीराम में ही निहित नहीं हैं।

हिंदी को अपने ही देश में सबसे अधिक उपेक्षा, संकोच और राजनीतिक विरोध का सामना करना पड़ता रहा है

हिंदी में शपथः नए भारत की भाषाई चेतना का निर्णायक उद्घोष

ललित गर्ग

भारत में भाषा सदैव राजनीति का एक सुविधाजनक औज़ार रही है। कुछ दशकों से चले आ रहे भाषाई आंदोलन और हिंदी-विरोधी राजनीति ने देश की एकता को अक्सर चुनौती दी है। क्षेत्रवाद की आड़ में कुछ राजनीतिक दलों ने हिंदी को एक क्षेत्र विशेष की भाषा बताकर उसका महत्व कम करने का प्रयास किया। लेकिन यह तर्क न तो व्यावहारिक था और न ही ऐतिहासिक। हिंदी किसी क्षेत्र की भाषा नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के हृदय की भाषा है, जनमानस की अभिव्यक्ति है, भारत की आत्मा की धड़कन है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत द्वारा हिंदी में शपथ लेना इस सत्य को पुन: उद्घाटित करता है कि भारतीय लोकतंत्र की संवैधानिक संस्थाएँ केवल कानून और प्रशासन की रक्षा ही नहीं करतीं, बल्कि भारतीयता और राष्ट्रीय अस्मिता को भी नई दिशा देती हैं।

भारत के 53वें प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत द्वारा हिंदी में शपथ लेना भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में केवल एक औपचारिक घटना नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक, राष्ट्रीय और मनोवैज्ञानिक चेतना का नया शुभारंभ है। यह वह क्षण है जिसने भाषा को लेकर दशकों से चले आ रहे संकीर्ण विवादों, राजनीतिक विरोधाभासों और कृत्रिम विभाजनों पर एक गहरी चोट की है। हिंदी में शपथ का यह निर्णय राष्ट्रीय मानस में इस भावना को पुनः स्थापित करता है कि भाषा का प्रश्न केवल संचार का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा का प्रतीक है। यह निर्णय उस विरोधाभास पर भी प्रकाश डालता है जिसमें विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा हिंदी को अपने ही देश में सबसे अधिक उपेक्षा, संकोच और राजनीतिक विरोध का सामना करना पड़ता रहा है। भारत में भाषा सदैव राजनीति का एक सुविधाजनक औज़ार रही है। कुछ दशकों से चले आ रहे भाषाई आंदोलन और हिंदी-विरोधी राजनीति ने देश की एकता को अक्सर चुनौती दी है। क्षेत्रवाद की आड़ में कुछ राजनीतिक दलों ने हिंदी को एक क्षेत्र विशेष की भाषा बताकर उसका महत्व कम करने का प्रयास किया। लेकिन यह तर्क न तो व्यावहारिक था और न ही ऐतिहासिक। हिंदी किसी क्षेत्र की भाषा नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के हृदय की भाषा है, जनमानस की अभिव्यक्ति है, भारत की आत्मा की धड़कन है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत द्वारा हिंदी में शपथ लेना इस सत्य को पुनः उद्घाटित करता है कि भारतीय लोकतंत्र की संवैधानिक संस्थाएँ केवल कानून और प्रशासन की रक्षा ही नहीं करतीं, बल्कि भारतीयता और राष्ट्रीय अस्मिता को भी नई दिशा देती हैं। यह कदम यह संदेश देता है कि नई पीढ़ी की संस्थाएँ अब संकोच नहीं, आत्मविश्वास के साथ भारत की भाषा में अपने कर्तव्यों की शुरुआत कर रही हैं। हिंदी को लेकर जो विरोधाभास पैदा किया जाता रहा है, वह वास्तव में एक कृत्रिम एवं आग्रह-दुराग्रहपूर्ण द्वंद्व है। आज के वैश्विक दौर में भाषा का महत्व उसकी लोकस्वीकृति और उपयोगिता से तय होता है। हिंदी वैश्विक भाषाओं की सूची में तेजी से ऊपर बढ़ रही है। करीब 113 करोड़ के साथ अंग्रेजी पहले स्थान पर है. 111 करोड़ के साथ चीनी दुसरे स्थान पर है, इसके बाद हिन्दी का स्थान आता है। करीब 61.5 करोड़ विश्व में, हिन्दी को बोलने वाल लोगों की संख्या के आधार पर तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा का स्थान प्राप्त है। हिंदी का प्रभाव विश्व में बढ़ रहा है और यह सोशल मीडिया व संचार माध्यमों में भी लगातार उपयोग हो रही है। दुनिया भर के 175 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिंदी भाषा पढ़ाई जा रही है। देवनागरी लिपि को दुनिया की सबसे वैज्ञानिक लिपियों में से एक माना जाता है। भारत सरकार की पहल के बाद से, संयुक्त राष्ट्र ने भी साप्ताहिक हिंदी समाचार बुलेटिन शुरू किया है। अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, मोरिशस, दक्षिण अफ्रीका, खाड़ी देशों और यूरोप में हिंदी सीखने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। विश्व के कई विश्वविद्यालयों में

हिंदी साहित्य, भाषाविज्ञान और अनुवाद अध्ययन का विस्तार हुआ है। हिंदी फिल्में, वेब प्लेटफॉर्म और मीडिया विश्व संस्कृति पर गहरा प्रभाव छोड़ रहे हैं। यह वह समय है जब हिंदी वैश्विक मंच पर उभर रही है, लेकिन अपने ही देश में उसे राजनीति और संकीर्णताओं का शिकार होना पड़ रहा है। यही वह असंगति है जिसे न्यायमूर्ति सूर्यकांत की शपथ ने बड़े सौम्य किंतु तीव्र संदेश के साथ उजागर किया है कि जब दुनिया हिंदी को सम्मान दे रही है तो भारत में उसकी उपेक्षा किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं हो सकती। राष्ट्रीय प्रतीक केवल वस्तुएँ नहीं होते, वे राष्ट्र की चेतना के वाहक होते हैं। राष्ट्रध्वज केवल कपड़े का टुकड़ा नहीं, करोड़ों लोगों के स्वाभिमान और बलिदान का प्रतीक है। राष्ट्रगान केवल धुन नहीं, बल्कि भारत की समष्टिगत भावना का सूत्र है। उसी प्रकार राष्ट्र की भाषा-चाहे उसे हम राजभाषा कहें या राष्ट्रभाषा भारतीय पहचान और राष्ट्रीय एकता का अदृश्य धागा है। नए भारत का निर्माण तभी संभव है जब हम इन प्रतीकों का सम्मान केवल संविधान की धाराओं में नहीं, बल्कि हृदय में करें। हिंदी को लेकर जो संकोच, झिझक और कृत्रिम विरोध दशकों से बना हुआ था, वह राष्ट्रीय आत्मविश्वास के लिए बाधक था। हिंदी में शपथ लेकर न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने इस मानसिक दरार को पाटने में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यकाल में हिंदी को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करने का साहसिक कार्य किया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा से लेकर ब्रिक्स, जी-20 और अनेक अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उन्होंने हिंदी में संबोधन देकर दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत अपनी भाषा को लेकर हिचकता नहीं, बल्कि गर्व करता है। इससे पहले अटल बिहारी वाजपेयी ने भी संयुक्त राष्ट्र में हिंदी में भाषण देकर ऐतिहासिक परंपरा की शुरुआत की थी। उनकी वाणी में हिंदी केवल शब्द नहीं थी, बल्कि भारत की आत्मा की ध्वनि थी। नरेंद्र मोदी ने इस परंपरा को राष्ट्रीयता, आधुनिकता, आत्मविश्वास और वैश्विक उपस्थिति के साथ आगे बढ़ाया है। उन्हें यह समझ थी कि भाषा राष्ट्रीय चेतना की नींव होती है, और जिस राष्ट्र को विश्व नेतृत्व की आकांक्षा है, उसे अपनी भाषा पर गर्व करना ही होगा। जब राष्ट्र का प्रधानमंत्री अपनी भाषा को वैश्विक मंचों पर प्रतिष्ठा दिलाता है और जब राष्ट्र का प्रधान न्यायाधीश उसी भाषा में शपथ लेता है, तब यह संकेत मिलता है कि नए भारत की भाषा नीति संकोच नहीं, बल्कि स्वाभाविक भारतीयता की पुनर्स्थापना है।

हिंदी केवल भावनात्मक आग्रह नहीं है। यह शासन, न्याय, शिक्षा, प्रशासन, मीडिया और तकनीक की भाषा बनती जा रही है। डिजिटल इंडिया और नई तकनीकी क्रांति में हिंदी की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। आज इंटरनेट पर सबसे तेजी से बढ़ने वाली भाषाओं में हिंदी शीर्ष पर है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन अनुवाद और डिजिटल पत्रकारिता में हिंदी का उपयोग बढ़ाना भारत की ज्ञान-आर्थिक उन्नति के लिए अनिवार्य है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसकी भाषाई आत्मनिर्भरता पर भी निर्भर करती है। जितनी अपनी भाषा मजबूत होगी, उतना ही विचार-निर्माण, नवाचार और जनसक्रियता मजबूत होगी। इस दृष्टि से हिंदी के प्रति उपेक्षा केवल सांस्कृतिक अपराध नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास को बाधित करने वाला संकीर्ण एवं राष्ट्र-विरोधी दृष्टिकोण भी है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत की हिंदी में शपथ वास्तव में एक वैचारिक उद्घोष है। यह घोषणा है कि भाषा को लेकर चलने वाला हमारा पुराना आत्मद्वंद्व समाप्त होना चाहिए। राष्ट्रभाषा का सम्मान किसी क्षेत्र या समुदाय पर थोपा हुआ बोझ नहीं, बल्कि वह प्राकृतिक बंधन है जो विविधता को सामूहिकता में बदलता है। यह वह बंधन है जो भारत को भारत बनाता है। यह वह अदृश्य शक्ति है जो उत्तर से दक्षिण, पश्चिम से पूर्व और ग्रामीण से महानगरीय भारत को एक सांस्कृतिक सूत्र में पिरोती है, व्यापार एवं विकास को गति देता है। हिंदी किसी पर थोपी जाने वाली भाषा नहीं, वह तो स्वयंस्फूर्त रूप से जनमानस की भाषा बन चुकी है। उसका विरोध अब एक राजनीतिक नाटक भर रह गया है जिसका वास्तविकता से कोई सरोकार नहीं। नए भारत ने अपने संकोचों को त्यागना शुरू कर दिया है। अपनी परंपराओं, अपने प्रतीकों और अपनी भाषा पर गर्व करना नया मानसिक स्वरूप बनता जा रहा है। न्यायपालिका से लेकर कार्यपालिका तक और वैश्विक मंचों से लेकर डिजिटल मंचों तक-हिंदी का सम्मान बढ़ रहा है। यह सम्मान न किसी के आदेश से आया है, न किसी दवाब से; यह सम्मान राष्ट्र की आत्मा से उठा है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत की हिंदी में शपथ नए भारत की सांस्कृतिक स्वाधीनता का प्रतीक बन गई है। यह उस स्वाभिमान का उद्घोष है कि भारत अब अपनी भाषा से संकोच नहीं करेगा। यह वह क्षण है जिसने भाषा के प्रश्न को संवैधानिक गरिमा और राष्ट्रीय चेतना के सर्वोच्च स्तर पर स्थापित कर दिया है। इस कदम ने यह सिद्ध कर दिया है कि हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्मा का प्रकाश है, एक ऐसा प्रकाश जो आत्मविश्वास, सांस्कृतिक प्रतिष्ठा और राष्ट्रीय एकता की नई राहें रोशन कर रहा है। यही वह दिशा है जिसमें नया भारत आगे बढ़ रहा है-अपनी भाषा में, अपने स्वभाव में और अपनी अस्मिता में आत्मविश्वास से भरपूर।

देश दुनिया से

जनसांख्यिकीय बदलाव की साजिश का सच

मैं इन दिनों सोशल मीडिया में लगातार आ रही उन पोस्ट्स को लेकर चिंतित हूं जिनमें अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखंड और हिमाचल सहित भारतवर्ष के सभी राज्यों और शहरों में अचानक मुस्लिम समाज की निरंतर बढ़ती जनसंख्या से जनसांख्यिकीय संरचना में हो रहे बदलावों की झलक और चर्चा देखने को मिल रही है। इससे स्थानीय लोगों में बढ़ता आक्रोश और भय की तस्वीरें भी आने वाले समय में उपस्थित होने वाली संघर्षमयी परिस्थितियों की ओर इशारा करती हैं। वैश्विक स्तर पर मुस्लिम समुदाय की कट्टरवादी सोच, गतिविधियां एवं कृत्य किसी से छिपे हुए नहीं हैं। अभी पिछले दिनों दिल्ली में हुए कार विस्फोट में मुस्लिम समुदाय के शिक्षित लोगों की संलिप्तता ने समाज के अन्य वर्गों के लोगों की चिंताओं में इजाफा ही किया है। धर्म विशेष के मजहबी कट्टरपन ने जहां समुदाय विशेष के लोगों की बुद्धि और विचारधारा को ही बदल दिया है, वहीं इससे धर्म आधारित सामाजिक बिखराव/टकराव बढ़ रहा है। सोशल मीडिया में सुदूर अरुणाचल प्रदेश से आने वाले वीडियो दर्शाते हैं कि वहां अचानक बाहरी राज्यों के मुस्लिम लोगों के आगमन से किस प्रकार से वहां का स्थानीय युवा आंदोलित हो रखा है। इसी बीच एक अच्छी पहल करते हुए उत्तराखंड में ऑपरेशन कालनेमि के तहत देहरादून पुलिस अब तक अवैध रूप से रह रहे 17 बांग्लादेशी नागरिकों पर कार्रवाई कर चुकी है। जिनमें से 8 को जेल भेजा जा चुका है और 9 को डिपोर्ट किया गया है। इसी तरह उत्तरप्रदेश में भी अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों की जांच पड़ताल जारी है। भारतवर्ष में पिछले 50 वर्षों में पाकिस्तान पोषित आतंकवाद की विभीषिका में हजारों लोगों की शहादतें हुई हैं और शायद ही कोई महीना बीतता होगा, जब कोई न कोई आतंकवादी वारदात भारत के किसी कोने में न घटती हो। यही वजह थी कि मई महीने में भारत को पाकिस्तान के विरुद्ध ऑपरेशन सिंदूर द्वारा सैन्य कार्रवाई करनी पड़ी। देखा जाए तो अधिकांश आतंकवादी घटनाओं/मामलों में मुस्लिम समुदाय के लोगों की ही भागीदारी और संलिप्तता, इनकी कार्यप्रणाली और कट्टरता के कारण दूसरे धर्म और समुदायों के नागरिकों में इनके प्रति नफरत और शक को ही बढ़ावा देती है। वैश्विक स्तर पर भी मुस्लिम समुदाय के लोगों की गतिविधियां दूसरे धर्म के अनुयायियों से मेल मिलाप और सद्भाव वाली नहीं हैं। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रीय आतंकवाद निरोधी केंद्र के प्रकाशन 'अ क्रोनोलॉजी ऑफ इंटरनेशनल टेररिज्म' में भी कहा गया है कि, 'भारत को किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक आतंकवादी घटनाओं का सामना करना पड़ा है।' सन 2005 में सच्चर समिति की रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया था कि 2100 तक भारतीय जनसंख्या में मुसलमानों का अनुपात 17 फीसदी से 21 फीसदी के बीच स्थिर हो जाएगा। प्यू रिसर्च सेंटर ने अनुमान लगाया है कि 2050 तक भारत की कुल 1.668 बिलियन आबादी में से 311 मिलियन मुसलमान होंगे, जो देश की जनसंख्या का 18.4 फीसदी होगा। उत्तराखंड का गठन 9 नवंबर, 2000 में हुआ था। उस वक्त नए बने राज्य में 2001 की जनगणना के मुताबिक करीब 1 लाख आबादी ही मुस्लिमों की थी, जो 2011 में बढक़र 14 लाख से ज्यादा हो गई थी। इस दौरान हिंदुओं की आबादी की वृद्धि दर 16 फीसदी थी तो पूरे दशक के दौरान मुस्लिम जनसंख्या की वृद्धि दर 39 फीसदी थी। ये आंकड़े तब के हैं, जब बीते डेढ़ दशक से भारत की जनगणना के आंकड़े जारी नहीं हुए हैं। हिमाचल प्रदेश में मुस्लिम जनसंख्या कुल 68.65 लाख में से 1.50 लाख (2.18 प्रतिशत) है। जबकि असली आंकड़ों में मुस्लिमों की आबादी इससे कहीं अधिक हो चुकी है। हिमाचल प्रदेश में मात्र मुस्लिम आबादी और बाहरी घुसपैठ ही एक समस्या नहीं है। राज्य में मस्जिद-मदरसे भी तेजी से बढ़े हैं। हिंदू जागरण मंच ने एक रिपोर्ट में बताया है कि राज्य में कोरोना काल से पहले 393 मस्जिदें थी। लेकिन कोरोना के बाद इनकी संख्या 520 हो गई है। बताया गया है कि सिरमौर जिले में ही सबसे अधिक 130 मस्जिदें बन गई हैं। इसके अलावा चंबा में 87 और ऊना में 52 मस्जिदें हैं। प्रदेश में मदरसों की संख्या भी 35 है। हिंदू जागरण मंच का आरोप है कि उन जगहों पर मस्जिदें बनाई जा रही हैं जहां कोई भी मुस्लिम नहीं रहता। शिमला में संजौली की मस्जिद असल में मात्र दो मंजिला थी। लेकिन बिना अनुमति के यहां भी पांच मंजिला मस्जिद खड़ी कर दी गई। यहां नगर निगम के नोटिस के बाद भी काम नहीं रोका गया। सिर्फ शिमला ही नहीं, बल्कि मंडी सहित पूरे हिमाचल में मुस्लिमों और मस्जिदों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। ऐसा प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश में मुस्लिम समुदाय को बसाने की सोची-समझी साजिश चल रही है। हिमाचल में अचानक बाहर से आए मुसलमानों की बढ़ती संख्या चिंताजनक है क्योंकि इनका आचरण हिमाचली संस्कृति से मेल नहीं खाता है। भारत के किसी भी राज्य में मुस्लिमों की आबादी को नियंत्रित करने के लिए कोई विशिष्ट सरकारी नीति भी नहीं है और किसी भी समुदाय की आबादी में वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए हस्तक्षेप करना अनुचित माना जाता है। ऐसी आशंका है कि भारत के हिंदू बहुल इलाकों में मुस्लिम समुदाय की बढ़ती आबादी से आने वाले वर्षों में वर्ग और धर्म पर आधारित संघर्ष बढ़ेगा जो भारत के विकास और सामाजिक सौहार्द के लिए कतई ठीक नहीं होगा। भारत का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि वह बदलते सामाजिक ढांचे के बीच अपनी एकता, शांति और संवैधानिक मूल्यों को कितनी मजबूती से संभाल पाता है। यही भारत की सबसे बड़ी चुनौती भी है और सबसे बड़ी परीक्षा भी।

वैश्विक स्तर पर मुस्लिम समुदाय की कट्टरवादी सोच, गतिविधियां एवं कृत्य किसी से छिपे हुए नहीं हैं। अभी पिछले दिनों दिल्ली में हुए कार विस्फोट में मुस्लिम समुदाय के शिक्षित लोगों की संलिप्तता ने समाज के अन्य वर्गों के लोगों की चिंताओं में इजाफा ही किया है। धर्म विशेष के मजहबी कट्टरपन ने जहां समुदाय विशेष के लोगों की बुद्धि और विचारधारा को ही बदल दिया है, वहीं इससे धर्म आधारित सामाजिक बिखराव/टकराव बढ़ रहा है। सोशल मीडिया में सुदूर अरुणाचल प्रदेश से आने वाले वीडियो दर्शाते हैं कि वहां अचानक बाहरी राज्यों के मुस्लिम लोगों के आगमन से किस प्रकार से वहां का स्थानीय युवा आंदोलित हो रखा है। इसी बीच एक अच्छी पहल करते हुए उत्तराखंड में ऑपरेशन कालनेमि के तहत देहरादून पुलिस अब तक अवैध रूप से रह रहे 17 बांग्लादेशी नागरिकों पर कार्रवाई कर चुकी है। जिनमें से 8 को जेल भेजा जा चुका है और 9 को डिपोर्ट किया गया है। इसी तरह उत्तरप्रदेश में भी अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों की जांच पड़ताल जारी है।

आप का नजरिया

अब नए पर्यटन की दरकार

बिलासपुर की झील में डूबे एक प्राचीन शहर के मंजर और ऐतिहासिक घुंघरुओं का शोर अंततः अब तैरती किश्तियों में आगे बढने के किनारे खोज रहा है। तीन दिवसीय जल तरंग जोश महोत्सव के बीच वीकेंड डेस्टिनेशन के ख्वाब और पुख्ता सुबूतों के साथ वाटर स्पोट्र्स और पैराग्लाइडिंग की उपस्थिति में झंकृत माहौल। फोरलेन परियोजनाओं की खूबी यह भी कि पर्यटन डेस्टिनेशन के रूप में हिमाचल अपने भीतर एक नए पर्यटन का आगाज कर सकता है। जब बिलासपुर से चंडीगढ़ जैसे शहर की दूरी डेढ़-दो घंटे की हो जाए, तो पर्यटन की संस्कृति में मनोरंजन, साहसिक खेलों और रोमांच की दुनिया का बसेरा भी नजदीक आ जाता है। जो कल तक मनाली-शिमला की राह पर थे, वे आज कसौली और बिलासपुर में रुक रहे हैं। यह दीगर है कि बिलासपुर को अपने भीतर पर्यटन पैकेज को निर्मित करना है। ठीक इसी तरह हिमाचल की तमाम डेस्टिनेशन के मध्य नए पर्यटन की दरकार है। हम डलहौजी-चंबा जाते पर्यटक को पौंग की तरफ मोड़ें या धर्मशाला-मकलोडगंज के रास्तों पर निकले सैलानियों को ऊना में रोकें, तो सप्ताहांत पर्यटन के विषय बदलेंगे। प्रदेश की नई व बड़ी गतिविधियों, मनोरंजन व रोमांच के लिए बाहरी राज्यों से आने वालों को आसान राहें, तब मिलेंगी अगर देहरादून के पास पांवटा साहिब और रेणुका के साथ नाहन को प्रस्तुत किया जाए। मनाली के सफर को मंडी आसान कर दे और कुफरी से आगे निकलने के लिए रामपुर बुशहर को भी लक्ष्य बना दें, तो नए पर्यटन के लिए नए कदम भी बढ़ेंगे। दरअसल हिमाचल आने वालों के लिए केवल अटल टनल ही एक बिंदु न रहे। मनाली, मकलोडगंज और शिमला ही गंतव्य न रहें। हमने ऊना को सिख पर्यटन की दृष्टि से संवारा ही नहीं। ऊना के आसपास जल क्रीड़ाओं को उभारा ही नहीं। न पौंग के रास्तों पर पर्यटन के डग भरे और न ही भाखड़ा बांध की तरफ देखते हुए ऊना की परिधि में रोमांच के कई लम्हे जोड़े गए। पर्यटन को भीड़ बनने से बचाते हुए सुकून का साथी बनाना है, तो प्रदेश में ग्रामीण पर्यटन को तवज्जो देना होगा। हर विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक पर्यटक गांव चिन्हित हो, तो इस क्षेत्र में कई साधुवाद मिलेंगे। एक मॉडल के तहत पर्यटन गांव को विभिन्न विभागों की योजनाओं से पूरा किया जा सकता है। मसलन शाहपुर के धार कंडी क्षेत्र में पर्यटन गांव की रूपरेखा में ट्राउट फिश, प्राकृतिक कृषि उत्पादन, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, ट्रैकिंग तथा विश्रांति भाव लिए होम स्टे को सीमित परिदृश्य में बढ़ावा मिले, तो पर्यटन का उद्देश्य इंगित होगा। कभी किन्नौर की सांगला वैली एग्रो टूरिज्म की महक से आगे बढ़ी, लेकिन इसे महज व्यापार बनाकर हमने मूल आधार खो दिया। अतः पर्यटन की किसी न किसी विशिष्टता के साथ ऐसे गांव विकसित किए जाएं, जहां सैलानी अपनी रुचि अनुसार कहीं वाटर स्पोट्र्स, कहीं दृश्यावलियों, कहीं धार्मिक भावना, कहीं ग्रामीण जीवन, कहीं ट्राइबल जीवन, कहीं पौराणिक परंपराओं, तो कहीं शांत चरागाहों या जंगलों से अटे प्राकृतिक या एग्रो परिदृश्य का संसर्ग ढूंढ पाएं। हर पर्यटन गांव का थीम, तरक्की और विकास योजनाओं का चरित्र पूर्व निर्धारित तथा सामुदायिक जिम्मेदारी से ओतप्रोत रखना होगा, ताकि सैलानी नित नए अनुभव के बीच कुछ समय गुजार दे। इस तरह कई गांव जल शक्ति विभाग की जलापूर्ति या सिंचाई परियोजनाओं-बांधों से जुड़ जाएंगे। वाटर शैड योजनाओं को अगर पर्यटन वाटर शैड योजना बना के देखें, तो आकर्षण बढ़ जाएगा। किसी प्राचीन बावड़ी, किले, मैदान या वास्तुकला को पर्यटन संरक्षण से जोड़ें तो धरोहर गांव निकल आएंगे। प्रदेश विपणन बोर्ड, सार्वजनिक आपूर्ति निगम, मिल्क फेडरेशन, हिम बुनकर तथा खादी बोर्ड अगर अपने-अपने विस्तार में पर्यटकों को जोड़ लें, तो इन्हीं के उत्पादों की प्रस्तुति में हाईवे टूरिज्म के साथ-साथ पर्यटन गांव भी विकसित हो जाएंगे। हर प्रमुख सडक़ पर दस से पंद्रह किलोमीटर की दूरी पर सेल्फी प्वाइंट, पेट्रोल पंप, फूड मार्ट, ऑटोमोबाइल सर्विस स्टेशन, गिफ्ट सेंटर और हाट बाजार बनाकर स्वयं सहायता समूहों, महिला मंडलों तथा सहकारी सभाओं को अवसर दें, तो पर्यटन की लंबी दूरियां आसान पड़ाव में विभक्त हो जाएंगी।

तीन दिवसीय जल तरंग जोश महोत्सव के बीच वीकेंड डेस्टिनेशन के ख्वाब और पुख्ता सुबूतों के साथ वाटर स्पोट्र्स और पैराग्लाइडिंग की उपस्थिति में झंकृत माहौल। फोरलेन परियोजनाओं की खूबी यह भी कि पर्यटन डेस्टिनेशन के रूप में हिमाचल अपने भीतर एक नए पर्यटन का आगाज कर सकता है। जब बिलासपुर से चंडीगढ़ जैसे शहर की दूरी डेढ़-दो घंटे की हो जाए, तो पर्यटन की संस्कृति में मनोरंजन, साहसिक खेलों और रोमांच की दुनिया का बसेरा भी नजदीक आ जाता है। जो कल तक मनाली-शिमला की राह पर थे, वे आज कसौली और बिलासपुर में रुक रहे हैं। यह दीगर है कि बिलासपुर को अपने भीतर पर्यटन पैकेज को निर्मित करना है। ठीक इसी तरह हिमाचल की तमाम डेस्टिनेशन के मध्य नए पर्यटन की दरकार है। हम डलहौजी-चंबा जाते पर्यटक को पौंग की तरफ मोड़ें या धर्मशाला-मकलोडगंज के रास्तों पर निकले सैलानियों को ऊना में रोकें, तो सप्ताहांत पर्यटन के विषय बदलेंगे। प्रदेश की नई व बड़ी गतिविधियों, मनोरंजन व रोमांच के लिए बाहरी राज्यों से आने वालों को आसान राहें, तब मिलेंगी अगर देहरादून के पास पांवटा साहिब और रेणुका के साथ नाहन को प्रस्तुत किया जाए।

कुछ अलग

हवा में उछलते नारे...

भई जन्म दिवस तो बड़े आदमियों का मनाया जाता है। यह आपने क्या रोग पाल लिया? भला हो उन फेसबुक और इंटरनेट वालों का, यह किस भलेमानस को सूझी कि उसने फेसबुक पर हमारे पैदा होने की तारीख डाल दी। इस भीड़ भरे देश में जहां कि अनाज से अधिक बच्चों की पैदावार हो जाती है। पिछली सदी में लगाए गए परिवार नियोजन के नारों की तरक्की के बावजूद आज भी इस नई सदी में इसकी संख्या देश के लिए उतना ही बड़ा संकट है। अर्थशास्त्री जनाब मालथस साहिब कितना कहते रहे कि भई परिवार नियोजन कर लो, नहीं तो अगर यूं ही जनसंख्या वृद्धि करने से बाज न आए तो जहां तुम्हारा अन्न उत्पादन दो से चार से छह की गति से बढ़ेगा वहां तुम्हारे यहां बच्चों की पैदायश दो से चार, चार से सोलह की गति से बढ़ती नजर आएगी। परिवार नियोजन नहीं किया तो कुदरती प्रतिबंध, अकाल, सूखा, भूकम्प, महामारी के लिए तैयार हो जाओ, क्योंकि कुदरत को तो रोटी और खाने वालों की संख्या में कोई न कोई संतुलन पैदा करके रखना ही है।

दृष्टि कोण

मुस्लिम वोट के लिए ममता का एसआईआर पर विरोध

बिहार में राजद—कांग्रेस विपक्षी महागठबंधन की करारी शिकस्त के बाद पश्चिमी बंगाल में वर्ष 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए चौसर बिछ गई है। इस चौसर पर तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो और पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कोई भी दाव हाथ से नहीं देना चाहती हैं। यही वजह है कि ममता बनर्जी एसआइआर का जम कर विरोध कर रही है। इस विरोध की जड़ में छिपा हुआ है ममता का मुस्लिम वोट बैंक प्रेम। ममता एक तरफ अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्या शरणार्थियों को बसाने का पुरजोर समर्थन करती रही हैं। ममता का प्रयास है कि भाजपा उत्तर भारत के राज्यों की तरह पश्चिम बंगाल में वोटों का ध्रवीकरण नहीं कर पाए। इसलिए ममता मुस्लिम वोट बैंक के खिसके बगैर हिन्दू वोट बैंक को भी साधने की फिराक में है। पश्चिम बंगाल के 294 सीट के लिए मार्च-अप्रैल 2026 को विधानसभा चुनाव होना है। यह चुनाव राजनीतिक दृष्टिकोण से बेहद अहम माना जा रहा है। इस चुनाव को राज्य की सत्ता पर दोबारा कब्जा जमाने की कोशिश कर रही सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और विपक्षी दलों के लिए एक निर्णायक युद्ध के रूप में देखा जा रहा है। मौजूदा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी जहां लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है, वहीं भाजपा, वाम दल और कांग्रेस भी नए गठबंधनों और रणनीतियों के साथ मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे हैं। यही वजह है कि ममता एसआइआर को विरोध का राजनीतिक हथियार बना लिया है। पश्चिम बंगाल समेत देश के 12 राज्यों में जब से वोटर लिस्ट के एसआईआर करने की प्रक्रिया शुरू हुई है। इसके बाद से पश्चिम बंगाल से अवैध रूप से बॉर्डर पार कर बांग्लादेश जाने वाले लोगों की तादाद बढ़ गई है। दोनों देशों में अवैध रूप से सीमापार करके आने-जाने का यह सिलसिला पहले घुसपैठियों के अलावा अधिकतर तस्करों के बीच होता था। लेकिन अब जिस तरह से भारत से बांग्लादेश जाने वालों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। इसे

घुसपैठियों का बांग्लादेश वापस लौटना माना जा रहा है। पिछले कुछ दिनों से पश्चिम बंगाल से लगते भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर हलचल तेज है। इसमें कुछ लोग पश्चिम बंगाल से बांग्लादेश जाने की कोशिश कर रहे हैं। जिसमें कुछ कामयाब भी हो रहे हैं। हालांकि, बॉर्डर पर चौकस बीएसएफ को देखकर ऐसे लोग जंगलों में भाग जाते हैं। लेकिन बीएसएफ की नजर में ऐसे कुछ मामले आ रहे हैं। जिनमें पश्चिम बंगाल में एसआईआर शुरू होने के बाद बांग्लादेश की तरफ जाने वालों की संख्या में बढ़ोतरी देखी जा रही है। बिहार के बाद चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल समेत देश के 12 राज्यों में एसआईआर शुरू करने की प्रक्रिया चार नवंबर से शुरू की थी। चार दिसंबर तक वोटरों को एनुमरेशन फार्म बांटे जाने और वापस लिए जाने हैं। आयोग का कहना है कि अभी तक पश्चिम बंगाल के कुल सात करोड़ 66 लाख से अधिक मतदाताओं में से सात करोड़ 63 लाख से अधिक वोटरों को एनुमरेशन फार्म बांटे जा चुके हैं। यह काम 99 फीसदी पूरा कर लिया गया है। अब भरे गए फार्म इकट्ठा करना शुरू किया जाएगा। तृणमूल कांग्रेस पश्चिम बंगाल में भारतीय चुनाव आयोग के स्पेशल इंवेस्टिगेटिव रिवीजन का लगातार विरोध कर रही है। इसी कड़ी में राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नॉर्थ 24 परगना जिले के बनगांव में एसआईआर विरोधी रैली को संबोधित करेंगी। ममता बनर्जी रैली के बाद बनगांव में एक विरोध मार्च में भी हिस्सा लेंगी। ये दूसरी एसआईआर विरोधी रैली और विरोध मार्च होगा जिसका नेतृत्व ममता करेंगी। पहली रैली 4 नवंबर को कोलकाता में हुई थी।

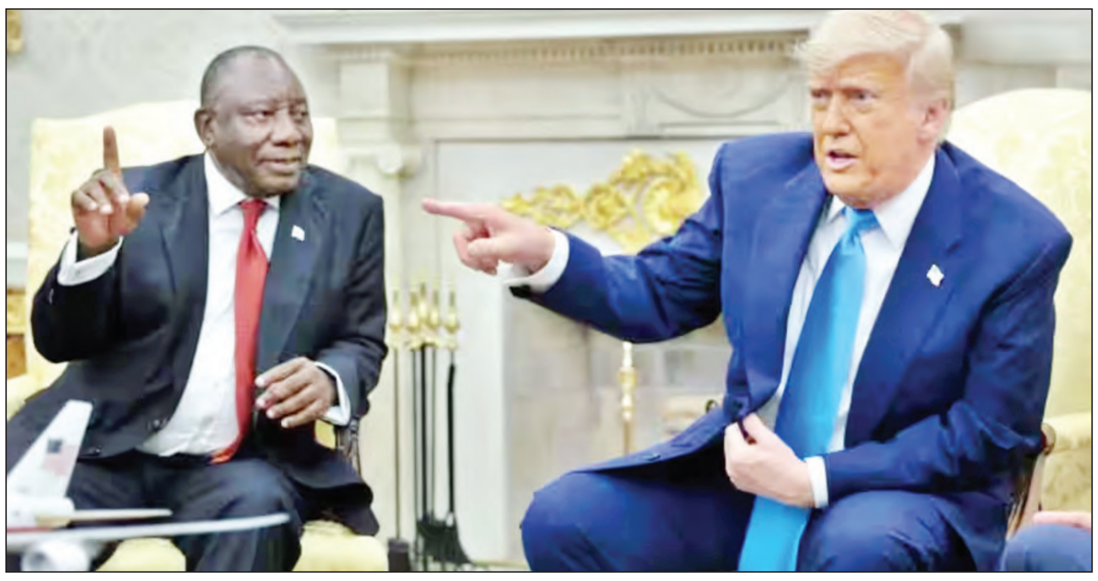

अमेरिका अगले वर्ष जी-20 सम्मेलन में दक्षिण अफ्रीका को नहीं लेने देगा हिस्सा

वाशिंगटन, 27 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को बड़ी घोषणा की । उन्होंने कहा कि अमेरिका अगले साल मियामी में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन दक्षिण अफ्रीका को शामिल होने की इजाजत नहीं देगा। राष्ट्रपति ने साथ ही दक्षिण अफ्रीका को दी जाने वाली सब्सिडी और सभी सरकारी भुगतान रोकने का भी आदेश दिया। ट्रंप इस समय श्वेत किसानों के कथित उत्पीड़न को लेकर दक्षिण अफ्रीका पर हमलावर हैं। ट्रंप ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका में हुए जी20 शिखर सम्मेलन का भी बहिष्कार किया था। अब उन्होंने अगले वर्ष के जी-20 शिखर सम्मेलन से दक्षिण अफ्रीका को बाहर करने का एलान कर दिया है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर कहा कि दक्षिण अफ्रीका को 2026 के जी-20 सम्मेलन का निमंत्रण नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि हाल ही में सम्पन्न दक्षिण अफ्रीका के जी-20 शिखर सम्मेलन में अमेरिकी सरकार के प्रतिनिधि के साथ किए गए खराब व्यवहार के कारण दक्षिण अफ्रीका को दी जाने वाली सब्सिडी रोकी जा रही है। सनद रहे उनके श्वेत किसानों के साथ हिंसा के आरोपों को दक्षिण अफ्रीका निराधार बताकर खारिज कर चुका है। राष्ट्रपति ने ट्रुथ सोशल पोस्ट में कहा कि दक्षिण अफ्रीका ने सप्ताहांत में शिखर सम्मेलन समाप्त होने पर अपनी जी-20 मेजबानी की जिम्मेदारी अमेरिकी दूतावास के एक वरिष्ठ प्रतिनिधि को सौंपने से इनकार कर दिया था। ट्रंप ने लिखा, 'इसलिए, मेरे निर्देश पर दक्षिण अफ्रीका को 2026 जी-20 का निमंत्रण नहीं मिलेगा, जिसका आयोजन अगले वर्ष फ्लोरिडा के मियामी शहर में किया जाएगा। ' उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका ने दुनिया को दिखा दिया है कि वह किसी भी संगठन की सदस्यता के लायक नहीं है और हम उन्हें दिए जाने वाले सभी भुगतान और सब्सिडी तुरंत प्रभाव से बंद करने जा रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

ढाका की कोरेल झुग्गी-बस्ती में भीषण आग, 1,500 झोपड़ियाँ स्वाहा हजारों लोग बेघर

ढाका । बांग्लादेश की राजधानी ढाका के भीड़भाड़ वाले कोरेल स्लम में लगी भीषण आग ने करीब 1,500 झोपड़ियों को पूरी तरह या आंशिक रूप से नष्ट कर दिया। इस हादसे से हजारों निवासी बेघर हो गए, हालांकि राहत की बात यह है कि अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार आग पर काबू पाने में पूरे 16 घंटे लग गए। फायर सर्विस के ड्यूटी अधिकारी राशिद बिन खालिद ने बताया कि आग बहुत तेजी से फैली और इसे पूरी तरह बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। दमकल सेवा के निदेशक लेफ्टिनेंट कर्नल मोहम्मद ताजुल इस्लाम चौधरी ने कहा कि लगभग 1,500 झोपड़ियाँ या तो जलकर राख हो गईं या बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं, जिससे बड़ी संख्या में लोग सड़क पर आ गए। 160 एकड़ में फैली कोरेल बस्ती ढाका के हाई-प्रोफाइल गुलशन और बनानी इलाकों के ठीक बीच बसी है और इसके चारों तरफ ऊँची-ऊँची इमारतें हैं। यहाँ लगभग 60,000 परिवार रहते हैं, जिनमें जलवायु परिवर्तन की मार झेलकर आए कई शरणार्थी भी शामिल हैं। आग लगते ही इलाके में घना धुआँ फैल गया और रात भर लोग अपनी झोपड़ियाँ जलते देखते रहे। सुबह होते-होते कई लोग मलबे से अपना बचा-खुचा सामान निकालते नजर आए। दमकलकर्मियों का कहना है कि बस्ती की बेहद संकरी गलियाँ आग बुझाने में सबसे बड़ी रुकावट बनीं, जिससे गाड़ियाँ और उपकरण अंदर तक पहुँचने में देरी हुई। ढाका, जिसकी आबादी 2024 तक करीब 1.02 करोड़ हो चुकी है, में सैकड़ों ऐसी झुग्गी-बस्तियाँ हैं। गाँवों से गरीबी, बेरोजगारी और जलवायु परिवर्तन की वजह से आए लोग यहीं बसते हैं और रिक्शा चलाना, घरेलू काम या सफाई जैसे दिहाड़ी मजदूरी से जीवन चलाते हैं। कोरेल जैसी बस्तियाँ इनके लिए आखिरी सहारा होती हैं, लेकिन बार-बार लगने वाली आग उन्हें फिर से खाली हाथ छोड़ देती है।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर ने चीन के साथ बनाए थे औपचारिक संबंध

वाशिंगटन। 1 जनवरी 1979 अमेरिका-चीन रिश्तों के इतिहास में ये साल काफी अहम माना जाता है।

ये वही साल था, जब तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर ने चीन के साथ औपचारिक संबंध स्थापित किए थे। ये एक ऐतिहासिक मोड़ था, क्योंकि अमेरिका ने बीजिंग को चीन का वैध प्रतिनिधि माना था। इसके साथ ही ताइवान के साथ औपचारिक कूटनीतिक रिश्ते खत्म कर दिए थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने इस रणनीति के तहत सोवियत संघ के प्रभाव को संतुलित करने की नीति अपनाई। इस बदलाव ने दोनों पक्षों के बीच व्यापार, वैज्ञानिक-सांस्कृतिक सहयोग और रणनीतिक समन्वय के रास्ते खोल दिए या यूं कहें कि दोनों देशों के बीच औपचारिशत रिश्तों की शुरुआत हो गई। 45 साल के बाद एक बार फिर पिछले चार सालों में अमेरिका-ताइवान और अमेरिका-चीन नीतियों में तेजी से उतार-चढ़ाव दिखा है। डोनाल्ड ट्रंप के पहले राष्ट्रपति कार्यकाल में ही अमेरिका ने ताइवान को बहुआयामी सैन्य और सुरक्षा समर्थन बढ़ाकर संबंधों को मजबूत किया। ताइवान को हथियार बेचे और उच्च स्तरीय संपर्क भी बढ़ गया। यह नीति कार्टर की नीति से अलग एक अधिक निर्णायक और अलग किस्म की नीति थी। लगा कि ट्रंप ताइवान को समर्थन दे रहे हैं, लेकिन इस वक्त तस्वीर कुछ अलग ही नजर आ रही है।

पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति बदहाल होने का कारण वहां की आंतरिक विफलताएं

वाशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने एक रिपोर्ट में बताया कि पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति की वजह से कई आंतरिक विफलताएं हैं। इसमें बाहरी दबाव का कोई योगदान नहीं है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान ऑब्जर्वर की वेबसाइट पर दी गई जानकारी में बताया गया है कि भ्रष्टाचार, कमजोर संस्थाएं और स्थानीय स्तर पर शक्तिशाली लोगों के स्वार्थ ने देश को आर्थिक बदहाली में धकेल दिया है। आईएमएफ के मुताबिक पाकिस्तान में भ्रष्टाचार शासन के करीब हर स्तर को प्रभावित करता है। नीति-निर्माण अकसर प्रभावशाली समूहों द्वारा नियंत्रित होता है जो सरकारी संस्थाओं का इस्तेमाल निजी लाभ के लिए करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान में भ्रष्टाचार को मापने का कोई सही सिस्टम नहीं है। वहां के नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो ने बीते दो सालों में 5,300 अरब रुपए की रिकवरी की है। आईएमएफ का कहना है कि यह आंकड़ा असली से काफी छोटा है।

हांगकांग की 8 आवासीय इमारतों में लगी आग में अब तक 44 की मौत, बचाव अभियान जारी

हांगकांग, 27 नवंबर (एजेंसियां)।

दुनिया में अपनी निराली चमक और दमक के लिए विख्यात हांगकांग अपने इतिहास की भयावह आग से जूझ रहा है। कल आठ बहुमंजिला आवासीय इमारतों (टॉवर्स) में लगी आग में 44 लोगों की जान चली गई। इनमें से चार की आग बुझाई जा चुकी है। तीन इमारतों में दमकल विभाग के कर्मचारी अभी भी कड़ी मशक्कत कर रहे हैं। एक टॉवर को सुरक्षित बताया जा रहा है। आग की लपटों से घिरे यह सभी टॉवर 'ताई पो के वांग फुक कोर्ट' क्षेत्र में हैं।

हांगकांग के सबसे ज्यादा पढ़े-जाने वाले अंग्रेजी दैनिक द स्टैंडर्ड ने इस त्रासदी के हर पहलू पर अपनी वेबसाइट के सुबह स्थानीय समयानुसार 06:50 बजे के डिस्पैच में लिखा कि 'ताई पो के वांग फुक कोर्ट' में आग से मरने वालों की संख्या 44 हुई। यह घोषणा स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग ने की। सनद रहे भारत और हांगकांग के समय में ढाई घंटे का अंतर है। इसे इस तरह समझें जब भारत में सुबह के छह बजते हैं तो वहां की घड़ी साढ़े आठ बजा रही होती है।

द स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस और दमकल विभाग के अधिकारियों ने पूरा ब्यौरा देते हुए कहा कि इस संबंध में भवन निर्माण कंपनी के तीन अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। दमकल विभाग के उप निदेशक चान हिंग-युंग ने पत्रकारों को बताया कि बचाव अभियान जारी है। आठ प्रभावित इमारतों में से एक को अभी भी कोई नुकसान नहीं हुआ है। चार की आग बुझाई जा चुकी है। तीन पर अभी भी काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि दमकल कर्मचारियों के बीच छत पर पहुंचने की उम्मीद है।

दमकल विभाग ने पुष्टि की है कि बचाव टीमों ने रातभर 13वीं और तीसरी मंजिल के बीच काम किया। सबसे ज्यादा प्रभावित मंजिलों में 5वीं से 18वीं हैं। एंबुलेस सेवा (न्यू टेरिटरीज़ ईस्ट) के अधिकारी चाउ विंग-यिन ने कहा कि लगभग 100 लोगों को किसी तरह बचाकर नीचे लाया गया। इनमें से 40 की मौके पर ही मौत हो गई और चार अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। दमकल विभाग के सात जवान भी आग बुझाते समय झुलस गए।

न्यू टेरिटरीज नॉर्थ रीजनल अपराध मुख्यालय के अधीक्षक चुंग लाई-यी ने कहा कि पुलिस ने जांच अपने हाथ में ले ली है। इस संबंध में निर्माण कंपनी के तीन तीन अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें दो निदेशक और एक सलाहकार अभियंता है। न्यू टेरिटरीज के सभी अस्पतालों को सतर्क कर दिया गया है। हांगकांग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉन ली का-चिऊ आधीरात बाद 01:26 बजे कहा कि सरकार सभी बचाव और राहत कार्यों में मदद कर रही है। उन्होंने कहा, 'सबसे पहली प्राथमिकता आग बुझाना, फंसे हुए लोगों को बचाना, घायलों का इलाज करना और आगे के इंतजामों के लिए मदद देना है।' ली ने आगे कहा कि आग बुझने के बाद पूरी जांच की जाएगी। दमकल विभाग ने भी एक विशेष जांच टास्क फोर्स बनाई है। रात डेढ़ बजे स्वास्थ्य सचिव लो चुंग-माऊ ने बताया कि लपटों में घिरे कुछ लोगों की मौत दम घुटने से भी हुई है।

इसी दौरान रक्षा सचिव क्रिस टैंग पिंग-क्यूंग ने कहा कि इस त्रासदी की जांच की दिशा आपराधिक कृत्य के साथ शुरू होगी। रात साढ़े तीन बजे बताया गया कि पीड़ितों को सांस लेने में काफी दिक्कत हुई है। 29 पीड़ित अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें सात की हालत गंभीर है। बताया गया कि तीन बजे तक अस्पताल पहुंचाए गए लोगों की संख्या 48 हो गई। इनमें चार की मौत हो गई। पुलिस ने सुबह चार बजे घोषणा की कि गैर-इरादतन हत्या के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया

वाशिंगटन में व्हाइट हाउस के पास नेशनल गार्ड के दो जवानों को गोली मारी गई, संदिग्ध हिरासत में

वाशिंगटन, 27 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में बुधवार दोपहर नेशनल गार्ड के दो जवानों को गोली मार दी गई। संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है। उसकी पहचान 29 वर्षीय अफगान नागरिक के तौर पर हुई है। यह घटना 17वीं स्ट्रीट और एच स्ट्रीट के पास हुई। घटनास्थल व्हाइट हाउस से मात्र दो ब्लॉक दूर है।

रिपोर्ट के अनुसार, यह हमला घात लगाकर किया गया। घायल जवान वेस्ट वर्जीनिया नेशनल गार्ड के हैं। एफबीआई के निदेशक काश पटेल ने कहा कि दोनों की हालत गंभीर है। इससे पहले, वेस्ट वर्जीनिया के गवर्नर पैट्रिक मॉरिसी ने कहा था कि दोनों की मौत हो गई है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस डिपार्टमेंट ने कहा कि संदिग्ध की पहचान रहमानुल्लाह लकनवाल के तौर पर हुई है। वह अफगान नागरिक है और 2021 में अमेरिका में आया था।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि जिस व्यक्ति ने नेशनल गार्ड सैनिकों को गोली मारी है,उसे इसकी भारी कीमत चुकानी होगी। इस घटना के बाद युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने कहा कि राष्ट्रपति ने राजधानी में 500 अतिरिक्त नेशनल गार्ड जवान तैनात करने का फैसला किया है। घटना के समय राष्ट्रपति ट्रंप वेस्ट पाम बीच स्थित अपने गोल्फ कोर्स पर थे। व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट ने बताया व्हाइट हाउस इस दुखद घटना पर नजर रखे हुए है।

सनद रहे, राजधानी में कई माह पहले हजारों नेशनल गार्ड जवानों को तैनात किया गया है। अगस्त में राष्ट्रपति की आपातकालीन घोषणा के बाद स्थानीय पुलिस को संघीय नियंत्रण में लाया गया। आठ राज्यों से नेशनल गार्ड सैनिक बुलाए गए ।

नासा के टेलीस्कोप ने कैद की दुर्लभ और रहस्यमयी तस्वीर

वॉशिंगटन । अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा के जेम्स वेब टेलीस्कोप (जेडब्ल्यूएसटी) ने ब्रह्मांड की एक बेहद दुर्लभ और रहस्यमयी तस्वीर कैद किया है। नासा ने इस सिस्टम को 'अपेप' नाम दिया गया है। तस्वीर में यह सिस्टम सचमुच एक ब्रह्मांडीय तूफ़ान या भ्रूण जैसा दिखाई देता है। इसके चारों ओर घूमती धूल की सर्पिल संरचनाएं इसकी रहस्यमयता को और बढ़ा देती हैं। इस सिस्टम में कुल तीन तारे मौजूद हैं, जिनमें से दो अत्यंत दुर्लभ और शक्तिशाली वुल्फ-रायेट तारे हैं। ये तारे अत्यधिक गर्म, विशाल और बेहद अस्थिर होते हैं। इनमें से निकलने वाली प्रचंड हवाएं हीलियम, नाइट्रोजन और कार्बन से भरा भारी मैटर अंतरिक्ष में छोड़ती रहती हैं। मिल्की वे गैलेक्सी में अरबों तारों के बीच केवल लगभग 1,000 वुल्फ-रायेट तारे ही ज्ञात हैं, इसलिए अपेप का यह संयोजन अत्यंत अनोखा है। इन तारों से निकलने वाली तेज हवाएं मिलकर एक नेबुला बनाती हैं। आमतौर पर जब कोई वुल्फ-रायेट तारा किसी दूसरे तारे के साथ होता है, तो उनकी गुरुत्व शक्ति नेबुला का आकार प्रभावित करती है, लेकिन अपेप सिस्टम में यह स्थिति और जटिल है क्योंकि यहां दो वुल्फ-रायेट तारे हैं। ये दोनों तारे एक-दूसरे की परिक्रमा करते हैं और उनकी कक्षा 190 साल की है, जो इस तरह के तारों में अत्यंत दुर्लभ मानी जाती है।

ट्रंप की प्रेस सचिव लेविट की रिश्तेदार पर ऐक्शन, इमिग्रेशन एजेंटों ने हिरासत में लिया

वाशिंगटन, 27 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी करोलिन लेविट के परिवार से जुड़े एक मामले ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की सख्त आव्रजन नीतियों पर नई बहस छेड़ दी है। ब्राजील मूल की 33 वर्षीय ब्रूना कैरोलिन फरेइरा को 12 नवंबर को बोस्टन के पास रेवियर, मैसाचुसेट्स में यूएस इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट ने हिरासत में ले लिया। फरेइरा, जो लेविट के भाई माइकल की पूर्व मंगेतर हैं, अब लुइसियाना के एक केंद्र में बंद हैं और निर्वासन की प्रक्रिया का सामना कर रही हैं। उनके वकील टॉड पोमेरलो ने बताया कि यह गिरफ्तारी तब हुई जब वह अपने 11 वर्षीय बेटे को स्कूल से लेने जा रही थीं।

फरेइरा को 1998 में बचपन में ही अपने माता-पिता के साथ ब्राजील से अमेरिका लाया गया था। डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी के प्रवक्ता ने कहा कि उन्होंने 1999 में टूरिस्ट वीजा की अवधि (जून 1999) ओवरस्टे कर ली थी। इसके अलावा, उन पर बैटरी (हमला) का एक पुराना केस दर्ज है, जिसे डीएचएस ने क्रिमिनल इल्लीगल एलियन का आधार बनाया। हालांकि, वकील पोमेरलो ने इन आरोपों का खंडन किया और कहा कि फरेइरा का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। वह डीएसीए (डिफर्ड एक्शन फॉर चाइल्डहुड अराइवल्स) के तहत निर्वासन से अस्थायी सुरक्षा प्राप्त कर रही थीं, जो 2012 में शुरू हुई ओबामा युग की नीति है। यह कार्यक्रम बचपन में अमेरिका लाए गए अवैध अप्रवासियों को दो साल की सुरक्षा और वर्क परमिट देता है, जिसे रिन्यू किया जा सकता है।

पोमेरलो के अनुसार, ट्रंप प्रशासन की डीएसीए समाप्त करने की कोशिशों के कारण फरेइरा का नवीनीकरण रुक गया। वह ग्रीन कार्ड के लिए अंतिम साक्षात्कार की तैयारी कर रही थीं, जो वसंत में होना था। फरेइरा और माइकल लेविट की सगाई करीब 12 साल पहले टूट गई थी। उनका बेटा न्यू हैम्पशायर में पिता के साथ रहता है, लेकिन मां से संपर्क बनाए रखता था। माइकल ने बताया, यह स्थिति बेहद कठिन है। मेरा फोकस सिर्फ बेटे की भलाई पर है। गिरफ्तारी के बाद बेटा मां से बात नहीं कर पाया है। एक स्रोत ने पुष्टि की कि करोलिन लेविट और फरेइरा कई वर्षों से संपर्क में नहीं हैं।

फरेइरा की बहन ग्राजिएला डॉस सैंटोस रोड्रीगेज ने कानूनी सहायता के लिए अभियान शुरू किया, जिससे बुधवार सुबह तक 17,000 डॉलर से अधिक जमा हो चुके हैं। अभियान में लिखा है, ब्रूना ने अमेरिका में ईमानदार जीवन बनाया। वह मेहनती और दयालु है, हमेशा दूसरों की मदद करती है। रोड्रीगेज ने कहा कि गिरफ्तारी के दौरान फरेइरा ने अधिकारियों को बताया था कि उनके बेटे की चाची व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी हैं।

सहायक सचिव ट्रिशा मैकलॉफलिन ने दोहराया कि डीएसीए स्थायी सुरक्षा नहीं देती, बल्कि अस्थायी राहत है। ट्रंप-नोएम प्रशासन के तहत सभी अवैध प्रवासियों पर निर्वासन कार्रवाई हो रही है। ट्रंप के सख्त इमिग्रेशन क्रैकडाउन के तहत अब तक 60,000 से अधिक लोग हिरासत में हैं, जिससे सुविधाओं में ओवरक्राउडिंग हो गई है। यह मामला डीएसीए के भविष्य और परिवारों पर नीतियों के असर को उजागर कर रहा है, खासकर जब यह व्हाइट हाउस के करीबी परिवार को छू गया। वकील पोमेरलो ने कहा कि लेविट से संबंध सिर्फ संयोग है, लेकिन यह बहस को और तेज कर सकता है।

ईयू प्रमुख का वादा – यूक्रेन के साथ हर कदम तक खड़े रहेंगे जब तक न आए स्थायी शांति

स्ट्रासबर्ग (फ्रांस), 27 नवंबर (एजेंसियां)।

यूरोपीय संघ (ईयू) की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने घोषणा की है कि यूरोप यूक्रेन को 'हर कदम पर' समर्थन देगा और रूस पर दबाव बनाए रखेगा, जब तक कि एक 'न्यायपूर्ण और स्थायी शांति' स्थापित नहीं हो जाती। उन्होंने अमेरिका की ओर से पेश किए गए संशोधित शांति प्रस्ताव को युद्ध समाप्ति की दिशा में 'एक शुरुआती बिंदु' बताया। ईयू संसद को संबोधित करते हुए वॉन डेर लेयेन ने कहा, 'मैं शुरुआत से स्पष्ट करना चाहती हूं—यूरोप यूक्रेन के साथ खड़ा रहेगा और पूरी तरह समर्थन करेगा।'

अमेरिका द्वारा रूस की शर्तों के अधिक नजदीक माने जा रहे एक प्रस्ताव पेश किए जाने के बाद यूरोप यूक्रेन को मज़बूत समर्थन देने और कूटनीतिक प्रभाव बनाए रखने में जुटा है। ईयू प्रमुख ने बताया कि अमेरिका के प्रस्ताव में सुधार के लिए चल रही बातचीत संभावित समझौते की दिशा में आधार तैयार कर रही है, लेकिन यह भी चेतावनी दी कि रूस अभी भी युद्ध खत्म करने की वास्तविक इच्छा नहीं दिखा रहा।

उन्होंने कहा, 'हाँ, स्थिति अस्थिर है। हां, हालात खतरनाक हैं। लेकिन मुझे लगता है कि यहां महत्वपूर्ण प्रगति की संभावना भी मौजूद है।'

इस बीच रूस की जमी हुई संपत्तियों का उपयोग कर 140 अरब यूरो के कर्ज़ पैकेज का मसौदा तैयार कर रहा है, ताकि यूक्रेन की अर्थव्यवस्था को संभाला जा सके। लेकिन बेल्जियम—जहां अधिकांश संपत्तियां रखी गई हैं—इस योजना पर हिचकिचाहट दिखा रहा है, जिसके कारण प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ पा रहा।

वॉन डेर लेयेन ने कहा, 'स्पष्ट रूप से कहना चाहती हूं—ऐसा कोई परिदृश्य नहीं है जिसमें केवल यूरोपीय करदाताओं पर पूरा बोझ डाला जाए।'

उम्मीद है कि दिसंबर में होने वाले शिखर सम्मेलन में सदस्य देश इस कर्ज़ योजना को मंजूरी दे देंगे। अमेरिका की सक्रिय कूटनीति के बीच के विदेश मंत्रियों ने भी यूक्रेन पर अपनी रणनीति तय करने के लिए आपात बैठक की। की विदेश नीति प्रमुख काया कल्लास ने कहा कि रूस को वास्तविक बातचीत की स्थिति में लाने के लिए यूक्रेन को समर्थन और मजबूत करना जरूरी है। कल्लास ने कहा, 'हमें उस स्थिति तक पहुंचना है जहां रूस बातचीत का नाटक करने के बजाय वास्तव में बातचीत करने के लिए मजबूर हो।' उन्होंने जमी हुई रूसी संपत्तियों को यूक्रेन के लिए उपयोग करने की मंजूरी 'तेजी से' देने की जरूरत बताई। 'यह मॉस्को को सबसे मजबूत संदेश देगा कि वह हमें थका नहीं सकता,' उन्होंने कहा। कल्लास ने यह भी कहा कि किसी भी समझौते में यूक्रेन की सेना पर प्रतिबंध लगाने की बात उचित नहीं होगी, क्योंकि रूस ही आक्रामक पक्ष है। 'ध्यान इस बात पर होना चाहिए कि रूस क्या प्रतिबंध और रियायतें देने को तैयार है, ताकि वह आगे आक्रमण न कर सके,' उन्होंने जोड़ा।

चैंपियंस लीग : एमबाप्पे के चार गोल की बदौलत ग्रीस में पहली बार जीता रियल मैड्रिड

एथेंस, 27 नवंबर (एजेंसियां) ।
रियल मैड्रिड के स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे ने चार गोल दागकर अपनी टीम को चैंपियंस लीग में ओलिम्पियाकोस के खिलाफ बुधवार (भारतीय समयानुसार गुरुवार) को 4-3 की रोमांचक जीत दिलाई। इस जीत के साथ रियल ने ग्रीस में ओलिम्पियाकोस को उसके घर पर पहली बार हराने का इतिहास भी रचा। एमबाप्पे ने पहले हाफ में मात्र 6 मिनट 42 सेकंड के अंदर चैंपियंस लीग इतिहास की दूसरी सबसे तेज हैट्रिक पूरी की। हालांकि मैच रियल के लिए आसान नहीं था, लेकिन इस जीत से टीम ने सभी प्रतियोगिताओं में तीन मैचों से जारी जीत का सूखा तोड़ दिया।

रियल मैड्रिड अब 12 अंकों के साथ स्टैंडिंग में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है, जबकि शीर्ष आठ टीमें नॉकआउट चरण में स्वत: क्वालीफाई करेंगी। ओलिम्पियाकोस दो अंकों के साथ 33वें स्थान पर खिसक गया।

कोच ज़ाबी अलोंसो ने जीत को टीम के आत्मविश्वास के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, 'सबसे जरूरी था जीतना, इस चक्र को तोड़ना। हमने धैर्य के साथ खेला और मैच को पलट दिया। ग्रीस में पहली बार जीतना खास है।'

एमबाप्पे की तारीफ करते हुए अलोंसो ने कहा, 'वह बहुत महत्वपूर्ण हैं। सिर्फ गोल नहीं, उनकी व्यक्तित्व, टीमवर्क—सबकुछ शानदार है।' मैच में ओलिम्पियाकोस ने आठवें मिनट में चीक्विन्हो के गोल से बढ़त बनाई। 22वें मिनट में विनीसियस जूनियर के पास पर एमबाप्पे ने गोल कर अपनी टीम को बराबरी कराई। दो मिनट बाद अरदा गुलर के क्रॉस पर हेडर लगाकर एमबाप्पे ने बढ़त दिलाई। कुछ सेकंड बाद ही एक और क्लिनिकल फिनिश से एमबाप्पे हैट्रिक पूरी कर चुके थे।

पहले हाफ में रियल का दबदबा रहा और टचुआमेनी का शॉट पोस्ट से टकराया। दूसरे हाफ में 52वें मिनट में मेहदी तरेमी ने हेडर से गोल कर स्कोर 3-2 किया।

60वें मिनट में एमबाप्पे ने विनीसियस के एक और पास पर चौथा गोल दागा, लेकिन ओलिम्पियाकोस ने लड़ाई जारी रखी। 81वें मिनट में अयूब एल काबी ने गोल कर मैच को फिर रोमांचक बना दिया। आखिरी मिनटों में ओलिम्पियाकोस ने भारी दबाव बनाया, लेकिन बराबरी का गोल नहीं कर सका। रियल मैड्रिड ने आखिरकार 4-3 से रोमांचक जीत दर्ज करते हुए इतिहास रच दिया।

न्यूज ब्रीफ

अश्विन बोले, हार के लिए गंभीर जिम्मेदार नहीं, कोच बल्ला उठाकर मैदान में नहीं जा सकता

चेन्नई। पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम की 2-0 से हार को निराशाजनक बताया पर कहा कि इसके लिए केवल मुख्य कोच गौतम गंभीर को ही दोषी नहीं ठहराया जा सकता है। अश्विन ने गंभीर का समर्थन करते हुए कहा है कि खिलाड़ियों को जो जिम्मेदारी मिली थी उसे वे निभा नहीं पाये। ऐसे में आलोचक कोच को हार का दोषी ठहरा रहे हैं। अश्विन ने ये भी कहा कि गंभीर ने भी गलतियां की हैं पर यहां बात जिम्मेदारी लेने की आती है। गुवाहटी टेस्ट में भारतीय टीम की हार के बाद से ही से सोशल मीडिया में लोगों ने गंभीर के खिलाफ कमेंट करते हुए कहा है कि उन्हें कोच पद से हटा दिया जाना चाहिये। इसी को लेकर। अश्विन ने कहा है कि ड्रेसिंग रूम में लिए जाने वाले फैसलों में कोच की अहम भूमिका होती है पर उन्हें अमल में लाने का काम खिलाड़ियों का होता है और इसमें वे असफल रहे। इस पूर्व स्पिनर ने कहा, हम जिम्मेदारी चाहते हैं। यह आसान है, क्योंकि भारतीय क्रिकेट में, आप जानते हैं और मैं भी जानता हूं। इसमें बहुत कुछ मिलता है और बहुत सारा पैसा भी शामिल है। बहुत से लोग यह काम करने के लिए तैयार हैं और हमेशा ऐसे लोग होंगे जो इसमें अपनी भूमिका निभाएंगे पर सच तो यह है कि एक कोच बल्ला उठाकर मैदान में खेलने नहीं जा सकता। वह केवल अपना काम कर सकता है, खिलाड़ियों से बात कर सकता है। गंभीर की कोचिंग में खेलने वाले अश्विन ने साथ ही कहा, एक कोच क्या कर सकता है मैं आपसे एक आसान सवाल पूछ रहा हूं।

केआईयूजी 2025 : साक्षी पाडेकर ने आर्थिक तंगी को पीछे छोड़ते हुए 10 मीटर एयर राइफल में जीता स्वर्ण

जयपुर। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी) राजस्थान 2025 में महाराष्ट्र की उभरती निशानेबाज

साक्षी पाडेकर ने अपनी जिंदगी के संघर्षों को पीछे छोड़ते हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम कर नया इतिहास रच दिया। सुरक्षा गार्ड की बेटी साक्षी के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि वह अब तक मुख्य रूप से 50 मीटर राइफल स्पर्धा में हिस्सा लेती आई थीं। आर्थिक तंगी में शुरू हुआ सफर एनसीसी कैडेट रहते हुए शूटिंग से आकर्षित हुई साक्षी के लिए पहले ही कदम कठिन थे। राइफल किराए पर लेना और बेसिक गोला-बारूद तक खरीदना बड़ा चुनौतीपूर्ण था। परिवार ने बेटी के सपनों के लिए मां के जेवर तक गिरवी रख दिए ताकि ट्रेनिंग शुरू हो सके। गगन नारंग फाउंडेशन ने दी नई राह लगातार संघर्षों के बीच पुणे स्थित गगन नारंग स्पोर्ट्स फाउंडेशन ने साक्षी को अपनी स्कॉलरशिप के तहत नई दिशा दी। इसके बाद साक्षी ने 2024 महाराष्ट्र स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में जूनियर और सीनियर दोनों वर्गों में 50 मीटर राइफल 3-पोजिशन में स्वर्ण जीता और राष्ट्रीय स्तर पर रजत पदक भी हासिल किया। साथ ही, वह 2024 जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप, पेरू में भारत का प्रतिनिधित्व भी कर चुकी हैं। भावनाओं से भरा स्वर्णिम पल स्वर्ण जीतने के बाद साक्षी ने कहा, 'मैं जानती थी कि शांत रहना जरूरी है। बस लक्ष्य पर ध्यान रखा, मेहनत की और आज उसका फल मिला।' साक्षी ने यह भी बताया कि राइफल किराए पर लेने में लगभग 40,000 रुपये प्रति माह खर्च होते थे, जिसे उनके माता-पिता ने आठ महीने तक किसी तरह पूरा किया, जब तक कि फाउंडेशन ने उन्हें सहारा नहीं दिया।

दो दशक बाद 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा भारत

ग्लास्गो। भारत साल 2020 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा। भारत को दो दशक के बाद इन खेलों की मेजबानी मिली है। भारत में इससे पहले 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन हुआ था। इन खेलों का आयोजन अहमदाबाद में किया जाएगा। ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेलों की आमसभा में अहमदाबाद को मेजबानी दिये जाने की पुष्टि हुई। इस बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व संयुक्त सचिव (खेल) कुणाल, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पी टी उषा और गुजरात के खेल मंत्री हर्ष संघवी ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रमंडल खेलों की समिति के अध्यक्ष डॉ डोनाल्ड रुकारे ने कहा, 'यह राष्ट्रमंडल खेलों के लिए एक नई शुरुआत है। भारत व्यापकता, युवा शक्ति, महत्वाकांक्षा, समृद्ध संस्कृति, अपार खेल-जुनून और प्रासंगिकता लेकर आता है। राष्ट्रमंडल खेलों के 2030 में 100 साल पूरे होंगे। इसलिए ये संस्करण और भी विशेष रहेगा। ऐसे में भारत लिए राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी हासिल करना महत्वपूर्ण है। भारत साल 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी की दौड़ में भी शामिल है और उसके लिए भी अहमदाबाद को ही मेजबान शहर के तौर पर पेश किया गया है। राष्ट्रमंडल खेल बोर्ड ने भारत की दावेदारी की पूरी समीक्षा के बाद ही उसे मेजबानी दी है। इस दौरान उसने दावेदार शहरों के बुनियादी ढांचे के साथ ही कई बातों का ध्यान रखा था। इन खेलों की मेजबानी की दौड़ में नाइजीरियाई शहर अबुजा भी था। राष्ट्रमंडल खेलों की समिति ने अपने एक बयान में कहा, ' ये 100 वें राष्ट्रमंडल खेल इसके भविष्य के लिए एक निर्णायक क्षण होंगे।

डब्ल्यूपीएल ऑक्शन : ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की होगी मांग महिला क्रिकेट की दिग्गज खिलाड़ी जाएंगी बड़े दांव पर

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां) ।
महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मेगा ऑक्शन में इस बार ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की जबरदस्त मांग देखने को मिलेगी। मौजूदा और पूर्व राष्ट्रीय कप्तान एलिसा हीली और मेग लैनिंग सहित 23 ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी गुरुवार को होने वाले इस बड़े ऑक्शन में शामिल होंगी। यह 2023 के उद्घाटन सत्र के बाद लीग का पहला मेगा ऑक्शन है। इस बार मेगन शुट्ट, सोफी मोलिनेयू और टाहलिया मैकग्रा जैसी दिग्गज खिलाड़ी अनुपस्थित रहेंगी, जबकि तेज गेंदबाज डार्सी ब्राउन पहली बार नीलामी सूची में शामिल हुई हैं।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों का रिजर्व प्राइस

- **50 लाख रुपए:** एलिसा हीली, मेग लैनिंग, फीबी लिचफील्ड, किम गार्थ, जॉर्जिया वेयरहम, हीदर ग्राहम।
- **40 लाख रुपए:** जॉर्जिया वोल, अलाना किंग।
- **30 लाख रुपए:** ग्रेस हैरिस, जेस जोनासन, डार्सी ब्राउन, लॉरेन चीटल, अमांडा-जेड वेलिंगटन, निकोला कैरी।
- **10 लाख रुपए:** मिली इलिंगवर्थ, लॉरा हैरिस, निकोल फाल्टम, जॉर्जिया रेडमेन, कोर्टनी वेब, सामंथा बेट्स, सोफी डे, लूसी हैमिल्टन, चार्ली नॉट।

ऑक्शन दिल्ली में शाम 3.30 बजे आयोजित होगा।

टीमें बदलेंगी अपना नया रूप

डब्ल्यूपीएल की पाँचों टीमें इस बार बड़े बदलाव से गुजरेंगी क्योंकि वे अधिकतम पाँच खिलाड़ियों को ही रिटेन कर पाई हैं। केवल दो विदेशी खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति और एक अनकैप्ड भारतीय को रखना अनिवार्य होने से टीमों के लिए अपना कोर बनाए रखना मुश्किल हुआ है।

हाल ही में घोषित रिटेन लिस्ट में चार ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी शामिल थे

- एशले गार्डनर और बेथ मूनी (गुजरात जायंट्स)
- एलिस पेरी (आरसीबी)
- एनेबल सदरलैंड (दिल्ली कैपिटल्स)

इस बार कुल 277 खिलाड़ी नीलामी में उतरेंगे, जिनमें 194 भारतीय और 83 विदेशी हैं। कुल 73 स्लॉट खाली हैं, जिनमें से अधिकतम 23 विदेशी खिलाड़ियों के लिए हो सकते हैं।

आरटीएम कार्ड का पहली बार उपयोग

इस सीजन टीमें पहली बार राइट टू मैच (आरटीएम) कार्ड का उपयोग कर सकेंगी, जिसके जरिए वे अपने पूर्व खिलाड़ियों को बोली मिलान कर वापस ले सकती हैं।

डब्ल्यूबीबीएल के प्रदर्शन से बढ़ेगी बोली - नीलामी डब्ल्यूबीबीएल के बीच में हो रही है इसलिए हालिया प्रदर्शन खिलाड़ियों के मूल्य पर बड़ा असर डालेगा।

मेग लैनिंग - सबसे हॉट पिक - डब्ल्यूबीबीएल 11 में 327 रन और 135 रन की विस्फोटक पारी के बाद लैनिंग की मांग सबसे ज्यादा होगी। हालांकि वे सबसे पहले बिड में आएँगी, जिससे टीमें शुरुआत में बड़ी रकम खर्च करने से हिचक सकती हैं।

एलिसा हीली - चोटों के कारण अनिश्चितता - हीली इस सीजन फॉर्म में नहीं हैं और चोटों से उबर रही हैं। यूपी वारियर्स की पूर्व कप्तान होने के बावजूद शुरुआती सेट में आने से उनके लिए बड़ी बोली की संभावना कम हो सकती है।

फीबी लिचफील्ड - युवा सनसनी - 22 वर्षीय लिचफील्ड अपने आक्रामक और अनोखे शॉट्स के लिए जानी जाती हैं। उनकी फॉर्म और नेतृत्व क्षमता उन्हें किसी भी टीम के लिए आकर्षक विकल्प बनाती हैं।

जॉर्जिया वेयरहम - ऑलराउंड पैकेज - बैट और बॉल दोनों से बेहतरीन प्रदर्शन कर रही वेयरहम की बोली बाद में लगेगी, लेकिन मजबूत प्रदर्शन उन्हें बड़े दांव पर ले जा सकता है।

अन्य चर्चित नाम - अलाना किंग और जॉर्जिया वोल - पिछला डब्ल्यूपीएल अनुभव

निकोल कैरी - भरोसेमंद ऑलराउंडर - लिज़ेल ली - लगातार दो शतक लगा चुकीं डब्ल्यूबीबीएल सुपरस्टार

डैनी वायट-हॉज - दमदार इंग्लिश ओपनर - सोफी एक्सलस्टोन - दुनिया की नंबर-1 वनडे गेंदबाज

क्या टूटेगा नया रिकॉर्ड

डब्ल्यूपीएल की सबसे महंगी भारतीय खिलाड़ी:

- स्मृति मंधाना - 3.4 करोड़ (2023)
- सबसे महंगी विदेशी खिलाड़ी:
- एशले गार्डनर - 3.2 करोड़

इस बार बढ़ी हुई पर्स राशि के कारण इन दोनों रिकॉर्ड्स के टूटने की पूरी संभावना है।

सुल्तान अज़लान शाह कप : भारत ने न्यूज़ीलैंड को 3-2 से हराया, अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचा

अमित रोहिदास (4'), संजय (32') और सेल्वम कार्ती (54') ने दागे गोल

इपोह (मलेशिया), 27 नवंबर (एजेंसियां) ।
भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने सुल्तान अज़लान शाह कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूज़ीलैंड को 3-2 से शिकस्त दी। गुरुवार को इपोह स्थित सुल्तान अज़लान शाह स्टेडियम में खेले गए रोमांचक मुकाबले में भारत की ओर से अमित रोहिदास (4'), संजय (32') और सेल्वम कार्ती (54') ने गोल दागे, जबकि न्यूज़ीलैंड के लिए दोनों गोल जॉर्ज बेकर (42', 48') ने किए।

मैच की शुरुआत में न्यूज़ीलैंड ने आक्रामक खेल दिखाया, लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति ने किसी भी मौके को गोल में तब्दील नहीं होने दिया। चौथे मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे अमित रोहिदास ने शानदार ड्रैग-फ्लिक के साथ गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। पहला क्वार्टर इसी स्कोर के साथ समाप्त हुआ।

दूसरे क्वार्टर में न्यूज़ीलैंड ने बराबरी की पूरी कोशिश की और पेनल्टी कॉर्नर भी हासिल किया, लेकिन भारतीय डिफेंडरों ने उन्हें गोल नहीं करने दिया। भारत हाफ टाइम तक 1-0 की बढ़त बनाए रखने में सफल रहा। तीसरे क्वार्टर में भारत ने तेज शुरुआत करते हुए कप्तान संजय (32') ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर बढ़त को 2-0 कर दिया। इसके बाद न्यूज़ीलैंड ने लगातार दबाव बनाया और कई पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए, लेकिन भारतीय गोलकीपर पवन ने बेहतरीन बचाव किए। हालांकि 42वें मिनट में जॉर्ज बेकर ने गोल दागकर अंतर 2-1 कर दिया। अंतिम क्वार्टर में न्यूज़ीलैंड ने वापसी जारी रखते हुए 48वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर पर जॉर्ज बेकर ने गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया। लेकिन भारत ने तुरंत जवाब दिया और 54वें मिनट में अभिषेक के पास पर सेल्वम कार्ती ने शानदार फिनिश करते हुए भारत को 3-2 की बढ़त दिलाई। भारत को एक पेनल्टी स्ट्रोक भी मिला, लेकिन उसे गोल में तब्दील नहीं किया जा सका। आखिरी मिनटों में भारत ने मजबूती से बचाव करते हुए मुकाबला 3-2 से अपने नाम किया और अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया।

डब्ल्यूपीएल 2026 ऑक्शन – जेस जोनासन ने वुमेंस प्रीमियर लीग नीलामी से नाम वापस लिया

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज ऑलराउंडर जेस जोनासन ने चोट के कारण वुमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 ऑक्शन से अपना नाम वापस ले लिया है। खिलाड़ी की अनुपलब्धता का खुलासा गुरुवार को हुए प्री-ऑक्शन ब्रीफिंग में किया गया। बाएं हाथ की इस स्पिनर को डब्ल्यूपीएल 2023 ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने उनके बेस प्राइस 50 लाख रुपये में खरीदा था। तब से अब तक वह टीम के लिए 24 मैच खेल चुकी हैं, जिनमें उन्होंने 295 रन बनाए और 33 विकेट अपने नाम किए। जोनासन दिल्ली कैपिटल्स टीम की प्रमुख सदस्य रही हैं और फ्रेंचाइज़ी को पिछले तीनों सीज़न में डब्ल्यूपीएल फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। पांच बार की टी20 वर्ल्ड कप विजेता जेस जोनासन अब तक ऑस्ट्रेलिया के लिए सभी फ़ॉर्मेट मिलाकर 200 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी हैं।

बिलियर्ड्स और स्नूकर चैम्पियनशिप प्रयागराज के खिलाड़ी आगले दौर में

प्रयागराज के राफे, सचिन अभिषेक व हम्माद जीते

प्रयागराज, 27 नवंबर (एजेंसियां) ।

उत्तर प्रदेश बिलियर्ड्स और स्नूकर एसोसिएशन (यूपीबीएसए) के तत्वावधान में आयोजित राजा राम कुमार भार्गव स्मृति राज्य स्तरीय बिलियर्ड्स और स्नूकर चैम्पियनशिप में प्रयागराज के मोहम्मद राफे, सचिन यादव, अभिषेक केसरी, हम्माद रहमान और कानपुर के अहमर अली व ओवैश वारसी ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में जगह बना ली है।

बिशप जॉर्ज स्कूल और कॉलेज में गुरुवार को खेले गये मुकाबले में प्रयागराज के मोहम्मद राफे ने लखनऊ के मोहम्मद अमान खान को 3-1 से पराजित किया। अमन ने पहले फ्रेम में 61-19 अंक से जीत दर्ज कर 1-0 की बढ़त ले ली थी, इसके बाद राफे ने अगले तीनों फ्रेम क्रमश: 62-29, 52-49 और 79-42 से अपने नाम किया।

प्रयागराज के सचिन यादव ने लखनऊ के अली जाफरी को 3-1 से पराजित किया। सचिन ने पहला फ्रेम 64-11 से जीतकर 1-0 की बढ़त ले ली। दूसरे फ्रेम में अली ने 67-45 से जीत दर्ज कर मैच में 1-1 की बराबरी कर ली। इसके बाद अगले दोनों फ्रेम सचिन यादव ने 66-7 और 72-18 से जीतकर मुकाबले को अपने नाम कर लिया। प्रयागराज के अभिषेक केसरी ने लखनऊ के मोहित भगचंदानी को 3-1 से हराया। अभिषेक ने पहला फ्रेम 50-34 से जीता। मोहित ने दूसरे फ्रेम में 69-21 से जीत दर्जकर मुकाबले में 1-1 की बराबरी कर ली। अभिषेक ने तीसरा फ्रेम 64-19 और चौथा फ्रेम59-22 से जीत लिया। प्रयागराज के हम्माद रहमान ने लखनऊ के अबुबकर सिद्दीकी को 3-2 से पराजित किया। दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर हुई। हम्माद ने पहले फ्रेम में 76-28 से जीत दर्ज की तो दूसरे फ्रेम में अबुबकर ने 39-20 से जीता लिया। तीसरे फ्रेम में एक बार फिर हम्माद ने 56-14 से जीत दर्ज कर 2-1 की बढ़त ले ली। अबुबकर ने चौथा फ्रेम 80-26 से जीतकर मुकाबले को 2-2 की बराबरी पर ला दिया। पांचवें फ्रेम में हम्माद ने 41-29 से जीत तर्ज कर अगले दौर में प्रवेश कर लिया। कानपुर के अहमर अली ने लखनऊ के शोभित श्रीवास्तव को 3-1 से पराजित किया। पहले फ्रेम में शोभित ने 50-36 अंक से जीत दर्ज की। अहमर ने 57-19, 50-20 और 69-26 से अगले तीन सेट जीतकर मुकाबला को अपने नाम कर लिया। कानपुर के ओवैश वारसी ने प्रयागराज के मोहम्मद आदिल को 3-0 से पराजित किया। ओवैस ने पहला फ्रेम 60-36 से जीता। दूसरे फ्रेम में आदिल ने ओवैश को कड़ी टक्कर दी। इस फ्रेम में ओवैस को 40-39 से जीत मिली। तीसरा फ्रेम ओवैस ने 65-51 से जीत लिया।

पर्थ की पिच को 'बहुत अच्छी' रेटिंग, दो दिन में खत्म हुए टेस्ट पर भी आईसीसी ने जताई संतुष्टि

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां) ।
पहले एशेज टेस्ट के केवल दो दिनों में समाप्त होने के बावजूद इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने पर्थ की पिच को 'बहुत अच्छी' रेटिंग दी है। यह रेटिंग मैच रेफरी रंजन मदुगले ने जारी की। आईसीसी की चार-स्तरीय पिच रेटिंग प्रणाली में 'बहुत अच्छी' सबसे उच्च श्रेणी होती है, जो पिच में अच्छी उछाल, सीम मूवमेंट की सीमित भूमिका और पूरे मैच में समान गति दर्शाती है। दो दिन चले इस मुकाबले में पहले दिन ही 19 विकेट 305 रन पर गिर गए थे। दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड द्वारा दिए गए 205 रन के लक्ष्य को एक ही सत्र में आसानी से हासिल कर लिया। मुकाबले को देखने के लिए दो दिनों में 1,01,514 दर्शक स्टेडियम पहुंचे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चीफ ऑफ क्रिकेट जेम्स ऑलसोप ने कहा कि मैच सिर्फ दो दिन में खत्म होना उन दर्शकों के लिए निराशाजनक था जिनके पास तीसरे और चौथे दिन का टिकट था, लेकिन पर्थ स्टेडियम की पिच ने बल्ले और गेंद के बीच शानदार संतुलन बनाया। उन्होंने कहा, 'मैच रेफरी की 'बहुत अच्छी' रेटिंग यह साबित करती है कि पर्थ स्टेडियम की पिच ने बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों को बराबर मौका दिया। दोनों टीमों के तेज गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन और मुकाबले की तीव्रता ही टेस्ट जल्दी खत्म होने का कारण बना। हालाँकि दर्शकों के लिए यह निराशाजनक था, लेकिन जिस तरह का रोमांचक क्रिकेट देखने को मिला, उसने बड़ी संख्या में दर्शकों को आकर्षित किया और इस गर्मी में और भी बच्चों को क्रिकेट खेलने के लिए प्रेरित करेगा।

भारतीय टीम का आभामण्डल टूट रहा : कार्तिक

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2-0 से करारी हार के बाद पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने कहा है भारतीय टीम का आभामण्डल समाप्त होता जा रहा है। इसी कारण उसे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दोनो ही मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। कार्तिक ने कहा कि घरेलू धरती पर लगातार दूसरी सीरीज हारने से साफ है कि भारतीय क्रिकेट कठिन दौर से गुजर रहा है। इससे घरेलू धरती पर अपराजेय रहने की उसकी छवि भी टूटी है। कार्तिक ने कहा, पहले टीमें टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए भारत आने से डरती थीं पर अब उनको ऐसा नहीं लग रहा होगा। एक सात के अंतराल में भारतीय टीम दूसरी बार अपने सभी मैच हारी है। इससे साफ है कि टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए यह कठिन समय है और आगे हमें कड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं। गेंदबाज और बल्लेबाज दोनो ही नहीं चल रहे हैं। दिनेश कार्तिक ने कहा, टीम में जरुरत से ज्यादा ऑलराउंडर्स शामिल किये गये हैं पर वे सफल नहीं रहे। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी ने पूरे सत्र में 14 ओवर गेंदबाजी की है। वाशिंगटन सुंदर की गेंदबाजी भी कमजोर रही। भारत के केवल दो खिलाड़ियों ने इस टेस्ट सीरीज में शतक लगाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका के सात खिलाड़ियों ने शतकीय पारी खेली।

भारत और यूएई ने बाजार पहुंच, डेटा साझाकरण, एफटीए प्रगति पर की चर्चा

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए बाजार पहुंच, डेटा साझाकरण, डंपिंग रोधी मामलों एवं सेवाओं आदि से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की है। भारत-यूएई ने व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) के तहत संयुक्त समिति की बैठक के दौरान इन मुद्दों पर चर्चा की।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक बयान में बताया कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने नई दिल्ली में भारत-यूएई व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) के तहत संयुक्त समिति की तीसरी बैठक का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस बैठक की सह-अध्यक्षता वाणिज्य विभाग के अपर सचिव अजय भादू और यूएई के अंतरराष्ट्रीय व्यापार कार्य सहायक अवर सचिव जुमा अल कैत ने की। भारत-यूएई ने सीईपीए के तहत संयुक्त समिति की बैठक के दौरान इन मुद्दों पर चर्चा की। मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने सीईपीए के तहत प्रगति की व्यापक समीक्षा की। साथ ही बाजार पहुंच के मुद्दों, डेटा साझाकरण, स्वर्ण टीआरक्यू (निश्चित मात्रा तक कम शुल्क पर) आवंटन, डंपिंग रोधी मामलों, सेवाओं, उत्पत्ति के नियमों, बीआईएस लाइसेंसिंग पर विस्तृत चर्चा की। भारतीय पक्ष ने यूएई को पारदर्शी प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के जरिए स्वर्ण टीआरक्यू आवंटन पर अपने हालिया निर्णय के बारे में भी जानकारी दी। सीईपीए एक प्रकार का मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) है। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक दोनों पक्षों ने औषधि क्षेत्र में विनियामक सहयोग बढ़ाने, उत्पत्ति प्रमाण पत्र से संबंधित मुद्दों के समाधान पर चर्चा की। इसके साथ ही कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा), भारत तथा संयुक्त अरब अमीरात के जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण मंत्रालय के बीच खाद्य सुरक्षा तथा तकनीकी जरूरतों पर समझौता ज्ञापन पर शीघ्र हस्ताक्षर करने पर भी विचार-विमर्श किया।

वित्त वर्ष 2024-25 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 100 अरब अमेरिकी डॉलर को पार कर गया है, जो वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में 19.6 फीसदी की वृद्धि है।

न्यूज ब्रीफ

अक्टूबर में दोपहिया वाहन बिक्री ने तोड़ा रिकॉर्ड, 31.5 लाख यूनिट्स बिकी की

नई दिल्ली। भारत के दोपहिया वाहन उद्योग ने इस साल अक्टूबर में अपना अब तक का सबसे मजबूत प्रदर्शन किया। रेटिंग एजेंसी इक्रा के मुताबिक इस साल अक्टूबर में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री एक साल पहले के मुकाबले 51.8 फीसदी बढ़कर 31.5 लाख गाड़ियों के साथ सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। यह उछाल सितंबर के आखिरी हफ्ते में जीएसटी की दरों में आई कमी से इसे बल मिला है। दशहरा और दीवाली में मजबूत त्योहारी मांग के साथ जीएसटी दरों में कमी ने खरीदारी की गति को तेज किया। इसके अलावा खेती से आय बढ़ने और अनुकूल मॉनसून से उत्साहित ग्रामीण बाजारों ने शहरी केंद्रों से बेहतर प्रदर्शन किया और इस वृद्धि में अहम योगदान दिया। कुल मिलाकर इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री स्थिर रही। बिक्री 4 फीसदी बढ़कर 1.44 लाख इकाई हो गई, जिससे कुल दोपहिया खुदरा बिक्री में 6 से 7 फीसदी की हिस्सेदारी बनी रही। अपेक्षाकृत उच्च आधार के बावजूद इस खंड की पहुंच स्थिर बनी हुई है, जिसे मॉडलों के व्यापक चयन, उपभोक्ताओं की बढ़ती जागरूकता और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार का समर्थन हासिल है। थोक बिक्री घरेलू प्रेषण मामूली रूप से 1.5 फीसदी बढ़कर 21 लाख इकाइयां रही, जो पिछले साल इस महीने में बढ़ी हुई आधार मात्रा के प्रभाव को दर्शाती है।

नया स्मार्टफोन रियलमी 16 प्रो लॉन्च करने की तैयारी

नई दिल्ली। चाइनीज कंपनी रियलमी अपने नए स्मार्टफोन रियलमी 16 प्रो को जल्द लॉन्च करने जा रही है। इंडियन वेरिएंट का मॉडल नंबर आरएमएक्स 5120 और चाइनीज मॉडल आरएमएक्स 5121 बताया गया है।

टीईएनएए लिस्टिंग के अनुसार फोन का खास आकर्षण इसका 200 मेगापिक्सल मेन कैमरा होगा, जिसके साथ 8 मेगापिक्सल का सेकंडरी लेंस मिलेगा। सेल्फी के लिए इसमें 50 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा दिया जाएगा, जो इसे सेल्फी प्रेमियों के लिए खास बनाता है। फोन में 6.78 इंच का ओलेड डिस्प्ले होगा, जिसका रेजॉलूशन 2772गुणा1272 पिक्सल है। माना जा रहा है कि यह 144 एचझेड रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ऑपरेशन सिंदूर...

राष्ट्रपति ने विश्वास जताया कि मचाणक्य डिफेंस डायलॉग-2025फ की चर्चा और निष्कर्ष राष्ट्रीय नीति के भविष्य के आयाम तय करने में नीति-निर्माताओं को मूल्यवान दृष्टि प्रदान करेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि सशस्त्र बल उत्कृष्टता की ओर निरंतर प्रयासरत रहेंगे और मविकसित भारत 2047फ के लक्ष्य को हासिल करने के लिए दृढ़ता और संकल्प के साथ आगे बढ़ते रहेंगे।

मतदाता सूची के विशेष...

प्रावधानों के विपरीत है। इसके अतिरिक्त, याचिका में यह भी कहा गया है कि एसआईआर बिना किसी कारण या औचित्य के मतदाता सूचियों को नए सिरे से तैयार करने के समान है, जो आरओपीए के तहत वैधानिक आवश्यकता का उल्लंघन करता है।

मणिपुर के...

इसका संरक्षण विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह ठंडी और शुष्क वैश्विक जलवायु के उस दौर से आता है, जब यूरोप सहित कई अन्य क्षेत्रों में बांस विलुप्त हो गया था। यह जीवाश्म दर्शाता है कि जहां हिमयुग की कठोर परिस्थितियों ने बांस के वैश्विक वितरण को सीमित कर दिया था, वहीं पूर्वोत्तर भारत ने बांस को एक ऐसा सुरक्षित आश्रय स्थल प्रदान किया, जहां इसका पौधा फलता-फूलता रहा। रिव्यू ऑफ पैलियोबॉटनी एंड पैलिनोलॉजी पत्रिका में प्रकाशित यह खोज उल्लेखनीय है, क्योंकि इसमें कांटों के निशानों जैसे हद सूक्ष्म विवरणों को भी दर्ज किया गया है, जकि यह ांस की ऐसी विशेषता है, जो कभी जीवाश्म नहीं बनती। यह खोज हिमयुग के दौरान भारत-र्मा की जैव विविधता के महत्व को भी रेखांकित करती है। ठंडी और शुष्क जलवायु ने यूरोप जैसे स्थानों से जहां बांस को खत्म कर दिया था, वहीं, पूर्वोत्तर भारत की गर्म और आर्द्र परिस्थितियों ने इसे जीवित रहने में मदद की। एच भाटिया, पी कुमारी, एनएच सिंह और जी श्रीवास्तव का यह शोध बांस के विकास और क्षेत्रीय जलवायु के इतिहास के बारे में हमारी समझ में एक नया आयाम जोड़ता है। यह हिमयुग जैसे विकट समय में जैव विविधता की रक्षा में एशिया के इस हिस्से की भूमिका पर भी प्रकाश डालता है, जिससे यह खोज न केवल एक वानस्पतिक मील का पत्थर बन जाती है, बल्कि पुराजलवायु और जैव-भौगोलिक अध्ययनों में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है।

एस इंटरनैशनल ने जुटाए 305 करोड़ रुपए, वैश्विक निवेशक में मची होड़

कंपनी के चेयरमैन बोले- हम इस सपने को वैश्विक स्तर पर ले जाने को तैयार

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)।

खाद्य और पोषण सामग्री क्षेत्र की कंपनी एस इंटरनैशनल लिमिटेड ने डच उद्यमिता विकास बैंक- एफएमओ, स्विट्जरलैंड की निवेश कंपनी- रिस्पॉन्सएबिलिटी, बेल्जियम की निवेश कंपनी- इनकोफिन और फिडलिन वेंचर्स से 305 करोड़ रुपए की रकम जुटाई है। इस पूंजी से आंध्रप्रदेश के कप्पम में नई एकीकृत डेरी सामग्री और पोषण इकाई और परिसर बनाने में मदद मिलेगी। एस इंटरनैशनल के संस्थापक और चेयरमैन संजीव गोयल ने कहा कि यह साझेदारी रकम जुटाने की तुलना से कहीं ज्यादा है, यह उद्देश्य को आगे बढ़ाती है। उन्होंने कहा कि हमने एक विश्वास के साथ एस को बनाया है कि खाद्य प्रौद्योगिकी में नवाचार से सभी के लिए बेहतर कारोबारी परिणाम और पोषण दोनों को ही बढ़ावा मिले। इस निवेश के साथ हम इस सपने को वैश्विक स्तर पर ले जाने को तैयार हैं।

कप्पम की यह इकाई एशिया में पहली बार शुरू की जा रही डेरी पोषण क्षेत्र की अति आधुनिक प्रोसेसिंग तकनीक में सबसे आगे रहेगी। यह आधुनिक विनिर्माण इकाई दुनिया भर में ऐसी कुछ इकाइयों में से एक होगी। यह विशेष रूप से तैयार बेहतर प्रदर्शन करने वाली ऐसी पोषण सामग्री बनाने में सक्षम होगी, जो वैश्विक खाद्य और पोषण ब्रांडों की बदलती जरूरतों को पूरा करेगी।

वर्टिकली इंटीग्रेटेड टॉय-टेक स्टार्टअप कंपनी मिराना टॉयज ने एक्सेल, इन्फो एज और रिवरवॉक होल्डिंग्स की भागीदारी के साथ आर्कम वेंचर्स की अगुआई में 57.5 करोड़ रुपए जुटाए है। यह रकम सीरीज ए दौर में जुटाई गई। इस रकम का इस्तेमाल नई फैक्टरी बनाने में किया जाएगा, जिसमें इंजेक्शन-मोल्डिंग और डाई-कास्टिंग मशीनें लगाने के साथ-साथ इन-हाउस पैकेजिंग लाइनों की स्थापना शामिल है। इन पहल से कंपनी को देसी और निर्यात की बढ़ती मांग पूरी करने के लिए मासिक उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी। मिराना अंतरराष्ट्रीय वृद्धि तेज करने के लिए अपनी डिजाइन और बिक्री टीमों के विस्तार की भी योजना बना रही है। चूंकी वैश्विक ब्रांड चीन-प्लस-वन रणनीति के तहत आपूर्ति श्रृंखला में विविधता ला रहे हैं, इसलिए भारत वैश्विक विनिर्माण केंद्र रूप में तेजी से उभर रहा है।

बिजली खपत कम करने के साथ डेटा ट्रांसफर की रफ्तार बढ़ाने की तकनीक उपलब्ध कराने वाली कंपनी लाइटस्पीड फोटोनिक्स ने पीआई वेंचर्स की अगुआई में रकम जुटाने के दौर में 65 लाख डॉलर जुटाए हैं। प्री-सीरीज ए के दौर में जिन भगीदारों ने हिस्सा लिया, उनमें 500 ग्लोबल, इंडियन एक्सीलेरेटर और 8एक्स वेंचर्स ऐंड जावा कैपिटल और अमेरिका के कैलिफोर्निया के बे एरिया में एंजेल निवेशक शामिल थे। लाइटस्पीड को साल 2021 में रोहिन वाई और रमना पामिदिगंतम ने शुरू किया था। लाइटस्पीड ने बयान में कहा कि उसका मकसद कॉम्पैक्ट, ऊर्जा दक्षता और ऑप्टिकल इंटरकनेक्ट के जरिये एआई संचालित प्रणाली में डेटा मूवमेंट को नए तरीके से परिभाषित करना है।

कंपनी की शॉर्ट वेवलेंथ लेजर डेटा ट्रांसफर की ऑप्टिकल इंटरकनेक्ट तकनीक चार गुना तेज रफ्तार, बिजली की दो गुना कम खपत और 20 गुना कम कार्बन फुटप्रिंट प्रदान करती है। यह तकनीक एआई और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग, दूरसंचार, एरोस्पेस, सैटेलाइट, आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण और अन्य क्षेत्रों के लिए है।

सर्दी परिधानों के खुदरा विक्रेता को तीसरी तिमाही में दो अंकों की वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)।

परिधानों के खुदरा विक्रेता चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में दो अंकों की वृद्धि की उम्मीद की जा रही हैं क्योंकि सर्दियों के कपड़ों की बिक्री बढ़ने लगी है। परिधान ब्रांड ग्लोबल रिपब्लिक के सह-संस्थापक और मुख्य कार्याधिकारी ने हाल में रिटेल इंडिया समिट ऐंड एक्सपो (राइज) के मौके कहा कि इस साल मनोबल काफी ज्यादा है क्योंकि सर्दी पहले आ गई। यह सीजन ज्यादा जोरदार होने की उम्मीद है। इसलिए आने वाले महीने में मांग बढ़ने की उम्मीद है। हमें दो अंकों की वृद्धि हासिल होने की काफी उम्मीद है।

मौसम विभाग के मुताबिक 27 नवंबर से 3 दिसंबर के बीच देश के ज्यादातर हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस कम रहने के आसार हैं, पूर्वोत्तर भारत और पश्चिमी हिमालय क्षेत्र को छोड़कर, जहां इस सप्ताह तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहने की संभावना है। इसका मतलब यह है कि परिधानों के खुदरा विक्रेताओं के लिए नवंबर से जनवरी का समय पिछले साल की तुलना में ज्यादा जोरदार रहेगा।

लैकोस्टे इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्य अधिकारी ने कहा कि इस साल मौसम ने हमें अच्छे सीजन की उम्मीद जगाई है। कड़ी ठंड पड़ने वाली है और हम नवंबर से दो अंकों की अच्छी वृद्धि की उम्मीद की जा रही है। उन्होंने कहा कि ब्रांड ने इस साल नए स्टाइल और हैवी जैकेट के लिमिटेड कलेक्शन के साथ अपनी पेशकशों का भी विस्तार किया है। वी-मार्ट रिटेल के प्रबंध निदेशक ने कहा कि सर्दियों के जल्दी आने और चुनाव खत्म होने से बिहार में भी वृद्धि होगी। अक्टूबर में हमें जो कुछ नरमी नजर आई थी, उसकी तुलना में हमें उम्मीद है कि नवंबर बहुत अच्छा रहेगा।

होंडा एक्टिवा स्कूटर की 3.26 लाख यूनिट बिकी

नई दिल्ली। स्कूटर बाजार में होंडा एक्टिवा स्कूटर की अक्टूबर महीने में बिक्री 3.26 लाख यूनिट के पार पहुंच गई। टॉप-10 टू-व्हीलर्स की सूची में इस बार तीन स्कूटर्स होंडा एक्टिवा, टीवीएस जुपिटर और सुजुकी एक्सेस शामिल रहे। इनमें एक्टिवा और जुपिटर ने सालाना आधार पर ग्रोथ हासिल की, जबकि एक्सेस की बिक्री में हल्की गिरावट देखी गई। खास बात यह रही कि टॉप-10 में किसी भी इलेक्ट्रिक स्कूटर को जगह नहीं मिली। नई जनरेशन एक्टिवा एच-स्मार्ट ने बिक्री में बड़ी भूमिका निभाई है। इसमें दी गई स्मार्ट-चाबी कई सुविधाएं देती है, जैसे स्कूटर से 2 मीटर दूर जाते ही ऑटोमैटिक लॉक और पास आते ही अनलॉक होना। फ्यूल लिड को भी चाबी लगाए बिना खोला जा सकता है। स्मार्ट-की की मदद से पार्किंग में स्कूटर को आसानी से लोकेट किया जा सकता है, साथ ही एंटी-थेफ्ट सिस्टम सुरक्षा को और मजबूत बनाता है। इंजन की बात करें तो एक्टिवा एच-स्मार्ट में पुराना ही 109.51सीसी बीएस6 इंजन दिया गया है। एक माइलेज टेस्ट में इस स्कूटर ने आधे लीटर पेट्रोल में 26 किमी की दूरी तय की, यानी यह एक लीटर में लगभग 52 किमी का माइलेज देने में सक्षम है।स्कूटर में साइलेंट स्टार्ट सिस्टम, कंबाइंड ब्रेकिंग सिस्टम, नए डिजाइन के अलॉय व्हील्स, टेलिस्कोपिक फ्रंट फोर्क्स और ड्रम ब्रेक जैसे फीचर्स शामिल हैं। डिजाइन में ज्यादा बदलाव नहीं किए गए हैं, लेकिन फीचर्स इसे और आकर्षक बनाते हैं।

दिल्ली में मोबाइल नेटवर्क टेस्ट में एयरटेल और जियो सबसे तेज, एमटीएनएल सबसे कमजोर

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अक्टूबर महीने में दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में किए गए मोबाइल नेटवर्क की गुणवत्ता के मूल्यांकन के लिए स्वतंत्र ड्राइव टेस्ट में एयरटेल और रिलायंस जियो सबसे अच्छी सेवा देने वाली कंपनी साबित हुए हैं। वोडाफोन-आइडिया मध्यम स्तर पर रही और महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) सबसे निचले पायदान पर रही।

ट्राई के अनुसार, परीक्षण में राजधानी के 402 किलोमीटर मार्ग, 14 हॉटस्पॉट, 6.1 किलोमीटर पैदल ट्रैक और एक इंटर-ऑपरेटर कॉलिंग स्थान शामिल थे। परीक्षण में 2जी, 3जी, 4जी और 5जी नेटवर्क पर कॉल सेटअप, ड्रॉप कॉल, ध्वनि गुणवत्ता, डाउनलोड और अपलोड स्पीड, लेटेंसी सहित सभी प्रमुख पैमानों का आंकलन किया गया। वॉयस सेवा में कॉल सेटअप सफलता दर एयरटेल 99.50 प्रतिशत, जियो 99.30 प्रतिशत, वीआई 98.59 प्रतिशत और एमटीएनएल 86.53 प्रतिशत रही। कॉल ड्रॉप दर में एयरटेल और जियो शून्य, वीआई 0.20 प्रतिशत और एमटीएनएल 7.46 प्रतिशत दर्ज किया गया। कॉल साइलेंस रेट में एयरटेल 0.76 प्रतिशत, जियो 2.53 प्रतिशत और वीआई 0.88 प्रतिशत रही।

ट्राई के मुताबिक, ध्वनि गुणवत्ता (एमओएस स्कोर) में वीआई ने 4.38 अंक के साथ सर्वाधिक स्कोर हासिल किया, इसके बाद एयरटेल 4.00, जियो 3.80 और एमटीएनएल 2.73 अंक रहा। डेटा सेवा में औसत डाउनलोड स्पीड एयरटेल 234 एमबीपीएस, जियो 249.02 एमबीपीएस, वीआई 23.82 एमबीपीएस और एमटीएनएल 5.04 एमबीपीएस रही। अपलोड स्पीड में एयरटेल 31.83 एमबीपीएस, जियो 25.98 एमबीपीएस, वीआई 11.38 एमबीपीएस और एमटीएनएल 1.68 एमबीपीएस रही। 50वें परसेंटाइल लेटेंसी एयरटेल 11.69 मिलीसेकंड, जियो 15.18 मिलीसेकंड, वीआई 35.03 मिलीसेकंड और एमटीएनएल 21.32 मिलीसेकंड रही। 5जी हॉटस्पॉट क्षेत्रों में जियो की डाउनलोड स्पीड 291.96 एमबीपीएस रही, एयरटेल 235.46 एमबीपीएस और वीआई 30.40 एमबीपीएस रही। एमटीएनएल के नेटवर्क में 4जी और 5जी सेवा उपलब्ध नहीं होने के कारण उसका मूल्यांकन केवल 3जी तक सीमित रहा। परीक्षण क्षेत्र में शालीमार बाग, पश्चिम विहार, विकासपुरी, जनकपुरी, द्वारका, नजफगढ़, उद्योग विहार, सरहोल, सिकंदरपुर तथा गुरुग्राम के विभिन्न सेक्टर शामिल थे। पैदल परीक्षण पश्चिम विहार के ज्वाला हेरी मार्केट और गुरुग्राम के साइबर हब में भी किया गया।

विशाखापत्तनम में बनेगा एआई सक्षम 1 गीगावॉट कर आधुनिक डेटा सेंटर

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)।

ब्रुकफील्ड, रिलायंस इंडस्ट्रीज और डिजिटल रियल्टी के संयुक्त उद्यम- डिजिटल कनेक्शन ने गुरुवार को आंध्रप्रदेश के विशाखापत्तनम में एआई सक्षम 1 गीगावॉट वाला अति आधुनिक डेटा सेंटर बनाने की घोषणा की। इस पर 2030 तक पांच साल की अवधि में करीब 11 अरब डॉलर का निवेश होगा। इससे ठीक एक महीने पहले गूगल ने विशाखापत्तनम में 15 अरब डॉलर के निवेश से वैश्विक स्तर का एआई संचालित डेटा सेंटर बनाने की योजनाओं के बारे में बताया था। गूगल का अमेरिका के बाहर यह अब तक का सबसे बड़ा निवेश है।

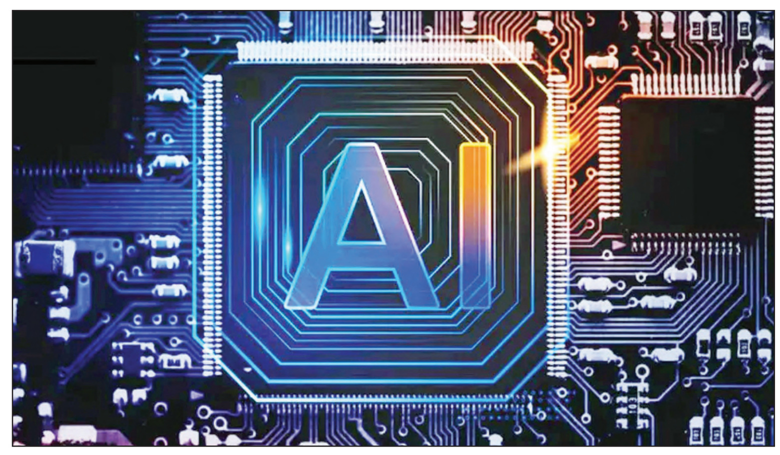

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह डेटा सेंटर 400 एकड़ भू-क्षेत्र पर फैला होगा। 14 नवंबर को रिलायंस ने घोषणा की थी कि वह पूरी तरह से मॉड्यूलर, भविष्य के लिहाज से तैयार 1 गीगावॉट का एआई डेटा सेंटर बनाएगी और यह दुनिया के सबसे आधुनिक ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट्स (जीपीयू), टेंसर प्रोसेसिंग यूनिट्स (टीपीयू) और एआई प्रोसेसर को होस्ट करने के लिहाज से बनाया जाएगा। इस समझौते पर विशाखापत्तनम में सीआईआई पार्टनरशिप समिट 2025 के पहले दिन सीएम चंद्रबाबू नायडू, आईटी और उद्योग मंत्री नारा लोकेश तथा रिलायंस इंडस्ट्रीज के कार्यकारी निदेशक पीएमएस प्रसाद की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए थे। कंपनी के मुताबिक उसके डेटा सेंटर एआई वर्कलोड की निरंतर मदद के लिए बनाए गए हैं, जो हाइपरस्केलर और उद्यमों को भविष्य के लिहाज से तैयार सिस्टम, दमदार सबस्टेशन, प्रचुर बिजली और रैक डेंसिटी के साथ अगले दशक के नवाचारों को संचालित करने में मदद करेंगे। कंपनी एआई युक्त विशेष उद्देश्य से बनाए गए डेटा सेंटर के जरिए भारत का अगली पीढ़ी का बुनियादी ढांचा बना रही है, जो बेजोड़ प्रदर्शन, अधिक स्तर की क्षमता और पर्यावरण अनुकूल क्षमता के लिहाज से डिजाइन किए गए हैं। उसका चेन्नई में पहले से ही एक परिसर है। दूसरा मुंबई के चांदीवली इलाके में बनाया जा रहा है। कंपनी ने बयान में कहा कि भारत के विकसित भारत 2047 के सपने के अनुरूप डिजिटल कनेक्शन नवाचार, प्रभाव और निरंतर वृद्धि को बढ़ावा देने तथा भारत का भरोसेमंद डिजिटल बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने की दिशा में नई संभावनाओं को सामने ला रही है। गूगल ने 14 अक्टूबर को राज्य सरकार के साथ अपने समझौता पर हस्ताक्षर किए थे। गूगल ने डेटा सेंटर विकसित करने के लिए अडाणी एंटरप्राइजेज के साथ भी उसके संयुक्त उद्यम वाली कंपनी अडाणीकनेक्स के जरिये गठजोड़ किया था। यह विशाखापत्तनम में भारत का सबसे बड़ा एआई डेटा सेंटर परिसर और नया हरित ऊर्जा वाला बुनियादी ढांचा होगा। गूगल के एआई हब में गीगावॉट स्तर के डेटा सेंटर परिचालन शामिल होंगे, जिन्हें दमदार सबसी केबल नेटवर्क और स्वच्छ ऊर्जा से मदद मिलेगी, ताकि भारत में सबसे ज्यादा मांग वाले एआई वर्कलोड को चलाया जा सके।

2030 तक पांच साल की अवधि में करीब 11 अरब डॉलर का निवेश होगा

देवी लक्ष्मी की कृपा से मेष और मीन समेत अन्य राशियों के जातक रहेंगे भाग्यशाली

आज यानी 28 नवंबर दिन शुक्रवार है और आज के दिन तिथि है मार्गशीर्ष मास की शुक्ल पक्ष की अष्टमी। ऐसे में आज का दिन देवी लक्ष्मी को समर्पित रहेगा। जबकि आज चंद्रमा का गोचर दिन रात कुंभ राशि में होगा। जबकि शनिवार के दिन शनि की चाल भी बदल रही है और शनि मार्गी हो रहे हैं। ऐसे में आज सुनफा योग का संयोग बनेगा। जबकि आज शुक्र के गोचर से त्रिग्रह योग का भी संयोग बन रहा है। इस पर आज शतभिषा नक्षत्र के संयोग में आज रवियोग का भी संयोग बनेगा।

मेष –मेष राशि के जातकों के लिए आज का दिन अप्रत्याशित लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपको भाग्य आज उन क्षेत्रों से भी फायदा दिला सकता है जहां से आपको लाभ की उम्मीद भी नही होगी। आप अपने कार्यक्षेत्र में प्रगति करेंगे। किसी ऐसे काम को करने का मौका मिल सकता है जो आपको भविष्य में लाभ दिला सकता है। बिजनेस में आज का दिन लाभदायक रहने से आपको प्रसन्नता होगी। फैमिली लाइफ में आपसी प्रेम और तालमेल बना रहेगा। माता पिता की सेहत नरम चल रही है तो उनके स्वास्थ्य में सुधार होगा। साथ ही आज साझेदारी के काम में भी आपको फायदा हो सकता है।

उपाय : आपको आज उपाय के तौर पर देवी लक्ष्मी को मिश्री और लौंग अर्पित करना चाहिए।

मिथुन –आज शुक्रवार का दिन मिथुन राशि के जातको के लिए बहुत ही सुखद रहने वाला है। आपकी किसी चिंता परेशानी का निदान होने से आप राहत की सांस लेंगे। आपको आज नौकरी में काफी व्यस्त रहना होगा लेकिन आप अपनी कार्यकुशलता और अनुभव का लाभ लेकर स्थिति को संतुलित रख पाएंगे। बिजनेस में आपको लाभदायक डील मिलेगी। आर्थिक मामलों आज धन लाभ मिलने का भी योग बना हुआ है। लव लाइफ के मामले में आपका दिन आज अनुकूल रहेगा। प्रेमी के साथ आप रोमांटिक समय बिता पाएंगे। बच्चों के साथ आपका तालमेल बढेगा।

उपाय : आज के दिन आपको उपाय के तौर पर कनकधारा स्तोत्र का पाठ करना चाहिए।

सिंह –सिंह राशि के जातको के लिए आज शुक्रवार का दिन एक से अधिक क्षेत्र से लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपको राजनीतिक संपर्क का भी आज फायदा मिलने वाला है। किसी सरकारी क्षेत्र से संबंधित काम में आपको अनुभवी लोगों से सहयोग प्राप्त हो सकता है। चिकित्सा और दवाइयों के कारोबार से जुड़े जातकों के लिए आज का दिन लाभदायक रहने वाला है। आपको विपरीतलिंगी सहकर्मियों और मित्रों से विशेष रूप से सहयोग मिल सकता है। आप आज परिवार के साथ कहीं घूमने का प्लान बना सकते हैं। घर में आपके खुशी का माहौल रहेगा। लव लाइफ में आप प्रेमी के साथ डेट पर जा सकते हैं। कोई बिगड़ा काम आपका बन सकता है।

उपाय : आप आज दिन को अनुकूल बनाए रखने के लिए चावल और शक्कर का दान करें।

धनु – आज शुक्रवार का दिन धनु राशि के जातको के लिए आनंददायक रहने वाला है। आप परिवार के साथ सुखद समय बिता पाएंगे। वैवाहिक जीवन में आपको जीवनसाथी से कोई सरप्राइज मिल सकता है। आर्थिक मामलों में भी आज का दिन आपके पक्ष में रहेगा। आपको एक से अधिक स्रोत से धन लाभ मिलने का संयोग बनाता दिख रहा है। किसी सगे संबंधी या मित्र से मिलने का भी संयोग बनेगा जिससे आपका मन प्रसन्न होगा। आपको शिक्षा के क्षेत्र में अपनी मेहनत का शुभ परिणाम मिल सकता है। जो छात्र किसी कोर्स में दाखिला के लिए प्रयास कर रहे हैं उनको कामयाबी मिल सकती है। आपका प्रभाव और सम्मान बढेगा।

उपाय : आप आज भगवान विष्णु को दीप दिखाएं और तुलसी की मंजरी अर्पित करें।

मीन – मीन राशि के जातकों के लिए आज का दिन ग्रहों के गोचर से अनुकूल रहने वाला है। आपकी रुचि धार्मिक और आध्यात्मिक विषयों में बढेगी। आप आज किसी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। आपको कार्यक्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण सूचना या जानकारी मिल सकती है जो आपके लिए आनंददायक रहेगी। बिजनेस में आपका फंसा हुआ धन आपको वापस मिल सकता है। सुख साधनों में आज वृद्धि होगी। जीवनसाथी के साथ आपका तालमेल और प्रेम बना रहेगा। बच्चों की ओर से आपको प्रसन्नता होगी। आप आज ससुराल पक्ष के संबंधियों से लाभ और सहयोग प्राप्त कर पाएंगे। आपके सितारे बताते हैं कि आप विदेशी क्षेत्र से भी आज लाभ पाएंगे। शिक्षा के क्षेत्र मे प्रदर्शन बढ़िया रहेगा।

उपाय : आज के दिन आपको उपाय के तौर पर श्रीसूक्त का पाठ करना चाहिए।

ऐसी हथेली वाले लोग होते हैं दृढ़ निश्चयी, जीवन में पाते हैं बड़ी सफलता, हथेली की बनावट से जानें कई बड़े राज

हर व्यक्ति के हाथ की बनावट अलग-अलग होती है। हस्तरेखा शास्त्र में इसका खास महत्व बताया गया है। साथ ही, अपनी हथेली की बनावट, लंबाई, चौड़ाई देखकर हम अपने जीवन और स्वभाव के बारे में भी काफी कुछ जान सकते हैं। उंगली की जड़ से मणिबंध तक हथेली की लंबाई होती है। वहीं, अंगूठे की जड़ से लेकर दूसरे अंतिम सिरे तक हथेली की चौड़ाई होती है। इस स्थान पर कई प्रकार के चिन्ह, बनावट आदि होती है। जिसे देखकर किसी व्यक्ति के बारे में कई राज जान सकते हैं। इनमें से कुछ हथेली वालों को बहुत दृढ़ निश्चयी और धनवान माना जाता है। वहीं, कुछ प्रकार की हथेली की बनावट जीवन में बाधाओं का संकेत भी देती है।

चौड़ी हथेली– अगर किसी व्यक्ति की हथेली चौड़ी हो तो ऐसे लोगों को बहुत दृढ़ निश्चयी माना जाता है। साथ ही, ये लोग मजबूत दिल वाले होते हैं और एक बार अगर ये कुछ करने की ठान लें तो उस काम को पूरा करके ही मानते हैं। इनके कहने और करने में ज्यादा अंतर नहीं होता है। ऐसे में चौड़ी हथेली वाले लोगों पर विश्वास किया जा सकता है क्योंकि अगर एक बार ये कुछ बोल दें, तो अपनी बात से कभी भी पीछे नहीं हटते हैं।

समचौरस हथेली–हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, जिन लोगों की हथेली समचौरस यानी जिसकी लंबाई और चौड़ाई एक समान हो। इस प्रकार के लोगों का स्वभाव बहुत अच्छा होता है। ये लोग शांत, स्वस्थ, और दृढ़ निश्चयी होते हैं। जीवन में अपनी मेहनत और प्रयासों से ही ये उन्नति प्राप्त करते हैं या बड़े मुकाम पर पहुंचते हैं। ये लोग आत्मविश्वासी होते हैं और जीवन में मेहनत से बड़ी सफलता पाते हैं। ये उन्हीं कार्यों को करने के लिए आगे बढ़ते हैं जिसमें इन्हें सफलता दिखाई देती हो। अपने काम को सफल बनाने तक ये आराम तक नहीं करते हैं।

संकड़ी हथेली – ऐसा माना जाता है कि जिन लोगों की हथेली संकड़ी होती है वे केवल अपनी सफलता और जीवन पर ध्यान देते हैं। ये अपने हित के बारे में सोचने वाले होते हैं, जिसके चलते इन्हें आसपास के लोगों के विचार या बातों से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता है। हस्तरेखा विज्ञान के मुताबिक, संकड़ी हथेली वाले लोग जिस भी क्षेत्र में हों वहां पहले अपना हित देखते हैं तभी कोई भी काम करना शुरू करते हैं। यही कारण है कि इन पर आसानी से विश्वास करना अन्य लोगों को थोड़ा मुश्किल लग सकता है।

नरम हथेली – हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, नरम हथेली वाले लोग स्वभाव से बहुत कोमल होते हैं और कल्पनाशील भी होते हैं। ये लोग इसी प्रकार का अपना जीवन व्यतीत करते हैं और दूसरों की मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। इस प्रकार के हाथ स्त्रियों के अधिक देखे जाते हैं, जिन्हें भाग्यशाली माना गया है। वहीं, अगर पुरुषों की हथेली ऐसी हो तो उनके अंदर विशेष गुण हो सकते हैं।

सख्त हथेली– जिन लोगों की हथेली सख्त होती है उनका जीवन भी कुछ इसी प्रकार का होता है। सख्त हथेली दर्शाती है कि ऐसे लोगों का जीवन उतार-चढ़ाव से भरा हो सकता है। वहीं, अगर किसी व्यक्ति के हाथ अत्यधिक सख्त हों तो ऐसे लोग अपने काम को सबसे अधिक महत्व होता है। साथ ही, जीवन में कोई भी बाधा आने पर ये लोग निराश नहीं होते हैं और डटकर उसका सामना करते हैं।

लाल हथेली– हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, लाल हथेली वाले स्वभाव से थोड़े गुस्सैल हो सकते हैं। इन्हें जल्दी किसी व्यक्ति पर भरोसा नहीं होता है और इन्हें छोटी-छोटी बातों पर क्रोध भी जल्दी आ सकता है। ऐसे में ये लोग एकांत में समय बिताना ज्यादा पसंद करते हैं और जल्दी किसी पर विश्वास नहीं करते हैं। वहीं, अगर किसी की हथेली अत्यधिक लाल हो तो ऐसे लोग अपने हित के बारे में पहले सोचने वाले होते हैं। इनके मित्रों की संख्या भी अधिक नहीं होती है।

गुलाबी हथेली–जिन लोगों की हथेली गुलाबी रंग की होती है वे स्वभाव के बहुत अच्छे होते हैं। साथ ही, ये लोग स्वस्थ और उन्नति विचारों वाले होते हैं। इनके रहने के तरीके में शालीनता नजर आती है और ये लोग संतुलित मस्तिष्क वाले होते हैं। ऐसे लोग जीवन में अपनी मेहनत और प्रयास से सफलता प्राप्त करते हैं। ये लोग साधारण जीवन से निकलकर अत्यंत ऊंचे मुकाम पर पहुंचने में भी सक्षम होते हैं।

मंगल गोचर धनु राशि में, मिथुन, कर्क सहित अन्य राशियों का अच्छा समय शुरू

मंगल 7 दिसंबर को धनु राशि में गोचर करेंगे। ऐसे में मंगल और गुरु के बीच समसप्तक योग भी बनेगा। मंगल ग्रह साहस, शक्ति, नेतृत्व की क्षमता, ऊर्जा आदि का कारक होता है। ऐसे में मंगल गोचर से मिथुन, कर्क सहित 5 राशियों के साहस और शक्ति में वृद्धि होगी। व्यापार में लाभ कमाएंगे और बैंक बैलेंस भी बढ़ेगा। बता दें कि मंगल धनु राशि में 16 जनवरी तक रहेंगे। ऐसे में इस अवधि के दौरान कई राशियों को भरपूर मुनाफा हो सकता है। आइए विस्तार से जानें कि मंगल के गोचर में किन-किन राशियों को मिलेगा फायदा, साल की शुरुआत में ही इन राशियों के लिए मंगल बनाएंगे हैपी न्यू ईयर।

मिथुन राशि : प्रमोशन मिलने के योग

मंगल के धनु राशि में प्रवेश करने से आपके मिथुन राशि के जीवन में कई सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं। मंगल गोचर आपकी राशि में सप्तम भाव में होगा। आप कारोबार के क्षेत्र में नई योजनाएं बना सकते हैं या नए प्रोजेक्ट पर काम करना भी शुरू कर सकते हैं। इससे भविष्य में बड़ा लाभ मिलने की संभावना है। साथ ही, आपकी पदोन्नति भी हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक मामलों में भी लाभ कमाने के अवसर प्राप्त होंगे, जिससे आपकी

आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो सकती है।

कर्क राशि : व्यवसाय के क्षेत्र में मिलेगी सफलता

आपकी राशि के छठे भाव में मंगल का गोचर होगा, जो आपके लिए बेहद लाभकारी रहने वाला है। 7 दिसंबर के बाद से कार्यक्षेत्र में आपको लाभ के कई मौके मिलेंगे। अगर लंबे समय से कोई कर्ज था तो उससे छुटकारा मिलेगा और आपके जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहेगी। आप अपने सुख-सुविधाओं में वृद्धि के लिए थोड़ा धन भी खर्च कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में विरोधी परास्त होंगे और आप अपनी समझदारी व चतुराई से सफलता प्राप्त करेंगे। व्यवसाय के क्षेत्र में कुछ फैसले आपके पक्ष में हो सकते हैं उन्नति के नए रास्ते भी खुलेंगे, जिससे बैंक बैलेंस बढ़ेगा। शिक्षा के क्षेत्र में जो विद्यार्थी किसी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं उन्हें अच्छा समाचार सुनने को मिल सकता है।

तुला राशि : करियर में मिलेगी ग्रोथ

मंगल का गोचर आपकी राशि में तीसरे भाव में होने जा रहा है। ऐसे में यह अवधि आपका गोल्डन टाइम शुरू करने वाली हो सकती है। तुला राशि के पराक्रम और साहस में वृद्धि होगी। साथ ही, आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। किसी भी मुश्किल परिस्थिति या चुनौती से आप आसानी से बाहर निकल जाएंगे और सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे। इसी के चलते मन प्रसन्न रहेगा और जीवन में खुशहाली आएगी। आपके मान-सम्मान में वृद्धि और करियर में ग्रोथ मिलने की भी संभावना है। आपको कुछ यात्राएं करने का मौका भी मिल सकता है, जिससे एक नई ताजगी महसूस करेंगे।

कुंभ राशि : बढ़ेगा बैंक बैलेंस, उन्नति के खुलेंगे मार्ग

धनु राशि में मंगल का गोचर आपके लिए बेहद लाभदायक रहने वाला है। एकादश भाव में मंगल की उपस्थिति होने से आपको अपने जरूरी कार्यों में सफलता मिलेगी और व्यावसायिक क्षेत्र में भी उन्नति के मार्ग मिलेंगे। सामाजिक क्षेत्र में आपके मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनीतिक क्षेत्र में राज्य और सरकार के साथ निकटता बढ़ने की संभावना है, जिससे आप नए लोगों के साथ भी कनेक्ट कर पाएंगी। आर्थिक लाभ होगा, जिससे बैंक बैलेंस बढ़ेगा और समाज में प्रभावशाली लोगों के साथ निकटता बढ़ सकती है। कार्यस्थल पर सहकर्मी भी आपकी प्रशंसा करेंगे और आपके नाम की ख्याति होगी। अधिकारों में वृद्धि होगी और जीवन में सुखद अनुभव प्राप्त होंगे।

मीन राशि : बढ़ेगी कमाई, अप्रत्याशित लाभ मिलेगा

मंगल का गोचर मीन राशि के दशम भाव में होने जा रहा है। ऐसे में 7 दिसंबर से लेकर 16 जनवरी की अवधि आपके लिए लकी साबित होगी। व्यवसाय के क्षेत्र में अप्रत्याशित लाभ प्राप्त हो सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी करने वालों में से कुछ जातकों को स्थानांतरण हो सकता है। नया स्थान आपके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। इससे जीवन में नए अनुभव मिलेंगे और आपके लिए सफलता के मार्ग खुलेंगे। साथ ही, प्रमोशन मिलने और कमाई बढ़ने के योग भी बने हुए हैं, जिससे मन खुश रहेगा। कार्यस्थल पर कामकाज की स्थिति बढ़िया रहेगी और आपके आत्मविश्वास में भी वृद्धि होगी।

2 दिसंबर को रखा जाएगा महीने का पहला प्रदोष व्रत

प्रदोष व्रत हर महीने की शुक्ल और कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को आता है। यह व्रत माता पार्वती और भगवान शिव को समर्पित है। इसी के साथ दिसंबर के महीने में भी दो व्रत रखे जाएंगे। यह व्रत शिव जी को प्रसन्न करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस व्रत करने वालों को सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है। ऐसी ही दिसंबर के महीने में दो प्रदोष व्रत आएंगे।

पंचांग की गणना के अनुसार, त्रयोदशी तिथि का आरंभ 2 दिसंबर को दोपहर में 3 बजकर 57 मिनट पर आरंभ होगी और 3 दिसंबर को दोपहर में 12 बजकर 23 मिनट तक त्रयोदशी तिथि रहेगी। प्रदोष व्रत को लेकर नियम है कि जब त्रयोदशी तिथि प्रदोष काल में हो तो उस दिन प्रदोष व्रत किया जाता है। ऐसे में 2 दिसंबर को प्रदोष काल में त्रयोदशी तिथि रहेगी तो 2 दिसंबर मंगलवार को ही प्रदोष व्रत किया जाएगा। इस दिन मंगलवार है तो इसे भौम प्रदोष व्रत कहा जाएगा।

दिसंबर 2025 प्रदोष व्रत पूजा का मुहूर्त

2 दिसंबर शुभ चौघड़िया शाम में 4 बजकर 39 मिनट से रहेगा और शाम में 6 बजकर 2 मिनट तक रहेगा।

2 दिसंबर को अमृत चौघड़िया शाम में 6 बजकर 2 मिनट से 7 बजकर 39 मिनट तक।

भौम प्रदोष व्रत पूजा विधि

* इस दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र पहनकर व्रत का संकल्प लें।
* इसके बाद सूर्य को जल अर्पित करके व्रत का संकल्प लें।
* फिर शाम के समय यानी प्रदोष काल की पूजा की तैयारी करें। शाम के समय शिवालिय में यानी शिव मंदिर में जाएं और भगवान शिव का दूध और जल से अभिषेक करें।
* इसके बाद शिवलिंग पर बेलपत्र, फूल, धतूरा आदि सभी सामग्री अर्पित करें।
* इसके बाद भगवान शिव के मंत्रों का जप करे और इसके बाद भगवान को भोग लगाकर उनकी आरती करें।
* सभी को प्रसाद देकर व्रत का पारण करें।

धृतराष्ट्र जन्म से क्यों अंधे थे और क्यों मारे गए उनके सौ पुत्र

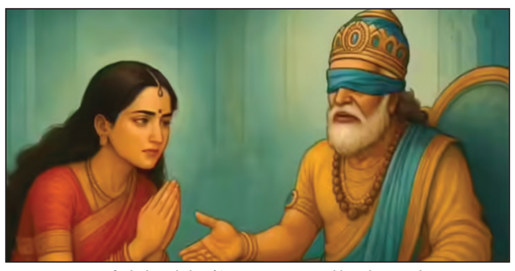

कुछ कर्म ऐसे होते हैं कि उन कर्मों को करने के साथ ही उनका फल तत्काल नहीं मिलता। उनका फल मिलने में समय लगता है। उन कर्मों के फल को पकने में समय लगता है, तब तक वे कच्चे रहते हैं और जब तक कर्म फल नहीं मिल जाता तब तक वे खाते में जमा रहते हैं, संचित रहते हैं और इसीलिए उन्हें संचित कर्म कहा जाता है। उदाहरण के लिए आपने आज परीक्षा दी, एक महीने बाद उसका परिणाम घोषित होगा। आपने इस जन्म में संगीत विद्या की उपासना के लिए परिश्रम किया, अगले जन्म में बचपन से ही आप उत्तम संगीत का गान कर सको। इसी प्रकार कितने ही वर्तमान क्रियमाण कर्मों का तात्कालिक फल प्राप्त नहीं होता। परंतु समय पाकर जब वे पक जाते हैं तब फल देते हैं, तब तक वे संचित कर्मों में जमा पड़े रहते हैं।

पीछे के जन्मों का प्रभाव आगे-आगे जन्मों में देखने को मिलता है। जब राजा धृतराष्ट्र के सौ पुत्र एक साथ मृत्यु को प्राप्त हुए तो राजा ने भगवान श्रीकृष्ण से पूछा कि मैंने अपने जीवन में ऐसा कोई भयंकर पाप तो किया नहीं कि जिसके फलस्वरूप मेरे सौ के सौ पुत्र एक साथ मारे गये। तब श्रीकृष्ण ने उन्हें अपने पिछले जन्मों पर दृष्टिपात करने के लिए दिव्य दृष्टि प्रदान की। वहां उन्होंने देखा कि इससे पचास जन्म पहले वे एक बहेलिया थे और वृक्ष पर बैठे हुए पक्षियों को पकड़ने के लिए उन्होंने एक वृक्ष के ऊपर एक सुलगता हुआ जाल फेंका।

उससे बचकर कितने ही पक्षी उड़ गये। परंतु जलते हुए जाल की गर्मी के कारण वे अंधे हो गये और बाकी में से सौ नन्हें पक्षी जलकर खाक हो गये । ये क्रियमाण कर्म पचास जन्मों तक संचित कर्मों में बिना पके पड़े रहे और जब राजा के अनेक पुण्यों के परिणामस्वरूप उन्हें इस जन्म में सौ पुत्र प्राप्त हुए तब वे संचित कर्म फल देने के लिए तत्पर हुए और इसी से उनके जीवन में अंधापन आया तथा उनके सौ पुत्र भी मर गये। पचास जन्मों के बाद भी उनके क्रियमाण कर्मों ने उनका पीछा नहीं छोड़ा । सौ पुत्र उत्पन्न हों इतना पुण्य कमाने तक ये कर्म राह देखते रहे, संचित कर्मों के खाते में जमा पड़े रहे और उचित समय आने पर तत्काल रत्तीमात्र विलंब किये बगैर फल देकर वे शांत हो गये, यानि इतने वर्षों बाद हिसाब बराबर हुआ। ज्योतिष शास्त्र भी आपके पीछे के जन्मों की गाथा है, जो पिछले जन्मों के आधार पर वर्तमान तथा भविष्य का बखान करता है।

गुरु गोचर मिथुन राशि में, सिंह सहित निम्न राशियां बनेंगे धनवान

गुरु गोचर मिथुन राशि में 5 दिसंबर को होने जा रही है। गुरु वक्री चाल के साथ मिथुन राशि में प्रवेश कर जाएंगे। 5 दिसंबर से 11 मार्च तक गुरु मिथुन राशि में वक्री चाल से ही चलेंगे। इसके बाद गुरु मिथुन राशि में ही मार्गी (सीधी चाल) चाल से चलेंगे और 30 मई तक मिथुन राशि में मार्गी रहकर 1 जून को कर्क राशि में वापस लौट आएंगे। अब गुरु के मिथुन राशि में गोचर करने से मार्च 2026 तक 5 राशियों को लाभ मिलने वाला है। गुरु इन राशियों को लाभ के साथ साथ ढेर सारी खुशियां भी प्रदान करने वाले हैं। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, जिन लोगों की कुंडली में गुरु वक्री होकर बैठे हैं उनके लिए गुरु का यह गोचर विशेष रूप से अनुकूल रहेगा।

मिथुन राशि – खुद को समझने का मौका मिलेगा

मिथुन राशि के जातकों के लिए गुरु का गोचर उनके पहले भाव में होने जा रहा है। ऐसे में गुरु के गोचर से आपकी हेल्थ, पर्सनालिटी में बदलाव देखने को मिलेगा। साथ ही खुद पर काम करने के लिए यह सबसे अच्छा समय साबित होगा। आप इस दौरान खुद को बेहतर ढंग से समझेंगे जोकि आपके भविष्य के लिए बहुत ही अच्छा साबित होगा।

सिंह राशि– को मिलेंगे सच्चे दोस्त

गुरु का यह गोचर सिंह राशि के जातकों को जीवन की हकीकत से रूबरू कराएगा। इस अवधि के दौरान आपसे वो सभी दोस्त दूर हो जाएंगे जो आपका फायदा उठाते थे। अब आपको अपने सच्चे दोस्त मिलेंगे। आपको सामाजिक स्तर पर भी पहचान मिलेगी। साथ ही आपको छोटे-छोटे लाभ के अवसर भी मिलते रहेंगे। इसी के साथ आपको अपने बड़े भाई बहनों से अच्छा लाभ मिल सकता है।

मकर राशि – को मिलेगी समस्या का समाधान

गुरु गोचर का गोचर मकर राशिवालों के छठे भाव में होने जा रहा है। ऐसे में गुरु अब मकर राशि के जातकों को हिल करेंगे। पिछले काफी समय से जिन चीजों को लेकर आप परेशान थे उन सभी मुश्किलों का समाधान मिलेगा। साथ ही अब आपको पुरानी बीमारियों से छुटकारा मिलेगा फिर भी सेहत को नजरअंदाज न करें। आपको सलाह है कि बिना बात के किसी से भी कर्ज लेने से बचें।

कुंभ राशि – क्रिएटिविटी अच्छी रहेगी

गुरु का गोचर कुंभ राशिवालों के पांचवें भाव में रहेगा। ऐसे में गुरु कुंभ राशिवालों के अंदर छिपे बच्चे को बाहर निकालने में सफल रहेंगे। अब आपकी क्रिएटिविटी पहले से काफी अच्छी रहेगी। जिसका लाभ आपको कामकाज में मिलेगा। इस समय आप खुद को बेहतर ढंग से समझेंगे। हालांकि, आपको अपनी लव लाइफ को लेकर थोड़ी सावधानी रखनी होगी।

मीन राशि– माता के साथ रिश्ते मजबूत होंगे

मीन राशि के लोगों के लिए गुरु का गोचर आपके चौथे भाव में होने जा रहा है। ऐसे में इस अवधि में आप काफी भावुक महसूस कर सकते हैं। साथ ही आपको अपने लोगों के साथ जुड़ने का अच्छा मौका मिलेगा। आपके अपनी माता के साथ रिश्ते पहले से भी कहीं ज्यादा मजबूत होंगे। अपना माता के साथ अधिक समय बीताएं जिससे आपके परिवार के साथ भी रिश्ते अच्छे बने रहेंगे।

वो मेरे लिए सब कुछ थे, धर्मेंद्र के निधन के बाद पहली बार हेमा मालिनी ने बयां किया अपना दर्द

बॉलीवुड डीवा हेमा मालिनी के लिए ये समय असहनीय पीड़ा से भरा है। उन्होंने अपने सबसे प्यारे शख्स को जाते हुए देखा है, जिसके लिए उन्होंने अपने परिवार से लड़कर शादी की थी। धर्मेंद्र देओल के निधन के बाद पहली बार हेमा मालिनी ने अपना दुख व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है। हेमा मालिनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपने पति और अभिनेता धर्मेंद्र के जाने पर उनकी जिंदगी में आए खालीपन और एक अभिनेता के तौर पर हिंदी सिनेमा में उनकी सफलता को याद किया है। एक्ट्रेस ने लिखा, धरम जी, मेरे लिए बहुत कुछ थे। एक प्यारे पति, हमारी दो बेटियों, ईशा और अहाना के लाड़ले पिता, दोस्त, मार्गदर्शक, कवि, और हर मुश्किल घड़ी में मेरा सबसे पहले साथ देने वाले इंसान, वो मेरे लिए सब कुछ थे। उन्होंने हमेशा अच्छे-बुरे वक्त में मेरा साथ दिया है।

उन्होंने आगे लिखा, अपने सहज, मिलनसार व्यवहार से और हमेशा सभी के प्रति स्नेह और रुचि दिखाते हुए उन्होंने मेरे परिवार के सभी सदस्यों को अपना बना लिया था। सार्वजनिक तौर पर भी अपनी लोकप्रियता और सफलता के बाद भी उनकी विनम्रता ने सभी दिग्गजों और फैंस के बीच उन्हें हमेशा के लिए स्थापित किया है। हिंदी सिनेमा में उनकी सफलता और लोकप्रियता हमेशा स्थाई बनी रहेगी।

जिंदगी भर के साथ और अभूतपूर्व प्यार को याद करते हुए हेमा ने आगे लिखा, मेरा व्यक्तिगत नुकसान अवर्णनीय है, मेरे जीवन में जो शून्य आया, वो जीवन भर रहेगा। सालों के साथ के बाद, मेरे पास उन खास पलों को फिर से जीने के लिए ढेरों यादें बची हैं। हेमा मालिनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने और धर्मेंद्र देओल के प्यार भरे पलों को याद भी किया है और ढेर सारी फोटोज पोस्ट की हैं।

बता दें कि धर्मेंद्र देओल का निधन 24 नवंबर को हुआ था। निधन के तुरंत बाद ही आनन-फानन में अभिनेता का अंतिम संस्कार कर दिया गया। एक्टर काफी समय से उम्र संबंधी परेशानियों से जूझ रहे थे और मुंबई के कैंडी ब्रीच अस्पताल में भर्ती थे। उनके आखिर समय में डॉक्टर ने उन्हें स्थिर बताते हुए अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया था। हालांकि, 5 दिन बाद ही उन्होंने अपने जुहू वाले घर में अंतिम सांस ली।

धर्मेंद्र देओल और हेमा मालिनी के प्यार की शुरुआत फिल्मी सेट से हुई थी। शादीशुदा होने के बाद भी धर्मेंद्र हेमा मालिनी को पसंद करने लगे थे। उनके साथ ज्यादा समय बिताने के लिए वे फिल्मों में उनके अपोजिट रोल लेते थे और निर्माता और निर्देशक पर हेमा मालिनी को फिल्मों में लेने का दबाव भी बनाते थे। धीरे-धीरे सेट पर साथ समय बिताने के बाद हेमा मालिनी को भी धर्मेंद्र से प्यार हो गया। धर्मेंद्र पहले से शादीशुदा थे, इसलिए दूसरी शादी करने के लिए उन्होंने इस्लाम कबूल किया और फिर शादी की।

सोहा अली खान ने घर पर उगाई माइक्रोग्रीन्स

अभिनेत्री सोहा अली खान अपनी फिटनेस और हेल्दी लाइफस्टाइल को लेकर काफी सक्रिय रहती हैं। सोशल मीडिया पर वह अपनी हेल्दी डाइट से जुड़ी बातों को अपने फैंस से शेयर करती रहती हैं। अब उन्होंने घर में हेल्दी माइक्रोग्रीन्स उगाना शुरू किया है। अभिनेत्री ने गुरुवार को इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में उनके घर के गार्डन में हरे-भरे माइक्रोग्रीन्स (बहुत छोटे-छोटे अंकुरित पत्तेदार साग) लगे दिख रहे हैं। ये पौधे अभी कुछ इंच ही ऊंचे हैं, लेकिन इनमें पोषक तत्व बहुत ज्यादा होते हैं। वीडियो पोस्ट कर अभिनेत्री ने लिखा, मैं अपने माइक्रोग्रीन्स उगा रही हूं, जल्द इसके बारे में बताऊंगी।माइक्रोग्रीन्स को आम बोलचाल की भाषा में 'अंकुरित साग' कहते हैं। यह एक तरह के छोटे, नव विकसित पौधे होते हैं, जो सब्जियों, अनाज और हर्ब्स (जड़ी-बूटियों) से उगाए जाते हैं। इन्हें उगाने के 7-21 दिन के बाद काटा जाता है।

अमेरिकी नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसन के अनुसार, माइक्रोग्रीन्स में विटामिन, मिनरल और अन्य स्वास्थ्यवर्धक यौगिक (जैसे विटामिन-सी, विटामिन-ई आदि) अधिक मात्रा में पाए जाते हैं, जो कि सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। यही वजह है कि आजकल सेलिब्रिटी और फिटनेस लवर्स इन्हें अपनी डाइट में शामिल कर रहे हैं।

सोहा अली खान लंबे समय से बाहर का जंक फूड अवॉइड करती हैं और ज्यादातर घर का बना पौष्टिक खाना खाती हैं। वह योगा, वर्कआउट और अच्छी नींद को भी अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाती हैं।सोहा इन दिनों 'ऑल अबाउट हर' नाम का पॉडकास्ट कर रही हैं। इसमें कामकाजी महिलाओं की परेशानियां, दफ्तर और घर के बीच संतुलन बनाने की कोशिश, निवेश और मेंटल हेल्थ को मैनेज करने के तरीकों जैसे विषयों पर बातें होती हैं। इस पॉडकास्ट में अलग-अलग क्षेत्रों की जानी-मानी महिलाएं आ रही हैं।

पर्दे पर री-रिलीज के लिए तैयार रंगीला

इसी फिल्म से बॉलीवुड में एआर रहमान को मिला था ब्रेक

साल 1995 में आई आमिर खान, जैकी श्रॉफ और उर्मिला मातोंडकर की फिल्म 'रंगीला' तो आपको याद होगी। फिल्म अपने समय में ब्लॉकबस्टर रही थी और अब फिल्म को दोबारा पर्दे पर रिलीज करने का फैसला लिया गया है। फिल्म 28 नवंबर को सिनेमाघरों में दोबारा रिलीज होगी और इस बात की जानकारी खुद उर्मिला मातोंडकर और आमिर खान ने दी है। उर्मिला मातोंडकर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें आमिर खान फिल्म 'रंगीला' के री-रिलीज की जानकारी दे रहे हैं। वीडियो में एक्टर ने कहा, हमारी फिल्म 'रंगीला' सिनेमाघरों में री-रिलीज हो रही है। मैंने फिल्म में मुन्ना का किरदार निभाया था, जो मेरा फेवरेट था। इस फिल्म में राजेश जोशी नाम के एक्टर भी थे, जिन्हें हमने बाइक एक्सीडेंट में खो दिया। अभिनेता ने फिल्म से जुड़ी कई बातों का जिक्र किया।

बता दें कि फिल्म 'रंगीला' 8 सितंबर 1995 को रिलीज हुई थी और फिल्म के 30 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में फिल्म को री-रिलीज करने का फैसला लिया गया है। 1995 में बनी 'रंगीला' सुपरहिट फिल्म थी। फिल्म का बजट लगभग 4.5 करोड़ रुपए था, लेकिन फिल्म ने रिलीज के बाद घरेलू स्तर पर लगभग 20.22 करोड़ की कमाई की। फिल्म का वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 33.4 करोड़ रुपए रहा था। साल 1995 में किसी फिल्म की इतनी कमाई ही उसे सुपरहिट बनाती थी। उस वक्त 100 करोड़ या 1000 करोड़ के कलेक्शन का ट्रेंड नहीं था। कमाई के साथ-साथ फिल्म ने कई अवॉर्ड भी अपने नाम किए।

फिल्म को 14 फिल्मफेयर नॉमिनेशन मिले और 7 अवॉर्ड्स जीते। रंगीला के लिए उर्मिला को बेस्ट एक्ट्रेस, आमिर खान को बेस्ट एक्टर, जैकी श्रॉफ को बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर और राम गोपाल वर्मा को बेस्ट फिल्म का अवॉर्ड मिला था। इस फिल्म की कहानी, निर्देशन और निर्माण तीनों ही राम गोपाल वर्मा ने किए हैं।

फिल्म के गानों में सिंगर एआर रहमान ने आवाज और म्यूजिक दिया है। खास बात ये है कि रंगीला फिल्म एआर रहमान की पहली हिंदी डेब्यू फिल्म है। इससे पहले वे तमिल और हिंदी वर्जन फिल्मों में अपनी आवाज देते थे। इस फिल्म में कुछ नौ गानों को फिल्माया गया है, जिसमें हो जा रंगीला रे, क्या करें या ना करें, और मंगता है क्या जैसे गाने आज भी लोगों की जुबान पर बने हुए हैं।

दिल्ली क्राइम 3 की सफलता का लुत्फ उठा रही शेफाली शाह, बोलीं

दर्शकों का प्यार उम्मीदों से ज्यादा

अभिनेत्री शेफाली शाह हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज 'दिल्ली क्राइम सीजन 3' की सफलता का आनंद उठा रही हैं। दर्शक उनकी दमदार अदाकारी की सराहना कर रहे हैं। इस कड़ी में शेफाली ने दर्शकों का आभार जताया। शेफाली शाह ने कहा, ''मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे अपने करियर में ऐसे रोल मिले, जिन्होंने न सिर्फ मुझे चुनौती दी, बल्कि दिल की गहराइयों को भी छुआ। 'दिल्ली क्राइम' का गंभीर किरदार, 'डार्लिंग्स' में निभाया गया जटिल रोल और करियर की शुरुआती फिल्म 'सत्या' के अनुभव... इन सभी ने मेरे अभिनय को नई दिशा दी। इन भूमिकाओं को दर्शकों से जितना प्यार मिला, वह मेरी उम्मीदों से कहीं ज्यादा है। हर किरदार ने मुझे एक अलग तरह से बदला, एक कलाकार के रूप में संवारा और यह सफर मेरे लिए बेहद सीखने का अवसर रहा।'' उन्होंने कहा, ''जब मैं अपने सफर के बारे में बात करती हूं, तो मुझे हमेशा याद आता है कि मैंने स्टोरीटेलिंग से प्यार क्यों किया था। मेरे लिए अभिनय सिर्फ काम नहीं, बल्कि एक एहसास है, जो लगातार सीखने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। जब दर्शक मेरे अभिनय को समझते हैं, महसूस करते हैं और उसकी सराहना करते हैं, तो यह एक कलाकार के तौर पर बहुत भावुक और संतोष देने वाला अनुभव होता है। इसी वजह से मैं आईएफपी के प्लेटफॉर्म पर दर्शकों से मिलकर अपने अनुभव साझा करने के लिए उत्साहित हूं।''

बता दें कि आईएफपी महोत्सव में हर साल बॉलीवुड के जाने-माने कलाकार, निर्देशक और उद्योग विशेषज्ञ वक्ता, मेंटर्स और जजों के रूप में शामिल होते हैं। यह नए और स्वतंत्र फिल्म निर्माताओं, लेखकों और कंटेंट क्रिएटर्स को अपना काम दिखाने के लिए एक बड़ा मंच प्रदान करता है। यहां से कई उभरते हुए टैलेंट को बॉलीवुड और ओटीटी प्लेटफार्मों में काम करने का मौका मिलता है।

शेफाली ने कहा कि आईएफपी ने ऐसा माहौल बनाया है जहां कलाकार और दर्शक एक-दूसरे से ईमानदारी के साथ जुड़ते हैं। यह मंच क्रिएटर्स को न सिर्फ अपनी कला दिखाने का अवसर देता है, बल्कि विचारों का ऐसा खुला आदान-प्रदान करवाता है जो उन्हें और भी बेहतर बनाने में मदद करता है। इसी कारण वह इस साल के आयोजन का हिस्सा बनने को लेकर बेहद खुश और रोमांचित हैं।

आईएफपी सीजन 15 इस बार 29 और 30 नवंबर को मुंबई के मशहूर महबूब स्टूडियो में आयोजित होने जा रहा है। यह दो दिन का बड़ा आयोजन देशभर के कलाकारों, फिल्मकारों, कंटेंट क्रिएटर्स और नए प्रयोग करने वाले रचनात्मक लोगों को एक मंच पर लाएगा। हर साल की तरह इस बार भी आईएफपी में ऐसे कई प्रतिभाशाली चेहरे शामिल होंगे, जिनके काम और विचार भारतीय क्रिएटिव इंडस्ट्री का भविष्य तय कर रहे हैं। यह आयोजन उन सभी लोगों के लिए खास है, जो नई कहानियों, नए संगीत, नए विचारों और नए प्रयोगों की तलाश में रहते हैं।

स्टारडम के पीछे की सच्चाई : अर्जुन रामपाल ने झेला ऐसा संघर्ष कि घर चलाना हुआ मुश्किल

बॉलीवुड में कई सितारे ऐसे रहे हैं, जिन्हें देखने पर लगता है कि उनकी जिंदगी शुरू से ही चमक और शोहरत से भरी रही होगी। अर्जुन रामपाल भी उन्हीं चेहरों में से एक हैं। मॉडल जैसी पर्सनैलिटी देखकर कोई भी कहेगा कि उनका सफर बहुत आसान होगा। लेकिन, असलियत इससे बिल्कुल अलग है। शुरुआत में अर्जुन को ऐसे दौर से गुजरना पड़ा, जब रोजमर्रा का खर्च चलाना भी उनके लिए मुश्किल हो जाता था। यह संघर्ष उनकी जिंदगी का ऐसा पहलू है, जिसे बहुत कम लोग जानते हैं।

अर्जुन रामपाल का जन्म 26 नवंबर 1972 को मध्य प्रदेश के जबलपुर में हुआ था। उनका परिवार मिलिट्री बैकग्राउंड से जुड़ा था। उनके नाना ब्रिगेडियर गुरदयाल सिंह भारतीय सेना के लिए पहली आर्टिलरी गन डिजाइन करने वाली टीम का हिस्सा थे। अर्जुन जब काफी छोटे थे, तब उनके माता-पिता का तलाक हो गया था। इसके बाद उनका पालन-पोषण उनकी मां ने किया, जो एक स्कूल टीचर थीं। स्कूल की शिक्षा महाराष्ट्र में हुई और आगे की पढ़ाई के लिए वह दिल्ली आ गए और यहां पर दिल्ली यूनिवर्सिटी के हिंदू कॉलेज से अर्थशास्त्र में ग्रेजुएशन किया।

एक दिन पार्टी में अर्जुन की मुलाकात फैशन डिजाइनर रोहित बल से हुई और उन्होंने मॉडलिंग करने का ऑफर दिया। देखते ही देखते वह भारत के टॉप मॉडल्स में गिने जाने लगे। साल 1994 में उन्हें मॉडलिंग के लिए 'सोसाइटी फेस ऑफ द ईयर' अवॉर्ड भी मिला। लेकिन, हर चमक के पीछे एक कहानी होती है। मॉडलिंग में नाम बनाने के बावजूद कमाई बहुत अनियमित थी। अर्जुन ने एक इंटरव्यू में खुद बताया था कि फिल्मों में आने की कोशिशों के दौरान उनकी हालत ऐसी हो गई थी कि कई बार उनके पास खाना खरीदने तक के पैसे नहीं होते थे। दिखने में मॉडल जैसे पर जिंदगी में वह संघर्ष कर रहे थे कि घर कैसे चलेगा, आने वाले दिनों में काम मिलेगा भी या नहीं।ऐसे ही संघर्ष भरे दिनों में अर्जुन को अपनी पहली फिल्म 'मोक्ष' मिली, लेकिन यह फिल्म बनने में पांच साल लग गए। इस बीच उन्होंने मॉडलिंग छोड़ दी थी और कोई तय काम भी नहीं था। आखिरकार 2001 में उनकी पहली रिलीज फिल्म 'प्यार इश्क और मोहब्बत' आई। यह फिल्म भले बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली, लेकिन अर्जुन की एक्टिंग की जमकर तारीफ हुई। इसी फिल्म के लिए उन्हें आईफा का फेस ऑफ द ईयर अवॉर्ड मिला। इसके बाद उन्हें लगातार फिल्में मिलने लगीं। अर्जुन ने 'दीवानापन,' 'दिल का रिश्ता,' और 'वादा' जैसी फिल्मों में रोमांटिक भूमिकाएं निभाईं, जिन्हें दर्शकों ने पसंद तो किया, लेकिन ये फिल्में खास हिट नहीं हो सकीं। फिर भी अर्जुन के लुक और अभिनय ने इंडस्ट्री में पकड़ को बनाए रखा।

अर्जुन के करियर में बड़ा मोड़ 2006 और 2007 के बीच आया। शाहरुख खान की फिल्म 'डॉन' में उनका किरदार लोगों के बीच चर्चा का विषय बना। लेकिन, असली पहचान उन्हें 'ओम शांति ओम' में निभाए गए खलनायक के रोल से मिली। उन्हें खतरनाक विलेन के रूप में देखकर दर्शक हैरान रह गए। इसके बाद 2008 में आई 'रॉक ऑन' में उन्होंने एक रॉकस्टार की भूमिका निभाई, जिसके लिए उन्होंने असली गिटार सीखने में महीनों लगाए।इस फिल्म ने न सिर्फ उनके करियर में नई जान डाली, बल्कि उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार और फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

ख़ुश हो जाएँ क्योंकि अच्छा समय आने वाला है और आप स्वयं में अतिरिक्त ऊर्जा का अनुभव करेंगे। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। आपके परिवार वाले किसी छोटी–सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं । कार्यालय में कोई आपको कुछ बढ़िया चीज़ या ख़बर दे सकता है। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना–जुलना होगा। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कुछ बेहतरीन पल गुज़ार सकेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे– लेकिन ख़र्च में इज़ाफ़ा आपके लिए बचत को और ज़्यादा मुश्किल बना देगा। दोस्तों के साथ कुछ दिलचस्प और रोमांचक समय बिताने के लिए अच्छा समय है। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल–जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। जो लोग अब तक किसी काम में व्यस्त थे आज उन्हें अपने लिए समय मिल सकता है लेकिन घर में किसी काम के आ जाने से आप फिर से व्यस्त हो सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

नियमित व्यायाम के माध्यम से वज़न को नियन्त्रित रखें। अगर आपको लगता है कि आपके पास पर्याप्त धन नहीं है तो आज घर के किसी बड़े से धन संचित करने की सलाह लें। घर पर आपके बच्चे आपके सामने किसी समस्या को तिल का ताड़ बनाकर पेश करेंगे– कोई भी क़दम उठाने से पहले तथ्यों की भली–भांति पड़ताल कर लें। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता–पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है। आपका जीवनसाथी आज आपके लिए कुछ बहुत ख़ास करने वाला है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

जो लोग अपने करीबियों या रिश्तेदारों के साथ मिलकर बिजनेस कर रहे हैं उन्हें आज बहुत सोच समझकर कदम रखने की जरुरत है नहीं तो आर्थिक नुक्सान हो सकता है। आपको अपनी एक–सी दिनचर्या से थोड़ी छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ सैर–सपाटा करने की ज़रूरत है। आपकी मुलाक़ात एक ऐसे दोस्त से होगी, जिसे आपका ख़याल है और जो आपको समझता भी है। जो लोग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें दिमाग़ शांत रखने की ज़रूरत है। परीक्षा की घबराहट को हावी न होने दें। आपका प्रयास सकारात्मक परिणाम ज़रूर देगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। आप ख़ुद को नए रोमांचक हालात में पाएंगे– जो आपको आर्थिक फ़ायदा पहुँचाएंगे। कामकाज के नज़रिए से आज का दिन वाक़ई सुचारू रूप से चलेगा। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं जीवनसाथी द्वारा परिवार और मित्रों के बीच नकारात्मक तरीक़े से आपके वैवाहिक जीवन की निजी बातें उजागर हो सकती हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। बिना किसी अनुभवी शख्स की सलाह के आज ऐसा कोई भी काम न करें जिससे आपको आर्थिक हानि हो। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है।लंबित परियोजनाएँ पूरी होने की दिशा में बढ़ेंगी। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा। आपके प्रेम को देखकर आज आपका प्रेमी गदगद हो जाएगा। जीवनसाथी के साथ वाद–विवाद होने की काफ़ी संभावना है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

सेहत बढ़िया रहेगी। आर्थिक दृष्टि से आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। आज आपको धन लाभ तो हो सकता है लेकिन इसके लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। ऐसा कोई जिसे आप जानते हैं, आर्थिक मामलों को ज़रूरत से ज़्यादा गंभीरता से लेगा और घर में थोड़ा–बहुत तनाव भी पैदा होगा। आज आपका प्रेमी अपने मनोभावों को आपके सामने खुलकर नहीं रख पाएगा जिसकी वजह से आपको खिन्नता होगी। सहकर्मी मदद के लिए हाथ बढ़ा सकते हैं, लेकिन वे ज़्यादा सहायता नहीं कर पाएंगे। शापिंग को लेकर जीवनसाथी से तक़रार मुमकिन है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपना आत्मविश्वास फिर से हासिल करने के लिए अपनी बात खुल कर कहें । आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। आज दिन में कुछ समय आप अपने लिए जरुर निकाल पाएंगे। लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। अगर आप अपने प्रिय को पर्याप्त समय न दें, तो वह नाराज़ हो सकता/सकती है। अगर परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ न आए, तो निराश न हों। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना–देना नहीं है। अपने जीवनसाथी के साथ प्यार–मुहब्बत के लिए काफ़ी वक़्त मिलेगा, लेकिन सेहत गड़बड़ हो सकती है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

नया आर्थिक क़रार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ़ आएगा। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। कई लोगों के लिए आज की रोमांटिक शाम ख़ूबसूरत तोहफ़ों और फूलों से भरपूर रहेगी। आपको कार्यक्षेत्र में अच्छे फल पाने के लिए अपने काम करने के तरीके पर गौर करने की जरुरत है नहीं तो आप बॉस की नजरों में आपकी नकारात्मक छवि बन सकती है। व्यापार मे प्रदर्शनी आदि आपको नई जानकारियाँ और लाभ कराएंगे। यह दिन दाम्पत्यजीवन के लिए खुशनुमा रहेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपके पास अपनी सेहत को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। ख़र्चों में हुई अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी आपके मन की शांति को भंग करेगी। आज का दिन ख़ुशियों से भरा रहेगा, क्योंकि आपका जीवन–साथी आपको ख़ुशी देने का हर प्रयास करेगा। अपने प्रिय को आज निराश न करें– क्योंकि ऐसा करने की वजह से बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। आज आपने जो नई जानकारी हासिल की है, वह आपको अपने प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिलाएगी। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई–बहनों के साथ घर पर पार्टि का लुत्फ उठा सकते है। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इजाफा होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने जीवनसाथी के साथ धन से जुड़े किसी मामले को लेकर आज आपका झगड़ा हो सकता है। हालांकि अपने शांत स्वभाव से आप सबकुछ ठीक कर देंगे। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की ज़रूरत है। प्यार के सकारात्मक संकेत आपको मिलेंगे। अगर आप कई दिनों से कामकाज में दिक़्क़त महसूस कर रहे हैं, तो आज के दिन आपको राहत महसूस हो सकती है। कोई रोचक मैगजीन या उपन्यास पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। आज के दिन आप वैवाहिक जीवन का आनंद ले सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 28 नवंबर 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : मार्गशीर्ष , शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी रात्रि 01:47 तक
नक्षत्र : शतभिषा रात्रि 04:20 तक
योग : व्याघात दोपहर 12:35 तक
करण : विष्टि दोपहर 01:59 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 06:28, सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:24, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:18, सूर्यास्त 05:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:18, सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : दुर्गा अष्टमी, भद्रा दोपहर 12:29 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
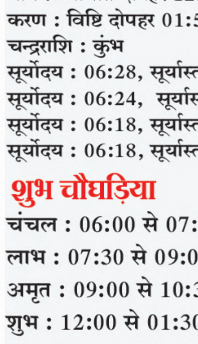
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश, शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

उर्वरक की कालाबाजारी एवं अवैध भंडारण के मामलों में किए जाएं लाइसेंस रद्द : भजनलाल

जयपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में इस बार अच्छी वर्षा होने से किसानों ने रबी फसलों की अग्रिम बुवाई की है। उन्होंने कहा कि किसानों की उर्वरक की मांग के अनुरूप पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है तथा किसानों को समय पर उर्वरक आपूर्ति में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में रबी सीजन - 2025 में उर्वरक के आवंटन, आपूर्ति एवं वर्तमान उपलब्धता की स्थिति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने सभी जिलों में उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखते हुए आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शर्मा ने कहा कि कई बार सही जानकारी के अभाव के कारण किसान आवश्यकता से पहले ही अधिक मात्रा में उर्वरक खरीदते हैं। इसलिए सभी जिलों में किसानों को उर्वरक की उपलब्धता की नियमित जानकारी दी जाए तथा विश्वास दिलाया जाए कि उन्हें सरकार समय पर पर्याप्त उर्वरक की आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। उन्होंने उर्वरक की आपूर्ति संबंधी समस्या दर्ज कराने के लिए सम्पर्क नम्बर जारी करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुदानित यूरिया के गैर कृषि कार्यों तथा अन्य औद्योगिक गतिविधियों में उपयोग पर पूरी तरह से अंकुश लगाया जाए। उर्वरकों की कालाबाजारी एवं अवैध भंडारण के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए तथा ऐसे मामलों में लिप्त विक्रेताओं के लाइसेंस रद्द किए जाएं। शर्मा ने कहा कि प्रदेश से अन्य राज्यों में उर्वरक के परिगमन को रोकने के लिये सीमावर्ती जिलों में सख्त निगरानी की जाए। साथ ही, प्रदेश में अधिक से अधिक ग्राम सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से उर्वरक क्रय एवं वितरण के लिए समितियों का सुदृढ़ीकरण किया जाए।

बैठक में बताया गया कृषि विभाग ने उर्वरक की कालाबाजारी एवं अवैध भण्डारण के खिलाफ सख्त कार्यवाही करते हुए 1 अप्रेल 2025 से अब तक 11634 औचक निरीक्षण किए हैं। इसके अन्तर्गत कालाबाजारी के मामलों में 589 कारण बताओ नोटिस, 77 अनुज्ञापत्र निलंबन/निरस्तीकरण तथा 47 एफआईआर दर्ज की गई हैं। वहीं, अवैध भंडारण के मामलों में 30 कारण बताओ नोटिस, 24 अनुज्ञापत्र निलंबन/निरस्तीकरण एवं 27 एफआईआर दर्ज की गई हैं। इसके साथ ही, अमानक गुण-वत्ता एवं उर्वरक डायवर्जन के मामलों में भी कार्रवाई की गई है।

ऑपरेशन चक्रव्यूह की बड़ी सफलता

प्रतापगढ़ पुलिस ने दो दिन में 89 लाख से अधिक का अवैध डोडाचूरा जब्त किया

प्रतापगढ़, 27 नवंबर (एजेंसियां)। जिला पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ बी. आदित्य के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर नकेल कसने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत प्रतापगढ़ पुलिस ने दो अलग-अलग कार्यवाहियों में भारी मात्रा में अवैध अफीम डोडाचूरा जब्त किया है। मात्र दो दिनों के भीतर हुई इन कार्यवाहियों में कुल 5 क्विंटल 94 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा जब्त किया गया है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग ₹89 लाख 8 हजार रुपये है। पुलिस ने परिवहन में प्रयुक्त दो वाहन और एक मोटरसाईकिल जब्त करते हुए दो अभियुक्तों को भी गिरफ्तार किया है।

गुरुवार 27 नवम्बर को ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत थानाधिकारी प्रतापगढ़ दीपक बंजारा मय टीम गत संचई से अखेपुर की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते पर गश्त कर रहे थे। इस दौरान एक मोटरसाईकिल पर दो व्यक्ति स्कोर्टिंग करते दिखे, जिनमें से पीछे बैठा व्यक्ति पुलिस को देखकर खेतों की तरफ भाग गया। टीम ने मोटरसाईकिल चालक गोविन्द पुत्र मुकन मीणा निवासी अखेपुर को पकड़ा। पीछे आ रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक ने भी पुलिस को देखकर ट्रॉली छोड़कर खेतो में भाग गया। ट्रॉली की तलाशी लेने पर उसमें काले रंग के 17 कट्टों में कुल 3 क्विंटल 38 किलो 890 ग्राम अवैध डोडाचूरा पाया गया। पुलिस ने डोडाचूरा, परिवहन में प्रयुक्त ट्रैक्टर-ट्रॉली और स्कोर्टिंग में प्रयुक्त मोटरसाईकिल को जब्त कर अभियुक्त गोविन्द मीणा को गिरफ्तार किया।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग को बड़ा झटका : 6161 गैंग सरगना प्रदीप गुर्जर गुड़गांव से गिरफ्तार

जयपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स राजस्थान की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े एक सक्रिय सदस्य और हार्डकोर बदमाश प्रदीप गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी प्रदीप पुत्र दाता राम निवासी रावतों की ढाणी वार्ड नंबर 15 कोटपूतली का रहने वाला है। उसे गुड़गांवा की एक पॉश सोसायटी से गिरफ्तार किया गया। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एजीटीएफ श्री दिनेश एमएन ने बताया कि हार्डकोर बदमाश प्रदीप गुर्जर कुख्यात 6161 गैंग का सरगना है। यह गैंग मुख्य रूप से हाईवे पर स्थित होटल संचालकों को निशाना बनाकर उनसे जबरन रंगदारी वसूलने के लिए कुख्यात है। एजीटीएफ की यह कार्रवाई राज्य में संगठित अपराध और लॉरेंस बिश्नोई नेटवर्क के खिलाफ एक महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है।

इस गैंग का इतिहास भीलवाड़ा में हरी तंवर से शुरू हुआ था, जिसकी कमान बाद में विनोद मांडली और फिर उसकी हत्या के बाद प्रदीप रावत ने संभाल ली थी। प्रदीप गुर्जर गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के सहयोगी सचिन थापन के लिए एक सक्रिय कड़ी के रूप में काम कर रहा था। वह कोटपूतली, बहरोड, बानसूर, भीलवाड़ा और गुड़गांवा के युवकों को संगठित कर रहा था।

इस गैंग का मुख्य कार्य हाईवे पर स्थित होटलों पर अंधाधुंध फ़ायरिंग कर दहशत फैलाना। इसके बाद ये व्यापारी को धमकी भरी पर्ची भेजकर रंगदारी और फिरौती की मांग करते थे। प्रदीप पर रंगदारी, बैंक लूट, डकैती, हत्या और हत्या के प्रयास जैसे तीन दर्जन से अधिक संगीन अपराधों के मुकदमे दर्ज हैं। सात आपराधिक मुकदमों में फरार चलने के कारण एसपी कोटपुतली द्वारा उसकी गिरफ्तारी पर ₹25,000 का इनाम घोषित किया गया था।

एडीजी श्री दिनेश एमएन के निर्देशन में और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन में एक विशेष टीम को इस हार्डकोर बदमाश को पकड़ने का जिम्मा सौंपा गया। जिसका नेतृत्व इंस्पेक्टर राम सिंह द्वारा किया गया। टीम ने मुखबिरों को एक्टिव किया, जिसके बाद हेड कांस्टेबल सुधीर कुमार को उसके गुड़गांवा में होने की पुख्ता जानकारी मिली। यह एक चुनौतीपूर्ण मिशन था, जहाँ टीम ने करीब 150 सीसीटीवी फुटेज खंगाले और रेकी की। आरोपी गुड़गांव के खेड़कीदोला थाना क्षेत्र की एक विशाल और लग्जरी सोसायटी एम आर पाम हिल के एक फ्लैट में छिपा हुआ था। टीम ने सोसायटी के नाकों पर सदस्य तैनात किए और गार्ड बनकर हेड कांस्टेबल सुधीर ने अंदर पल-पल की जानकारी हासिल की। एजीटीएफ के लिए यह भूसे के ढेर में से सुई ढूंढने जैसा कठिन कार्य था। सटीक स्थिति का पता चलते ही टीम ने फ्लैट पर छापा मारा और गैंगस्टर प्रदीप रावत को घेर कर दबोच लिया। गुड़गांवा से गिरफ्तार कर आरोपी को एजीटीएफ टीम कोटपूतली लेकर आई है और उसे थाना पुलिस को सौंप दिया गया है। पुलिस द्वारा उससे गहनता से पूछताछ की जा रही है, जिससे कई अन्य मामलों के खुलासे की पूरी संभावना है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा और इंस्पेक्टर राम सिंह नाथावत के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में गार्ड बनकर सूचना एकत्रित करने वाले हेड कांस्टेबल सुधीर कुमार की जहां विशेष भूमिका रही, वहीं हेड कांस्टेबल महेश सोमरा, हेमंत शर्मा, कांस्टेबल, जितेन्द्र कुमार और कांस्टेबल चालक दिनेश शर्मा का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। टीम में एसआई बनवारी लाल शर्मा, प्रताप सिंह, हेड कांस्टेबल महावीर सिंह, कांस्टेबल देवेंद्र सिंह, गोपाल धाबाई, विजय सिंह, और गंगाराम भी शामिल थे।

पंजाब को लूटकर खोखला कर दिया, आज सबसे अधिक कर्ज में डूबा राज्य : अनिल विज

चण्डीगढ, 27 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी को रावण के अंहकार के बारे में याद दिलाते हुए कहा कि ''यह ममता बैनर्जी नहीं बल्कि उनका अहंकार बोल रहा है और अहंकारी अपने आप ही खत्म हो जाता है। अहंकार तो रावण में भी था, मगर वह तहस नहस हो गया''। विज आज मीडिया कर्मियों द्वारा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए ब्यान कि भाजपा सीमावर्ती इलाकों में एसआईआर के ज़रिए सीएए लागू करने की कोशिश कर रही है, और अगर बंगाल में मुझे निशाना बनाया गया, तो मैं देश हिला दूँगी, के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। एक अन्य प्रश्न कि इस समय पंजाब कर्ज़ वाला सबसे बड़ा राज्य बन गया है, पर प्रतिक्रिया देते हुए अनिल विज ने पंजाब की मौजूदा और पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि ''पंजाब को लूट कर खा गए यह लोग। पंजाब एक वक्त देश का सबसे उन्नत प्रदेश माना जाता था लेकिन समय-समय पर यहां विभिन्न दलों का शासन रहा है उन्होंने पंजाब को खोखला कर दिया। आज पंजाब के ऊपर कर्ज बहुत ज्यादा है और पंजाब की हालत भी बहुत खराब है''।

हाल ही में राहुल गांधी ने कहा है कि संविधान पर हमला नहीं होने देंगे, के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में विज ने पलटवार करते हुए कहा कि ''संविधान के ऊपर कोई भी हमला नहीं कर रहा और सभी काम संविधान के अनुसार हो रहे हैं तथा संविधान के अनुसार सभी नियमों का पालन किया जा रहा है। बल्कि संविधान पर हमला कांग्रेस ने किया है। कांग्रेस की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने संविधान को एक किनारे रखकर इमरजेंसी लगा दी थी तथा सबके मौलिक अधिकार छीन लिए थे''।

विज ने कहा कि ''कांग्रेस नेता राहुल गांधी रोजाना संवैधानिक संस्थाओं पर हमला करते हैं, वे कभी चुनाव आयोग पर हमला करते हैं तो कभी सीबीआई पर हमला करते हैं और संविधान पर प्रहार लगातार कांग्रेस पार्टी कर रही है''।

खाद्य तेलों के दाम में वृद्धि से बिगड़ रहा है रसोई का बजट : सैलजा

चंडीगढ़, 27 नवंबर (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने देशभर में खाद्य तेलों के दाम पिछले कई महीनों से लगातार बढ़ रहे हैं, जिसके कारण आम उपभोक्ता की रसोई का खर्च काफी बढ़ गया है। सरसों, सूरजमुखी, पाम और रिफाइंड तेलों की कीमतों में 15-20 रुपये तक की वृद्धि ने गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों की आर्थिक स्थिति कमजोर कर दी है। कुमारी सैलजा ने कहा कि कहा कि जनता को राहत देना सरकार की जिम्मेदारी है, न कि उनकी मुश्किलें बढ़ाना। हरियाणा के लोगों की आवाज़ बनकर वह इस मुद्दे को संसद और राज्य दोनों स्तरों पर मजबूती से उठाएंगी। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी ने कहा कि भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार आम जनता को परेशान करने का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहती है। एक ओर सरकार दावा कर रही है कि महंगाई कम हो रही है जबकि महंगाई के चलते रसोई का बजट बिगड़ चुका है। गरीबों के हितों की बात करने वाली प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा बीपीएल परिवारों को मिलने वाले सब्सिडी वाले सरसों तेलों की कीमत में भारी बढ़ोतरी कर दी है।

हरियाणा सिर्फ एक बाजार नहीं है, यह विनिर्माण की महाशक्ति : सैनी

चंडीगढ़, 27 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सिर्फ एक बाज़ार नहीं है, यह विनिर्माण की महाशक्ति है। यह ऑटोमोबाइल, आई.टी. और अन्य उद्योगों का बड़ा केंद्र है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि टेस्ला भारत में अपना पहला इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण संयंत्र हरियाणा में ही स्थापित करेगा और टेस्ला की अन्य संबंधित इकाइयां भी यहां लगेंगी। मुख्यमंत्री वीरवार को गुरुग्राम में टेस्ला इंडिया मोटर्स के देश के पहले ऑल इन वन केंद्र का उद्घाटन करने उपरांत उपस्थित जन को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, पटौदी की विधायक बिमला चौधरी, सोहना के विधायक तेजपाल तंवर, गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा भी मौजूद रहे। *उद्योगों की 'कॉस्ट ऑफ डुइंग बिजनेस' को कम करने के लिए हरियाणा सरकार निरंतर प्रयासरत*

मुख्यमंत्री ने टेस्ला इंडिया मोटर्स के केंद्र का उद्घाटन करने उपरांत अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा में उद्योगों की 'कॉस्ट ऑफ डुइंग बिजनेस' को कम करने के लिए हरियाणा सरकार निरन्तर प्रयासरत है। इन्हीं प्रयासों के तहत औद्योगिक प्लाटों के लिए विशेष 'लीजिंग पॉलिसी' बनाई गई है। इसी क्रम में यहां स्थापित उद्योगों के साथ मिलकर लोकल सप्लाई चेन को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विदेशी कंपनियों और विदेशों से प्रभावशाली वार्तालाप के लिए हरियाणा सरकार ने विदेश सहयोग विभाग की स्थापना की है जो विदेशी निवेशकों के साथ लगातार सहयोग स्थापित करने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के औद्योगिक विकास को गति देने के लिए 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' का एक 'इको-सिस्टम' तैयार किया है, जिसके चलते हरियाणा ईज आफ डुईंग बिजनेस की टॉप अचीवर्स केटेगरी में अग्रणी स्थान बना चुका है। उन्होंने कहा कि हरियाणा को अपने ऑटोमोबाइल सेक्टर पर गर्व है, जो भारत में सबसे अधिक यात्री कारों का निर्माण करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा प्रदेश आज अपनी निवेश व उद्योग हितैषी नीतियों के आधार पर आशाओं और अवसरों की धरा बन गया है। आज प्रदेश की गिनती देश के सम्पन्न राज्यों में होती है। देश की जी.डी.पी. में हरियाणा का योगदान 3.6 प्रतिशत है। वर्ष 2014 से पहले प्रदेश का निर्यात लगभग 70 हजार करोड़ रुपए तक था, जो अब बढ़कर 2 लाख 75 हजार करोड़ रुपये को पार कर गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा उद्योगों को लॉजिस्टिक सुविधा देने में देश में दूसरे तथा उत्तर भारत में पहले स्थान पर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने कारोबारियों को लालफीताशाही से मुक्ति दिलाने की दिशा में कार्य करते हुए उन पुराने कानूनों में बदलाव किया है, जो आज के समय में प्रासंगिक नहीं रह गये थे। उन्होंने कहा कि सरकार ने जन विश्वास अध्यादेश, 2025 को गत 11 अक्तूबर को अधिसूचित किया है, ताकि 42 राज्य अधिनियमों में 164 प्रावधानों का अपराधीकरण समाप्त किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह हरियाणा सरकार की नीतियों का ही प्रभाव है कि पिछले 11 वर्षों में प्रदेश में 12 लाख 20 हजार 872 सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योग लगे हैं तथा इनमें 49 लाख 15 हजार लोगों को रोजगार मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा गीता की धरती है। यहां केवल बी-टू-बी अथवा जी-टू-जी मॉडल में काम नहीं करते बल्कि एच-टू-एच अर्थात हर्ट टू हर्ट मॉडल के साथ काम किया जा रहा है।

पुलिस कस्टडी में 16 वर्षीय युवक की मौत के बाद परिजनों ने किया थाने पर हंगामा

नवादा/एजेंसियां।

बिहार के नवादा जिले में गुरुवार सुबह एक किशोर की पुलिस कस्टडी में मौत के बाद माहौल बेकाबू हो गया। काशीचक थाना परिसर में 16 वर्षीय सन्नी कुमार का शव मिलने के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। मृतक सन्नी बौरी गांव का रहने वाला था और उस पर गांव की ही एक युवती को भगाने का आरोप था। घटना के मुताबिक, सन्नी कुमार और गीता (बदला हुआ नाम) के बीच पिछले तीन वर्षों से प्रेम संबंध चल रहा था। एक सप्ताह पहले दोनों घर से भाग गए थे। युवती का भाई बिहार पुलिस में सिपाही है और उसने सन्नी के खिलाफ शिकायत दर्ज

कराई थी। इसी क्रम में बुधवार शाम करीब 7 बजे पुलिस सन्नी को हिरासत में लेकर काशीचक थाना लाई थी। गुरुवार सुबह करीब 7 बजे थाना परिसर में ही उसकी मौत हो गई। मृतक के शरीर की प्रारंभिक जांच में उसकी गर्दन पर रस्सी के निशान पाए गए हैं। परिजनों ने इसे आत्महत्या नहीं, बल्कि हत्या करार देते हुए पुलिस और लड़की के परिवार पर आर-ोप लगाया है। उनका कहना है कि सन्नी पर अत्याचार किया गया और उसकी हत्या कर उसे आत्महत्या जैसा स्वरूप देने की कोशिश की गई। जैसे ही मौत की खबर फैली, भीड़ उग्र हो गई और लोगों ने पुलिस की गाड़ियों में तोड़फोड़ कर दी। आपातकालीन सेवा 112 की वाहन के टायर की हवा भी निकाल दी गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन सक्रिय हो गया है। पाकरीबरावां एसडीपीओ राकेश कुमार भास्कर ने बताया कि नाबालिग की मौत थाना परिसर में हुई है और इसकी जांच के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। अधिकारी के अनुसार, सन्नी पर प्रेम प्रसंग को लेकर मामला दर्ज था और इसी सिलसिले में उसे थाने लाया गया था। कस्टडी में मौत का मामला सामने आने के बाद ग्रामीणों में आक्रोश है। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लेने के लिए अतिरिक्त बल तैनात कर दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। फिलहाल परिवार और ग्रामीण न्याय की मांग पर अड़े हुए हैं।

ज्वेलरी शॉप में दिनदहाड़े घुसे छह नकाबपोश एक करोड़ की लूट

पटना/एजेंसियां।

उधर पटना में बिहार के पुलिस महानिदेशक माफिया राज को खत्म करने को लेकर बड़ा बयान दे रहे थे और इधर सीवान में हथियारबंद अपराधियों ने तकरीबन एक करोड़ की लूट की बड़ी घटना को दिनदहाड़े अंजाम दिया। एक ज्वेलरी शॉप में हुई इस लूट की घटना के दौरान 5 6 राउंड फायरिंग कर अपराधियों ने दहशत फैला दिया।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जगह भारतीय जनता पार्टी के सम्राट चौधरी के पास पहली बार गृह विभाग आया है और अब इतनी बड़ी घटना के साथ अपराधियों ने अपने मनोबल का प्रमाण दिया है। नकाबपोश छह अपराधी ज्वेलरी शॉप में घुसे और

दिनदहाड़े लूट के वारदात को अंजाम देकर निकल भी गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अपराधी बड़ी आसानी से दुकान में घुसे, लाखों रुपये के जेवरात और कैश लूट लिया और निकलते समय फायरिंग करते हुए फरार हो गए। गोलियों की आवाज से पूरा बाजार दहशत में आ गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू कर दी है। इलाके के व्यापारियों में प्रशासन के प्रति गुस्सा है और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नाराजगी बढ़ गई है।

ठेकेदार रिशु से जुड़े ठिकानों पर ईडी के छापे

पटना/एजेंसियां।

प्रवर्तन निदेशालय ने पटना के हाईप्रोफाइल ठेकेदार रिशु से संबंधित मामले में देश के नौ ठिकानों पर छापेमारी की है। धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत दर्ज इस मामले में सूरत, अहमदाबाद, दिल्ली और गुरुग्राम के ठिकानों को पर छापेमारी की। इस दौरान लगभग 33 लाख रुपए नकद, कई डिजिटल उपकरण, डायरी और कई महत्वपूर्ण दस्ता-वेज बरामद हुए हैं। ईडी ने मई 2025 में निगरानी इकाई ने रिशु और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू की।

जांच में यह बात सामने आई कि रिशु ने बिहार सरकार के कई विभागों में ठेकेदार और उप

ठेकेदार के रूप में काम किया। इस दौरान उसने ठेका पाने के लिए कई अधिकारियों को मोटा कमीशन के रूप में बड़ी रकम दी। ईडी का कहना है कि रिशु का नाम पहली बार आईएएस अधिकारी संजीव हंस पर चल रहे मुकदमों और ईडी के द्वारा की गई कार्रवाई के दौरान सामने आई थी। बिहार कैडर के 1997 बैच के आइएएस अधिकारी संजीव हंस पर भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी और मनी लांड्रिंग के गंभीर आरोप हैं, जो ऊर्जा विभाग में उनके कार्यकाल से जुड़े हैं। यह मामला ईसीआईआर नंबर पीटीजेडओ 04.2024 पर आधारित है, जो 14 मार्च, 2024 को दर्ज किया गया था। इसमें धारा 3 और 4 के तहत मनी लांड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) की धाराओं का उल्लंघन बताया गया है। हालांकि पटना हाईकोर्ट ने मनी लांड्रिंग से जुड़े मामले में न्यायाधीश चंद्र प्रकाश सिंह की एकलपीठ ने इस मामले की सुनवाई करते हुए आइएएस अधिकारी संजीव हंस को जमानत दे दी।

श्रमिक को थप्पड़ मारने के मामले में राजद विधायक पर एफआईआर

पटना/एजेंसियां।

बिहार के मधेपुरा शहर में नाला निर्माण कार्य के दौरान हुए विवाद ने तूल पकड़ लिया है। निर्माण कार्य में लगे मजदूर सोनू निगम ने राजद विधायक प्रो. चंद्रशेखर पर मारपीट की। अभद्र भाषा के प्रयोग का आरोप लगाते हुए सदर थाना में एफआईआर दर्ज कराई है। अररिया जिले के भीमा गांव निवासी सोनू ने अपने आवेदन में कहा है कि 23 नवंबर की रात पूर्णिया गोला चौक पर काम कर रहे थे, तभी विधायक करीब 10 लोगों के साथ पहुंचे और उन्हें थप्पड़ मारते हुए गाली गलौज की। सोनू के अनुसार इससे पहले भी पूर्व मुखिया मुन्ना यादव द्वारा

कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर से रुपये की मांग की जा चुकी थी। पीड़ित ने बताया कि घटना के बाद भय के कारण सभी मजदूर मौके से भाग गए। सदर थानाध्यक्ष विमलेंदु कुमार ने मामले में केस दर्ज होने की पुष्टि की है और जांच जारी है। बुडको के अंतर्गत पटना जेबी कंपनी द्वारा नाला निर्माण का काम किया जा रहा है। एक साथ शहर के कई स्थानों पर काम किया जा रहा है। नाला निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सदर विधायक ने पूर्व में भी सवाल उठाया था। बता दें कि बुडको द्वारा 72 करोड़ रुपये की लागत से स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम का निर्माण किया जा रहा है, जिसकी गुणवत्ता को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इन्हीं शिकायतों पर रविवार को विधायक प्रो. चंद्रशेखर निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। निरीक्षण के दौरान मजदूर के ट्रैक्टर लेकर भागने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें विधायक के थप्पड़ मारने की बात भी सामने आई। हालांकि, विधायक ने मारपीट से इनकार करते हुए कहा कि उन्होंने भीड़ से मजदूर को सिर्फ बचाया। विधायक ने कहा कि महागठबंधन सरकार में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा स्वीकृत इस योजना को किसी भी कीमत पर अनियमितता की भेंट नहीं चढ़ने दिया जाएगा।

ऑटो और ट्रक की आमने सामने टक्कर में छ लोगों की दर्दनाक मौत

शेखपुरा/एजेंसियां।

यहां एनएच 333ए पर हुए भीषण सड़क हादसे में सीएनजी ऑटो और ट्रक की आमने सामने टक्कर में छ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि सात अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों में तीन की हालत नाजुक बताई जा रही है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। यह हादसा शेखपुरा चेवाड़ा रोड पर एकसारीबीघा और मनियंडां मोड़ के बीच सुबह करीब 11 बजे के आसपास हुआ। यात्रियों से भरी सीएनजी ऑटो तेज रफ्तार ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए और वह ट्रक के अंदर जा फंस गया। मौके पर ही पांच लोगों की मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने

तुरंत घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया। घटना की जानकारी मिलने के बावजूद एंबुलेंस और पुलिस के पहुंचने में करीब दो घंटे की देरी हुई, जिससे लोगों का गुस्सा भड़क गया और उन्होंने सड़क जाम कर दिया। बाद में एसडीपीओ डॉ. राकेश कुमार के समझाने पर लोग शांत हुए और सड़क को खाली कराया गया। हादसे में करंडे थाना क्षेत्र की 50 वर्षीय आशा देवी उर्फ सीमा देवी, 28 वर्षीय राहुल कुमार उर्फ टुनटुन यादव, महेशपुर गांव की 85 वर्षीय अहिल्या देवी, 14 वर्षीय निशा कुमारी, धमसेना गांव के 35 वर्षीय राजकुमार साव और धर्मेंद्र रविदास के नौ वर्षीय पुत्र हिमांशु कुमार उर्फ साधु कुमार की मौत हुई है। वहीं घायल होने वालों में दीपक मांझी, प्रिया कुमारी, शिवानी कुमारी, अंगुरा देवी, संतोष चौहान, मौसमी देवी और सुमन कुमारी शामिल हैं। सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए पावापुरी रेफर किया गया है। हादसे के बाद स्थिति इतनी भयावह थी कि ट्रक में फंसे दो शवों को निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। जिला प्रशासन की टीम और जेसीबी की मदद से शवों को बाहर निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया। एएसपी डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि इस हादसे में अब तक छ लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। ट्रक चालक और ऑटो चालक के खिलाफ सदर थाना में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

बढ़ई की अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी

मधेपुरा/एजेंसियां।

गम्हरिया थाना क्षेत्र के सिहपुर स्थित बजरंगबली मंदिर के पास मंगलवार देर शाम एक बढ़ई की अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान सिहपुर वार्ड संख्या 9 निवासी स्वर्गीय मांगन शर्मा के बेटे रविंद्र शर्मा (40) के रूप में हुई है। वारदात के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। परिजनों के अनुसार रविंद्र शर्मा रोज की तरह अपनी दुकान से काम निपटाकर मंगलवार शाम करीब छह बजे बाइक से घर लौट रहे थे। उनके बड़े भाई श्यामू शर्मा ने बताया कि वे दुकान से लकड़ी का जलावन भी साथ ले जा रहे थे। जैसे ही

वह सिहपुर में स्थित बजरंगबली मंदिर के पास पहुंचे, पहले से घात लगाए बैठे अपराधियों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली उनके पेट और शरीर के अन्य हिस्सों में लगी, जिससे वे मौके पर ही गिर पड़े। स्थानीय लोग और परिजन उन्हें तुरंत जेएनकेटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि रविंद्र रोजी रोटी के लिए बढ़ई का काम करते थे और चार भाइयों में तीसरे नंबर पर थे। वे अपने पीछे पत्नी चुन्नी देवी और दो छोटी बेटियों को छोड़ गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। ग्रामीणों ने हत्या की निंदा करते हुए अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। सूचना मिलते ही गम्हरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए हेडक्वार्टर डीएसपी मनोज मोहन भी पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। उन्होंने बताया कि घर से मात्र 200 मीटर की दूरी पर अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया है। अभी तक परिजनों ने किसी दुश्मनी की आशंका नहीं जताई है, लेकिन पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। डीएसपी ने कहा कि तकनीकी और वैज्ञानिक तरीकों से जांच की जा रही है और जल्द ही हत्यारों का पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

ट्रेन की चपेट में आने से एक बुजुर्ग की मौत

नालंदा/एजेंसियां।

जिले के बख्तियारपुर राजगीर रेल खंड पर देर रात एक दर्दनाक हादसा हुआ, जहां ट्रेन की चपेट में आने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। घटना हरनौत रेलवे स्टेशन की है।

मृतक की पहचान हरनौत थाना क्षेत्र के हासनचक गांव निवासी स्वर्गीय अकलू पासवान के 60 वर्षीय पुत्र बासो पासवान के रूप में हुई है। बुधवार सुबह पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ मॉडल अस्प-ताल भेजा। मृतक के भतीजे नीतीश पासवान ने बताया कि बासो पासवान अपनी पत्नी उरो देवी के साथ नेपाल आंख का इलाज करवाने के लिए गए हुए

थे। देर रात दोनों पटना से ट्रेन पकड़कर हरनौत लौट रहे थे। इसी दौरान हरनौत स्टेशन पर ट्रेन से उतरते समय बासो पासवान का बैलेंस बिगड़ गया और वह प्लेटफॉर्म के नीचे चले गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना उनकी पत्नी उरो देवी ने परिजनों को दी। बताया गया कि दंपति की पांच बेटियां हैं, जो सभी विवाहित हैं और अपने अपने ससुराल में रहती हैं। घर में पति पत्नी अकेले रहते थे। शुक्रवार को वे आंख का इलाज कराने नेपाल गए थे। बिहार शरीफ रेल थाना प्रभारी संजय कुमार पंडित ने बताया कि दंपति फास्ट पैसेंजर ट्रेन से पटना से हरनौत आ रहे थे। उतरने के दौरान संतुलन बिगड़ने से बासो पासवान प्लेटफॉर्म के नीचे गिर गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर रेल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उन्होंने कहा कि आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बेंगलूरु एयरपोर्ट पर घने कोहरे की वजह से 48 उड़ानें प्रभावित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गुरुवार सुबह इस सीजन का पहला घना कोहरा छाने से 48 फ्लाइट्स पर असर पड़ा। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि कोहरे की वजह से सुबह 4.44 बजे से 48 फ्लाइट्स लेट हो गईं। सबसे ज्यादा 69 मिनट और सबसे कम एक मिनट की देरी हुई। दो फ्लाइट्स को डायवर्ट भी किया गया। मेंगलूरु से एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक फ्लाइट को चेन्नई और दिल्ली से एयर इंडिया की एक फ्लाइट को कोच्चि डायवर्ट किया गया। केआईए पर कोहरे को रेडिएशन फॉग के नाम से जाना

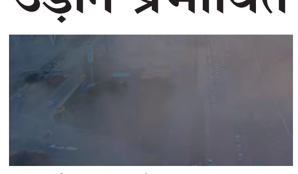

जाता है। नवंबर से फरवरी तक चार महीनों में सुबह 3 बजे से 8.30 बजे के बीच ऐसा होने का अनुमान है। इस दौरान, खराब विजिबिलिटी की वजह से बेंगलूरु एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन पर असर पड़ता है। आईएमडी के अनुमान में कहा गया है कि अगले 48 घंटों के लिए बेंगलूरु शहर और आस-पास के इलाकों के लिए आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। कुछ इलाकों में सुबह के समय धुंध छाई रह सकती है।

बेंच पर पड़े हुए युवक की लाश मिली

मुजफ्फरपुर/एजेंसियां।

जिले में एक क्लीनिक के बाहर बेंच पर पड़े हुए युवक की लाश मिली है। लाश मिलने की जानकारी के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी और पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मामला जिले के अहियापुर थाना क्षेत्र के पुरानी मोतिहारी रोड का है। मृतक की पहचान मीनापुर थाना क्षेत्र के गंजबाजार निवासी 26 वर्षीय मो. मेराज के रूप में हुई है। उसकी शादी सीतामढ़ी जिले के रुन्नीसैदपुर थाना क्षेत्र में हुई थी। घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। टीएन चौबे के क्लिनिक के पास

सड़क किनारे बेंच पर लाश मिली है। जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस इस मामले की जांच में जुटी हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस आगे की जांच पड़ताल और कार्रवाई में जुटी हुई है। पूरे मामले में अहियापुर थाना प्रभारी रोहन कुमार ने बताया कि डेड बॉडी मिलने की जानकारी पर पुलिस टीम पहुंची है। मृतक की पहचान कर ली गई है। मृतक डीजे में काम करने वाला था। पुलिस मामले में जांच पड़ताल कर रही है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। वहीं मृतक के पास से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है, जिसकी जांच की जा रही है। डेड बॉडी को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने हेतु मेडिकल कॉलेज भेजा जा रहा है और इस मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com